जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, रविवार 7 जून, 2026

विचार बिन्दु

कर्मों की आवाज़ शब्दों से ऊंची होती है। –कहावत

पुराने वनों का संरक्षण सबसे बड़ा प्राकृतिक जलवायु समाधान है

ऐसे वन जो विकास के उन्नत चरण में हैंया जहाँ विविध प्रजातियों के पुराने, मोटे और बड़े वृक्षों की बहुतायत है उन्हें दुनिया प्राइमरी फॉरेस्ट्स या ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट्स के नाम से जानती है। ऐसे वनों के पारिस्थितिक, सामाजिक और आर्थिक महत्त्व पर विश्व भर में बड़ी शोध हुई है।ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट्स की अभी भी कोई एक मानक परिभाषा नहीं है। फिर भी इन वनों में प्रमुख प्रजातियों की लंबी उम्र, प्राकृतिक गड़बड़ी का कम से कम होना, मानव हस्तक्षेप का कम होना, छाया-सहिष्णुता या छाया में भी उग सकने वाली प्रजातियों की बहुलता, विशिष्ट संरचनाओं, जैसे बड़े-बड़े पेड़, खोखलों में घोंसले बनाने वाले पक्षियों की उपस्थिति और बहुतायत, भारी-भरकम पुराने वृक्षों के यत्र तत्र गिरे-पड़े संचित सूखे तने, मिट्टी के ऊपर पत्तियों और सूखी टहनियों की मोटी परत आदि लक्षणों के संदर्भ में पहचाना और परिभाषित किया जाता है। इन क्षेत्रों में मिलने वाले बड़े वृक्षों में मधुमक्खियों के छत्ते भी प्राय: देखे जाते हैं। इसके अलावा बड़े वृक्षों के मुख्य तने में छाल में निवास करने वाले विविध प्रजातियों के कीड़े-मकोड़े पाये जाते हैं। सैप्रोजायलिक कवक, लाइकेन तथा कीड़ों की प्रजातियां बड़ी संख्या में सूखी गिरी पड़ी लकड़ी पर निर्भर होती हैं।

ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट के नीचे की मिट्टी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें पोषक तत्वों की प्राय: कोई कमी नहीं पाई जाती। नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम के साथ सूक्ष्म पोषक तत्व भी प्रचुर मात्रा में मिलते हैं क्योंकि यदि आग, चराई और कटान नहीं हो रहा है तो बायोजियोकेमिकल चक्र सुचारु रुप से चलते हैं। ऐसा संभव है ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट्स के आसपास कोई नदी-नाला या नम भूमि इत्यादि हो। प्राय: यह भी देखा गया है कि ओल्ड ग्रोथ फॉरेस्ट्स में पौधों और प्राणियों की जो प्रजातियां मिलती हैं वे समीपवर्ती वन क्षेत्रों से कुछ भिन्न हो सकती हैं। इन क्षेत्रों में प्राय: बड़े बीजों वाली प्राणी-विकीर्णित वृक्ष प्रजातियों का बाहुल्य होता है।

उष्णकटिबंधीय वनों में जहां प्रजातियों की विविधता और प्राकृतिक वातावरण पर मानव दबाव दोनों ही अधिक हैं, भूमि-उपयोग परिवर्तन जैव-विविधता को गंभीर खतरे में डालते हैं। कृषि, लकड़ी के लिये कटान, उद्योगों की स्थापना और अन्य उपयोगों के लिये उष्णकटिबंधीय वनों के तेजी से बदलाव उष्णकटिबंधीय जैव-विविधता को नष्ट कर देते हैं। एक शोध जो 138 अध्ययनों की मेटा-एनालिसिस का उपयोग कर की गयी, के परिणाम उष्णकटिबंधीय जंगलों में मानवीय दखल के कारण विक्षोभ और भूमि रूपांतरण से जैव-विविधता पर पड़ने वाले प्रभाव का वैश्विक मूल्यांकन प्रदान करते हैं (देखें, एल. गिब्सन इत्यादि, नेचर, 478(7369):378-381, 2011)। इस अध्ययन में प्राथमिक वनों जिनमें कोई मानवीय दखल नहीं था और बिगड़े वनों जिनमें मानवीय दखल था, में जैव-विविधता का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया। यह पाया गया अवक्रमित या बिगड़े वनों में जैव-विविधता की स्थिति तमाम कारणों से बहुत ख़राब थी। यह वैश्विक शोध निर्विवाद रूप से सिद्ध करतीहै की वन-विनाश के विविध कारणों का उष्णकटिबंधीय जैव-विविधता पर अत्यंत हानिकारक प्रभाव पड़ता है। उपरोक्त एवं अन्य शोध के परिणाम स्पष्ट रूप से इंगित करते हैं कि जब उष्णकटिबंधीय जैव-विविधता को बनाये रखने की बात आती है, तो प्राथमिक वनों का कोई विकल्प नहीं है (देखें, जे. बार्लो इत्यादि, प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द नेशनल अकैडमी ऑफ़ साइंसेज यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ़ अमेरिका, 104(47):18555-18560, 2007)।

संपूर्ण विश्व के कुल 23 से 26 प्रतिशत वन ही अब प्राइमरी याओल्ड ग्रोथ फॉरेस्ट्स के रूप में बचे हैं। राजस्थान में कई जिलों में ओल्ड ग्रोथ फॉरेस्ट्स अभी भी बचे हुये हैं, हालांकि ऐसे वन उष्णकटिबंधीय शुष्क क्षेत्रों में विशेष रुप से संकटापन्न हैं। संकट के मुख्य कारण आसपास रहने वाली मानव आबादी के पालतू मवेशियों द्वारा चराई, जलाऊ लकड़ी के लिये कटाई और घर बनाने के लिये इमारती लकड़ी की कटाई इत्यादि हैं। ऊपर से प्राकृतिक और मानव-जनित कारणों से आग भी ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट्स को बड़ी हानि पहुँचती है। कई क्षेत्रों में बड़े वृक्षों की शाखाओं को काट कर साल दर साल चारे के रूप में भी प्रयोग किया जाता है। उदाहरण के लिये पुराने वनों से अर्जुन (कहुआ, कोहड़ा) के बड़े वृक्षों की शाखाओं को काटकर भैंसों के चारे के रूप में उपयोग होता है। हर साल शाखा कटान के कारण इन वृक्षों में फूल, फल और बीज लगने की प्रक्रिया भी बाधित होती है। बीजों का उत्पादन और विकीर्णन नहीं होने से प्राकृतिक पुनरुत्पादन बाधित होता है। जिन क्षेत्रों में बीजों का उत्पादन होता भी है वहां बीज विकीर्णन करने वाली वन्य-प्राणी प्रजातियां ना होने से अब केवल बड़े वृक्ष ही बचे हैं क्योंकि प्राकृतिक पुनरुत्पादन नहीं के बराबर है। जो भी थोड़ा बहुत पौधे उगते हैं वे भी बड़े होने के पहले ही चर लिये जाते हैं। आग का भी प्रकोप होता है, हालांकि उष्णकटिबंधीय शुष्क वनों में पिछले 30 वर्षों वनों में प्राय: सतही आग ही लगी है। इससे बड़े वृक्षों को भले ही हानि ना होती हो, किंतु बीजों, बिजौलों व प्राकृतिक पुनरुत्पादन को बड़ी हानि पहुंचती है। क्लाइमेट चेंज की दशा में आर्द्र तराई क्षेत्रों के वनों में हर जगह पुराने जंगलों में जमीन के ऊपर के जैवभार (बायोमास) में कमी आने की भारी आशंका है। उष्ण कटिबंध में वर्ष 2081-2100 के मध्य तक तापमान बढ़ने के कारण इस कमी का अनुमान 41 प्रतिशत और विश्व स्तर पर 29 प्रतिशत है (देखें, एम. लर्जावारा इत्यादि, कार्बन बैलेंस एंड मैनेजमेंट, 16(1):31, 2021)।

पुराने वनों का संरक्षण और प्रबंध प्राकृतिक जलवायु समाधान के रूप में विशेष महत्व रखता है। कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन और भंडारण के साथ ही इन वनों के अनगिनत लाभ हैं। वनानुभव व पारिस्थितिक पर्यटन, मानव के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य हेतु संसाधन, जैव-विविधता व आनुवंशिक संसाधन का संरक्षण, भौम-जलस्तर में बढ़त व जल-धाराओं, झरनों व नदियों के रूप में पानी की उपलब्धता, देववनों के रूप में स्थानीय सांस्कृतिक मूल्यों के वाहक होते हैं।

पुराने वनों का संरक्षण और प्रबंध प्राकृतिक जलवायु समाधान के रूप में विशेष महत्व रखता है। कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन और भंडारण के साथ ही इन वनों के अनगिनत लाभ हैं। वनानुभव व पारिस्थितिक पर्यटन, मानव के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य हेतु संसाधन, जैव-विविधता व आनुवंशिक संसाधन का संरक्षण, भौम-जलस्तर में बढ़त व जल-धाराओं, झरनों व नदियों के रूप में पानी की उपलब्धता, देववनों के रूप में स्थानीय सांस्कृतिक मूल्यों के वाहक होते हैं। ऐसे वनों के संरक्षण को बढ़ावा देने वाली रणनीतियाँ केवल इन वनों को केन्द्रित कर बनाये जाने के बजाय सम्पूर्ण भू-परिदृश्य के स्तर पर बनाना आवश्यक होता है। पहली बात इनमें बड़े वृक्षों की बहुतायत के कारण बड़ी मात्रा में कार्बन जमा होता है और सैकड़ों साल तक होता रहता है, इसीलिये ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट्स को विश्व के कार्बन भण्डार के रूप में जाना जाता है। क्लाइमेट चेंज मिटीगेशन के लिए यह भण्डार अति महत्वपूर्ण है (देखें, एस. लुस्स्येर्ट इत्यादि, नेचर, 455 (7210): 213-215, 2008)। दूसरी बात यह है कि पुराने पेड़ों में अपेक्षाकृत स्थिर विकास दर होती है, जो ग्लोबल वार्मिंग के विरुद्ध उल्लेखनीय प्रतिरोध देती है (देखें, एम. कोलेंगेलो इत्यादि, साइंस ऑफ़ द टोटल एनवायरनमेंट, 801,149684, 2021)। इसके साथ ही सर्वाधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि ऐसे वन अन्य क्षेत्रों में वनों के पुनर्स्थापन के लिये उन प्रजातियों के बीजों और जैव-विविधता के सबसे महत्वपूर्ण स्त्रोत हैं जो लोगों के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं किन्तु उष्णकटिबंधीय वनों के अन्य क्षेत्रों से स्थानीय रुप से विलुप्त हो चुकी हैं (देखें, डी.एन. पाण्डेय, कन्जर्वेशन बायोलॉजी, 17(2): 633-635, 2003)।

इसी बात को ध्यान में रखते हुयेदेश के विभिन्न राज्यों में सभी ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट्स को चिन्हित कर संरक्षण व संवर्धन एवं सतत विकास किया जाना आवश्यक है। इन क्षेत्रों के अंदर पुराने और बड़े वृक्षों का संरक्षण और साथ में संपूर्ण क्षेत्र का संरक्षण दोनों को ही ध्यान रखना आवश्यक है। यहाँ चराई और कटाई से बचाव के साथ-साथ यहां सूखी गिरी पड़ी लकड़ी को भी बाहर निकालने से रोकना आवश्यक है। जैसा कि ऊपर बताया गया है सूखे गिरे पड़े वृक्ष भी तमाम प्रजातियों के संरक्षण के लिये आवश्यक हैं।

यदि इन क्षेत्रों में प्राकृतिक पुनरुत्पादन नहीं हो रहा है तो वनों के वितान में जहां खुले स्थान मिल रहे हैं वहां पर उसी प्रकार की प्रजातियों का रोपण आवश्यक है जो ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट में पाई जाती हैं। ऐसी प्रजातियां प्राय: बड़े बीजों वाली और चौड़ी पत्ती वाली होती हैं। बड़े बीज होने से इनका विकीर्णन बड़े शरीर वाले प्राणियों द्वारा ही हो सकता है परंतु चूंकि अनेक क्षेत्रों से बड़े शरीर वाले प्राणी विलुप्त हो चुके हैं इसलिए हमें वृक्षारोपण, सीधी बुवाई और डंडारोपण करना आवश्यक हो जाता है। उदाहरण के लिए राजस्थान में बड़े बीजों वाली प्रजातियों में आम, महुआ, जामुन, अर्जुन, बहेड़ा, सादड़, कणज, घटबोर, लिसोड़ा, बीजासाल, खाखरा, कड़ाया, सीताफल, बेल, नीम, कचनार, तेंदू, बिस्तेंदू, गोदल, ऊंबिया, इमली, सागवान, बेर, खजूर, अचार या चारोली, कुसुम, हिंगोट, अरीठा आदि शामिल हैं। कुछ ऐसी प्रजातियाँ भी उगाना चाहिये जो फलों के लिये प्रसिद्ध हैं, भले ही वे छोटे बीज वाली हों। आँवला, बरगद, कैंथगूलर, पीपल, कैर, लिसोड़ा, जाल, खेजड़ी आदि फल के लिये जानी जाती हैं (देखें, डी.एन. पाण्डेय, अरावली के वन्य वृक्ष: वनवर्धन एवं पौधशाला प्रबंध, पृष्ठ 1-24, 1992)।

चूंकि ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट्स का दायरा धीरे-धीरे बढ़ाना आवश्यक है। इसके लिए सबसे उपयोगी यह है कि ऐसे क्षेत्रों को फॉरेस्ट रेस्टोरेशन के लिये चयनित किये जा रहे बड़े क्षेत्रों के अंदर लेकर बड़े दायरे में बीजारोपण व बहुत आवश्यक हो तो वृक्षारोपण करना चाहिये। बाहर के दायरे में जहां प्रजाति विविधता कम है या क्षेत्र खाली हो गये हैं वहां पर अर्ली-सक्सेशनल, मिड-सक्सेशनल, और लेट-सक्सेशनल प्रजातियों के मिश्रण की मृदा व जल संरक्षण के साथ सीधी बुवाई किया जाना उपयोगी रहेगा। साथ ही थोड़ी-बहुत वनस्पति जो उस क्षेत्र में हो उसका संरक्षण करना उपयोगी रहेगा। ऐसा करने से धीरे-धीरे ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट का दायरा बढ़ने लगेगा। इस रणनीति का एक लाभ यह भी है कि क्षेत्र में पक्षियों द्वारा विकीर्णित होने वाले बीजों का विकीर्णन भी पूरे वृक्षारोपण क्षेत्र में बढ़ेगा। सुरक्षित क्षेत्र में होने वाला अंकुरण और पनपने वाले पौधों के सुरक्षित बड़े पौधों के रूप में विकसित होने की संभावना बढ़ जाती है।

प्राचीन, विशालकाय वृक्षों वाले उष्णकटिबंधीय वन जैव-विविधता की जीती-जागती अनमोल विरासत हैं। इनका संरक्षण वैश्विक प्राथमिकता है। उष्णकटिबंधीय वनों और जैव-विविधता से मानवता को प्राप्त होने वाले सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय लाभ हेतु पुराने प्राथमिक वनों का कोई विकल्प नहीं है। प्राकृतिक जलवायु समाधान के रूप में इन वनों के प्रमाण-आधारित प्रबंध में निवेश अनिवार्य है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

राजनीति में निवृत्ति का यथार्थ और उसके निहितार्थ

डॉ. कैलाश चन्द सैनी

राजनीति में शायद ही कभी कोई वास्तविक 'निवृत्ति' होती है। नेताओं की चुनावी सक्रियता भले समाप्त हो जाए पर उनका सत्ता-संरचना से जुड़ाव बना रहता है। राजस्थान के अनेक वरिष्ठ नेताओं की विधानसभा से राजभवन तक की यात्रा यह प्रश्न खड़ा करती है कि क्या संवैधानिक पद अनुभवी राजनेताओं के कौशल का संस्थागत उपयोग हैं, या मात्र राजनीतिक पुनर्स्थापन का एक माध्यम? यहां राजनीति में 'निवृत्ति' के इसी यथार्थ का अन्वेषण किया गया है तथा इसके व्यापक संवैधानिक निहितार्थों का तथ्याधारित विश्लेषण प्रस्तुत है।

भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था का एक दिलचस्प और व्यापक रूप से स्वीकृत यथार्थ यह है कि राजनीति में 'निवृत्ति' (सेवानिवृत्ति) की अवधारणा लगभग अप्रासंगिक प्रतीत होती है। शासकीय अथवा निजी सेवाओं में जहाँ एक निश्चित आयु के बाद व्यक्ति औपचारिक दायित्वों से मुक्त होकर विश्राम और निजी जीवन की ओर उन्मुख होता है, वहीं राजनीति में सक्रियता का अवसान शायद होता ही नहीं। यहाँ सेवानिवृत्ति का अर्थ प्राय: सार्वजनिक जीवन से दूरी नहीं, बल्कि सत्ता-संरचना के भीतर किसी नए दायित्व, नए पद अथवा नई भूमिका की तलाश होता है।

चुनावी राजनीति से प्रत्यक्ष रूप से अलग हो जाने के बाद भी अधिकांश वरिष्ठ राजनेता किसी न किसी रूप में सत्ता और प्रतिष्ठा के केंद्रों से जुड़े रहना चाहते हैं। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा का प्रश्न नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति की उस संरचनात्मक संस्कृति का भी हिस्सा है, जिसमें अनुभव, प्रभाव और राजनीतिक उपयोगिता को अंतिम समय तक सक्रिय बनाए रखा जाता है।

अनुभव का संस्थागत उपयोग या राजनीतिक पुनर्वास? –यदि इस प्रवृत्ति का अध्ययन राज्यों की राजनीति, विशेषत: राजस्थान के संदर्भ में किया जाए, तो अनेक रोचक निष्कर्ष सामने आते हैं। राजस्थान विधानसभा से जुड़े कई वरिष्ठ और प्रभावशाली नेताओं को आगे चलकर राज्यपाल अथवा उपराज्यपाल जैसे उच्च संवैधानिक पदों पर नियुक्त किया जाना अब लगभग एक स्थापित राजनीतिक परिपाटी बन चुका है। औपचारिक दृष्टि से इसे अनुभवी जननेताओं के दीर्घ राजनीतिक अनुभव का संस्थागत उपयोग कहा जा सकता है, किंतु व्यावहारिक राजनीति के धरातल पर यह प्रक्रिया कई बार 'राजनीतिक पुनर्स्थापन' अथवा सम्मानजनक पुनर्वास के रूप में भी दिखाई देती है। जब बदलते राजनीतिक समीकरण, आयु अथवा संगठनात्मक परिस्थितियाँ नेताओं की प्रत्यक्ष चुनावी भूमिका को सीमित करने लगती हैं, तब राज्यपाल का पद उनके लिए एक प्रतिष्ठित और अपेक्षाकृत सुरक्षित संवैधानिक आश्रय बन जाता है।

संवैधानिकता तथा राजनीतिक समीकरण –राज्यपालों की नियुक्ति की प्रक्रिया स्वाभाविक रूप से केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आती है। यही कारण है कि समय-समय पर यह प्रश्न उठता रहा है कि क्या राजभवन पूरी तरह निष्पक्ष संवैधानिक संस्थान बन पाए हैं, अथवा वे कभी-कभी केंद्र और राज्यों के राजनीतिक संबंधों के विस्तार-स्थल के रूप में भी कार्य करने लगते हैं। हाल के वर्षों में विभिन्न राज्यों में राज्यपालों और निर्वाचित राज्य सरकारों के बीच उत्पन्न टकरावों ने इस बहस को और प्रासंगिक बना दिया है। आलोचकों का मत रहा है कि कुछ अवसरों पर राज्यपालों की भूमिका संवैधानिक मध्यस्थ की अपेक्षा केंद्र के राजनीतिक दृष्टिकोण के अधिक निकट दिखाई देती है। परिणामस्वरूप राजभवन कई बार सहयोगी संवैधानिक संस्था के बजाय एक समानांतर शक्ति-केंद्र के रूप में उभरता हुआ प्रतीत होता है, जो संघीय संतुलन को प्रभावित कर सकता है।

पद पर रहते हुए जीवन का अवसान–कुछ उदाहरण ऐसे हैं जहाँ वरिष्ठ नेता जीवन के अंतिम क्षण तक संवैधानिक पदों पर सक्रिय रूप से बने रहे –

शिवचरण माथुर : नौ बार विधायक और दो बार राजस्थान के मुख्यमंत्री रहे श्री माथुर को 4 जुलाई 2008 को 82 वर्ष की आयु में असम का राज्यपाल नियुक्त किया गया। वे अपने निधन (25 जून 2009) तक इस पद पर बने रहे।

गोविन्द सिंह गुर्जर – राजस्थान विधानसभा के छह बार सदस्य रहे श्री गुर्जर को 23 जुलाई 2008 को 76 वर्ष की आयु में पुडुचेरी का उपराज्यपाल नियुक्त किया गया। वे भी अपने निधन (6 अप्रैल 2009) तक इस पद पर पदासीन रहे। ये उदाहरण राजनीति में सार्वजनिक सक्रियता की निरंतरता को रेखांकित करते हैं।

विधानसभा से राजभवन तक– राजनीतिक इतिहास में अनेक अवसर ऐसे आए जब पूर्व मुख्यमंत्रियों को राजभवनों में नई संवैधानिक भूमिका प्रदान की गई।

मोहनलाल सुखाड़िया : लगभग सत्रह वर्षों तक राजस्थान के मुख्यमंत्री रहे सुखाड़िया जी बाद में कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के राज्यपाल बने। सक्रिय प्रांतीय राजनीति से संवैधानिक दायित्वों की ओर उनका यह संक्रमण भारतीय राजनीति में वरिष्ठ नेतृत्व की निरंतर उपयोगिता का उदाहरण माना जा सकता है।

जगन्नाथ पहाड़िया : विधायक, सांसद और मुख्यमंत्री के रूप में लंबा राजनीतिक अनुभव रखने वाले पहाड़िया जी पहले बिहार (1989-1990) तथा बाद में हरियाणा (2009-2014) के राज्यपाल रहे। उनकी राजनीतिक यात्रा यह संकेत देती है कि भारतीय राजनीति में वरिष्ठ नेताओं की भूमिका समय के साथ केवल परिवर्तित होती है, समाप्त नहीं।

श्री हरिदेव जोशी: लगातार दस बार विधायक रहे जोशी जी का राजनीतिक जीवन अन्य राजनेताओं से सर्वथा भिन्न रहा है। दो बार मुख्यमंत्री रहने के बाद उन्हें 1989 में असम और मेघालय के राज्यपाल का दायित्व सौंपा गया। करीब 8 माह बाद ही राजनीतिक परिस्थितियों के कारण उन्हें पुन: सक्रिय राजनीति में लौटकर एक बार फिर मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला। तब वे राज्यपाल के पद से आधिकारिक त्यागपत्र दिए बिना ही मुख्यमंत्री की शपथ के लिए जयपुर लौट आए थे। इस अप्रत्याशित कानूनी पेचिदगी के कारण उनकी शपथ को एक दिन के लिए टालना पड़ा। इसके बाद उन्होंने पदमुक्त होकर तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। भारतीय राजनीतिक इतिहास में यह एक अत्यंत विरल उदाहरण माना जाता है, जो यह दर्शाता है कि राजनीति में 'अंतिम पड़ाव' जैसी अवधारणा प्राय: स्थायी नहीं होती।

उत्तरार्ध की राजनीति और संवैधानिक दायित्व

पंडित नवलकिशोर शर्मा: पाँच बार लोकसभा सांसद और 11वीं विधानसभा में विधायक रहे शर्मा जी को 24 जुलाई 2004 को 79 वर्ष की आयु में गुजरात का राज्यपाल नियुक्त किया गया, जहाँ वे 2009 तक पदस्थ रहे।

डॉ. श्रीमती कमला: सात बार विधायक तथा राजस्थान की पहली महिला उपमुख्यमंत्री रहीं डॉ. कमला को 82 वर्ष की आयु में त्रिपुरा तथा बाद में गुजरात और मिजोरम का राज्यपाल बनाया गया। गुजरात में उनके कार्यकाल के दौरान राज्य सरकार और राजभवन के संबंधों को लेकर व्यापक राजनीतिक चर्चा हुई, जिसने राज्यपाल की भूमिका और केंद्र-राज्य संबंधों पर राष्ट्रीय विमर्श को और तीक्ष्ण किया।

समकालीन परिदृश्य की प्रवृत्ति

गुलाब चंद कटारिया: नौ बार विधायक और तीन बार नेता प्रतिपक्ष के रूप में लंबे समय तक राजस्थान की राजनीति में केंद्रीय भूमिका निभाने के बाद 78 वर्ष की आयु में उन्हें फरवरी 2023 में असम का राज्यपाल तथा जुलाई 2024 में पंजाब का राज्यपाल एवं चंडीगढ़ का प्रशासक नियुक्त किया गया। यह नियुक्ति सक्रिय प्रांतीय राजनीति से संवैधानिक दायित्वों की ओर संक्रमण का नवीन उदाहरण है।

ओमप्रकाश माथुर: संगठनात्मक राजनीति और दो बार राज्यसभा में दीर्घ अनुभव रखने वाले श्री माथुर को सक्रिय दलीय भूमिका के बाद 72 वर्ष की आयु में जुलाई 2024 में सिक्किम का राज्यपाल बनाया गया है।

संवैधानिक गरिमा की चुनौती– मोहनलाल सुखाड़िया से लेकर समकालीन नेताओं तक की यह राजनीतिक यात्रा राजनीति में 'निवृत्ति' के उसी कठोर यथार्थ को रेखांकित करती है, जहाँ यह प्रक्रिया मात्र एक भूमिका-परिवर्तन बनकर रह गई है। लेख के पूर्ववर्ती विश्लेषण से स्पष्ट है कि यदि इन संवैधानिक पदों का उपयोग केवल वरिष्ठ नेताओं के सम्मानजनक पुनर्स्थापन तक सीमित रहा, तो यह उन पदों की संवैधानिक गरिमा के लिए प्रश्नचिह्न बना रहेगा। राज्यपाल का पद भारतीय संघीय ढांचे में संतुलन, मर्यादा और संवैधानिक तटस्थता का प्रतीक माना गया है। इसलिए आवश्यक है कि इन पदों पर आसीन व्यक्तित्व स्वयं को किसी राजनीतिक दल अथवा तात्कालिक सत्ता-केंद्र के प्रतिनिधि के रूप में नहीं, बल्कि संविधान के निष्पक्ष संरक्षक के रूप में स्थापित करें। राजनीति में अनुभव का सम्मान आवश्यक है, परंतु उससे भी अधिक आवश्यक है संवैधानिक पदों की निष्पक्ष गरिमा को अक्षुण्ण बनाए रखना। तभी लोकतांत्रिक संस्थाएँ जनविश्वास की वास्तविक संवाहक बन सकेंगी।

–डॉ. कैलाश चन्द सैनी,
वरिष्ठ लेखक एवं पूर्व मुख्य शोध एवं संदर्भ अधिकारी,
राजस्थान विधानसभा, जयपुर

बचपन से परे : भारत को बाल्यकाल क्रांति की आवश्यकता क्यों है?

हमारा लक्ष्य ऐसा बाल-मित्र भारत बनाना चाहिए जहाँ शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान और अवसर प्रत्येक बच्चे तक पहुँचें

सान्या सिंह

कुछ बच्चे उम्र से नहीं, परिस्थितियों से बड़े हो जाते हैं। जब उनके हाथों में किताबों की जगह औज़ार, खेल की जगह काम और सपनों की जगह जिम्मेदारियाँ आ जाती हैं, तब वे बचपन जीने के बजाय उससे आगे धकेल दिए जाते हैं। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस हमें ऐसे ही उन लाखों बच्चों की याद दिलाता है, जो बचपन से परे एक जीवन जीने को मजबूर हैं। हर बच्चे का अधिकार है कि उसका बचपन शिक्षा, खेल, मुस्कान और सपनों से भरा हो। लेकिन आज भी दुनिया भर में लाखों बच्चे विद्यालयों और खेल के मैदानों के बजाय ऐसे कार्यस्थलों पर अपना समय बिताने को मजबूर हैं, जहाँ उनके बचपन और मासूमियत की कीमत पर जीवनयापन किया जाता है।

इस विषय पर चर्चा करने से पहले यह समझना आवश्यक है कि बाल श्रम वास्तव में क्या है। बाल श्रम वह कार्य है जो बच्चों को उनके बचपन, सम्मान, शिक्षा, स्वास्थ्य और समग्र विकास से वंचित कर देता है। जब किसी बच्चे से ऐसा कार्य कराया जाता है जिसके कारण वह शिक्षा, खेल, सुरक्षा और स्वस्थ विकास जैसे अपने मूलभूत अधिकारों से दूर हो जाता है, तो वह बाल श्रम की श्रेणी में आता है।

बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2016 के अनुसार 14 वर्ष से कम आयु का प्रत्येक व्यक्ति 'बालक' माना जाता है। इस कानून के तहत बच्चों को किसी भी व्यवसाय या प्रक्रिया में नियोजित करना प्रतिबंधित है, सिवाय कुछ सीमित परिस्थितियों के, जैसे विद्यालय समय के बाद पारिवारिक उद्यम में सहयोग करना। यह कानून स्पष्ट रूप से स्वीकार करता है कि बच्चों का स्थान विद्यालयों और सुरक्षित वातावरण में है, न कि उन कार्यस्थलों पर जो उनके विकास में बाधा बनते हैं। जब हम बाल श्रम शब्द सुनते हैं, तो प्राय: किसी कारखाने या खतरनाक उद्योग में काम करते बच्चे की छवि हमारे सामने आती है। किंतु 21वीं सदी का बाल श्रम अक्सर हमारी आँखों के सामने होते हुए भी अदृश्य बना रहता है। यह छोटी दुकानों, ढाबों, खेतों, घरेलू कार्यों, पारिवारिक व्यवसायों और असंगठित क्षेत्र के अनेक कार्यस्थलों में मौजूद है, जहाँ बच्चे चुपचाप अपना बचपन खो देते हैं।

बाल श्रम केवल कार्यस्थलों तक सीमित नहीं है। यह हमारे घरों में भी दिखाई देता है, जहाँ कई बच्चे अपनी शिक्षा छोड़कर वयस्कों जैसी जिम्मेदारियाँ निभाने को मजबूर हो जाते हैं। वह बच्चा जो नियमित रूप से खेतों में काम करने के कारण स्कूल नहीं जा पाता, वह बच्ची जो छोटे भाई-बहनों की देखभाल के लिए अपनी पढ़ाई छोड़ देती है, या वह बच्चा जिसकी शिक्षा पारिवारिक कार्यों के बोझ तले दब जाती है-ये सभी बाल श्रम के शिकार हैं।

कोई भी बच्चा एक दिन अचानक उठकर मजदूर बनने का निर्णय नहीं लेता। यह निर्णय अक्सर समाज और परिस्थितियाँ उसके लिए लेती हैं। गरीबी, असमान अवसर, विद्यालय छोड़ने की मजबूरी, पलायन और आर्थिक असुरक्षा बच्चों को उस उम्र में काम करने के लिए धकेल देती है, जब उन्हें कक्षा में बैठकर सीखना चाहिए। कड़वी सच्चाई यह है कि बच्चे बाल श्रम के कारण नहीं, बल्कि उसके शिकार होते हैं।

बच्चों को अक्सर आसान लक्ष्य समझा जाता है। उन्हें कम मजदूरी पर काम कराया जा सकता है, आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है और वे अपने अधिकारों की मांग भी कम कर पाते हैं। यही कारण है कि कई नियोक्ता वयस्कों की तुलना में बच्चों को प्राथमिकता देते हैं। यह शोषण इसलिए नहीं जीवित है क्योंकि बच्चे इसे चुनते हैं, बल्कि इसलिए क्योंकि समाज अक्सर इसे मौन स्वीकृति देता है।

माता-पिता भी कई बार कठोर आर्थिक परिस्थितियों के कारण विवश हो जाते हैं। जिन परिवारों का जीवनयापन मुश्किल से हो पाता है, वहाँ प्रत्येक कमाने वाला हाथ आवश्यकता बन जाता है। "जितने हाथ, उतना काम और उतनी कमाई" जैसी सोच आज भी अनेक परिवारों में मौजूद है। हालांकि अधिकांश माता-पिता अपने बच्चों का अहित नहीं चाहते, लेकिन आर्थिक मजबूरियाँ उन्हें तत्काल आवश्यकताओं को बच्चों की शिक्षा और भविष्य से ऊपर रखने के लिए बाध्य कर देती हैं। हर सौदे की एक कीमत होती है। कभी-कभी यह कीमत पैसों में नहीं, बल्कि किसी बच्चे की शिक्षा, अवसरों और भविष्य के रूप में चुकाई जाती है। इसलिए बाल श्रम केवल एक व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। विडंबना यह है कि एक ओर दुनिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालन और भविष्य की तकनीकों की बात कर रही है, वहीं दूसरी ओर लाखों बच्चे आज भी अपने सामर्थ्य को विकसित करने के अवसर से वंचित हैं। जो राष्ट्र भविष्य का नेतृत्व करने का सपना देखता है, वह अपने बच्चों को पीछे छोड़ने का जोखिम नहीं उठा सकता।

यदि बाल श्रम एक सामाजिक समस्या है, तो उसका समाधान भी सामाजिक होना चाहिए। सरकारों को केवल कानून बनाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने चाहिए।

भावनात्मक विज्ञापन, लघु फिल्में, डिजिटल अभियान और सोशल मीडिया पहल लोगों को यह समझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं कि बाल श्रम की वास्तविक कीमत क्या है।

बच्चों को भी उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना आवश्यक है। विद्यालयों और समुदायों में जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें शोषण की पहचान करने और शिक्षा के महत्व को समझाने की आवश्यकता है। साथ ही, सरकारों को नि:शुल्क कौशल विकास केंद्र स्थापित करने चाहिए, ताकि बच्चे सीमित अवसरों से आगे बढ़कर बेहतर भविष्य की कल्पना कर सकें। सवाल यह नहीं है कि क्या हम बाल श्रम समाप्त कर सकते हैं। असली सवाल यह है कि क्या हम ऐसा समाज बना सकते हैं जहाँ हर बच्चा वास्तव में अपना बचपन जी सके। हमारा लक्ष्य केवल बाल श्रम मुक्त भारत बनाना नहीं होना चाहिए, बल्कि ऐसा बाल-मित्र भारत बनाना चाहिए जहाँ शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान और अवसर प्रत्येक बच्चे तक पहुँचें।

बाल श्रम के विरुद्ध लड़ाई केवल बच्चों को कार्यस्थलों से हटाने की लड़ाई नहीं है। यह उन्हें वह सब लौटाने का प्रयास है जो उनसे छीन लिया गया है-सीखने की स्वतंत्रता, खेलने की स्वतंत्रता, सपने देखने की स्वतंत्रता और सबसे बढ़कर, एक बच्चा होने की स्वतंत्रता। "वास्तविक प्रगति का माप यह नहीं है कि कितने बच्चे कम काम कर रहे हैं, बल्कि यह है कि कितने बच्चे अपना बचपन स्वतंत्र रूप से जी पा रहे हैं।"

–सान्या सिंह,
शोध छात्रा (वनस्थली विद्यापीठ)

राशिफल रविवार 7 जून, 2026

पंडित अनिल शर्मा

द्वितीय ज्येष्ठ मास (अधिक), कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2083, धनिष्ठा नक्षत्र प्रात: 7:56 तक, वैधृति योग दिन 10:02 तक, विष्टिकरण दिन 3:03 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज राजयोग सूर्योदय से प्रात: 7:56 तक है। द्विपुष्कर और रवियोग प्रात: 7:56 तक रहेंगे। भद्रा दिन 3:03 तक है। आज वैधृति पुण्य है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:19 से 9:01 तक, लाभ अमृत 9:01 से 12:25 तक, शुभ 2:08 से 3:50 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:36, सूर्यास्त 7:15

मेष
मेष: घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं, उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। पिछले कुछ समय से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या
विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। आवश्यक कार्यों में परेशानी हो सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

तुला
आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

धनु
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। घर-परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

मकर
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

कुंभ
महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। परिजनों के सहयोग और व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मीन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 304 प्रभात जयपुर, रविवार 7 जून, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

RABINDRANATH TAGORE ON CELLULOID

Strir Patra (The letter from the Wife) has to be one of the earliest depictions in Bangla literature with a bold statement on the emancipation of a woman

The Story of Irani Cafés in India

He Turned Soap into Swadeshi Strength

भारत ने विदेशी पूँजी को आकर्षित करने के लिए "रैड कारपेट" बिछाया

भारत का यह निर्णय, स्थिर, दीर्घकालीन इन्वैस्टर, जैसे पैंशन फण्ड, इंश्योरैंस कंपनियों आदि का पैसा अपने बॉण्ड मार्केट में निवेश करवाने के लिए है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- अब विदेशी निवेशक को सरकारी सिक्यूरिटीज़ में लगाए गए पैसे से अर्जित ब्याज आदि आमदनी पर कोई टैक्स नहीं देना होगा और अब सरकारी सिक्यूरिटीज़ में पैसा लगाने की शर्तें भी खत्म कर दी गई हैं।
- सरकार को आशा है, इस निर्णय से रूपया मजबूत होगा व सरकार की धन उधार लेने की क्षमता भी सुदृढ़ होगी। अब तक विदेशी निवेशक को गवरमैंट सिक्यूरिटीज़ में "लाँग टर्म" पैसा लगाने पर 12.5 प्रतिशत टैक्स देना पड़ता था तथा शॉर्ट टर्म इन्वेस्टमैंट पर, जो एक साल के अंदर बेच दिया जाता था, पर बीस प्रतिशत टैक्स देना होता था, टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स के खाते में।
- सरकार इन सभी रियायतों के माध्यम से संदेश दे दे रही है विदेशी निवेशक को कि नए उभरते मार्केट (एमर्जिंग मार्क़ेट्स) में पूँजी लगाने की दृष्टि से भारत एक आकर्षक विकल्प है।

नई दिल्ली, 6 जून। विदेशी निवेशकों को अब तक की सबसे उदार कर रियायतों में से एक देते हुए सरकार ने इण्डियन गवरमैंट सिक्यूरिटीज़ (भारतीय सरकारी प्रतिभूतियों) में विदेशी निवेश पर टैक्स का बोझ लगभग समाप्त कर दिया है। आयकर (संशोधन) अध्यादेश, 2026 के माध्यम से विदेशी निवेशकों को अब सरकारी बॉन्ड में निवेश से होने वाली इन्टरैस्ट इन्कम और कैपिटल गेन्स, दोनों पर टैक्स से छूट दे दी गई है, साथ ही निवेश से जुड़े कई प्रतिबंधों में भी ढील दी गई है। यह कदम वैश्विक पूंजी को आकर्षित करने की भारत की नीति में एक बड़ा बदलाव दर्शाता है और दिखाता है कि बाहरी फायनैंसिंग की बढ़ती जरूरतों के समय सरकार देश के ऋण बाजार में लंबे समय के लिए विदेशी निवेश लाने के लिए कितनी गंभीर है।

1 अप्रैल 2026 से प्रभावी इस अध्यादेश के तहत आयकर अधिनियम, 2025 की छटी अनुसूची में संशोधन किया गया है। इसके अनुसार फॉरैन इंस्टीट्यूटनल इन्वैस्टर्स (एफआईआई) को सरकारी सिक्यूरिटीज़ से मिलने वाले ब्याज और ऐसी सिक्यूरिटीज़ को बेचने, बदलने या ट्रांसफर करने से होने वाले लाभ पर किसी भी प्रकार का टैक्स नहीं देना होगा, हालांकि यह छूट निर्धारित डिस्क्लोज़र ज़रुरतों के अधीन होगी। इसी प्रकार की सुविधाएं अंतरराष्ट्रीय निपटान बैंक (बैंक फॉर इन्टरनैशनल सैटलमैंट्स -बी.आई.एस.) को भी दी गई हैं, जिसे अक्सर केन्द्रीय बैंकों का केन्द्रीय बैंक कहा जाता है।

ये टैक्स रियायतें काफी महत्वपूर्ण हैं। अब तक विदेशी निवेशकों को

(शेष पृष्ठ 4 पर)

ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानानंद ने नॉर्वे शतरंज खिताब जीता

नई दिल्ली, 06 जून। भारतीय शतरंज के वंडर बॉय आर प्रज्ञानंद ने विश्व पटल पर एक और स्वर्णिम अध्याय लिख दिया है। चेन्नई के 20 वर्षीय ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानानंद ने नॉर्वे के स्टावेंजर में खेले गए टूर्नामेंट के 10वें और अंतिम दौर में जर्मनी के विन्सेंट

- नॉर्वे चेस टूर्नामेंट जीतने वाले वे पहले भारतीय हैं।

कीमर को हराकर खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ उन्होंने कुल 18 अंक हासिल किए और अमेरिका के ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो (17 अंक) को पीछे छोड़ते हुए चैंपियन बने। प्रज्ञानानंद की यह सफलता टूर्नामेंट इतिहास की सबसे शानदार वापसी में से एक मानी जा रही है। छह राउंड के बाद वे छह खिलाड़ियों में अंतिम स्थान पर थे, लेकिन इसके बाद लगातार चार जीत दर्ज कर उन्होंने शानदार वापसी की और खिताबी दौड़ में खुद को आगे कर लिया।

उनकी लगातार जीत के क्रम में विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन के

(शेष पृष्ठ 4 पर)

बैंगलोर के सोने के व्यापारी राजेश एक्सपोर्ट का 15.51 लाख करोड़ का स्कैम उजागर हुआ

सेबी द्वारा की गई जाँच ने तीस साल पुराने हर्षद मेहता स्कैम की याद ताजा की

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- राजेश एक्सपोर्ट कई वर्षों से अपनी आय को बहुत बढ़ा चढ़ाकर अपनी बैलैंस शीट में दर्ज कर रहा था। अन्ततोगत्वा उसकी कंपनी, एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी के रूप में स्टॉक मार्केट में रजिस्टर हो गई।
- राजेश एक्सपोर्ट की "नेट वर्थ" इस प्रकार बहुत "सुदृढ़" हो गई तथा जनता में उसकी कंपनी के शेयर आसमान छूने लगे तथा छोटे-छोटे निवेशकों के अलावा स्थापित कंपनियाँ, जैसे एलआईसी भी इसके शिंकजे में फंस गई और कंपनी के शेयर्स में काफी पैसा लगा दिया और शीघ्र ही 10 प्रतिशत की सीमा भी पार कर गई।
- पुराना बैंक, कैनरा बैंक भी झांसे में आ गया और राजेश एक्सपोर्ट की स्कीम्स को फंड करने लगा।
- राजेश एक्सपोर्ट ने बाज़ार में अपनी विश्वसनीयता स्थापित करने के लिए स्विट्ज़रलैण्ड की एक पुरानी कंपनी भी खरीदी।
- अब, अन्ततोगत्वा सारे कारनामे उजागर होने के बाद, कंपनी के शेयर धूल चाट रहे हैं तथा लाखों छोटे-बड़े निवेशक अपनी गाँठ की कमाई गंवाकर रोते फिर रहे हैं।

नई दिल्ली, 6 जून। सिक्यूरिटीज़ एण्ड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इण्डिया (सेबी) की हालिया जांच में बेंगलुरु स्थित सोने के कारोबारी और स्वर्ण आभूषण विक्रेता राजेश एक्सपोर्ट्स द्वारा किये गये लगभग 15.51 लाख करोड़ रुपये के विशाल कॉरपोरेट घोटाले का खुलासा हुआ है।

यह कहानी लगभग तीस वर्ष पहले हुए हर्षद मेहता घोटाले जैसे अन्य वित्तीय घोटालों से मिलती-जुलती है। आमतौर पर ऐसे मामलों में खातों में काल्पनिक मूल्य दिखाकर उन्हें बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया जाता है, जबकि वास्तविकता में ऐसा कोई मूल्य मौजूद नहीं होता।

राजेश एक्सपोर्ट्स ने वर्षों तक अपनी आय और राजस्व के आंकड़ों को अत्यधिक बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया, जिससे उसकी बैलेंस शीट भी वास्तविकता से कहीं अधिक मजबूत दिखाई गई। कंपनी भारत के स्टॉक मार्केट में एक सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी के रूप में पंजीकृत थी और भारत के शेयर बाजारों में सूचीबद्ध थी। इसलिए वह सेबी के लिस्टिंग नियमों और अकाउंटिंग-पारदर्शिता संबंधी प्रावधानों के दायरे में आती थी।

इन नियमों को दरकिनार करते हुए, रैवेन्यू की बढ़ा- चढ़ाकर बताई गई कहानी को इन्वैस्टर्स ने कंपनी की नैट वर्थ मान लिया। इससे आम जनता ने

(शेष पृष्ठ 4 पर)

लंदन में सवालों से घिरे सीजेआई सूर्यकांत

सीजेआई सूर्यकांत "ऑर्टिफिशल इन्टैलिजैंस और इन्टरनैशनल लॉ" पर लैक्चर देने के लिए युनिवर्सिटी ऑफ लंदन बर्कबैक गए थे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- लैक्चर के बाद शुरु हुए सवाल जवाब में कुछ लोगों ने सीजेआई से भारत में असहमति के प्रति बढ़ती शत्रुता और सीजेआई की कॉकरोच वाली टिप्पणी पर सवाल पूछे, जिससे सीजेआई की स्थिति काफी अटपटी हो गई।
- बाद में मॉडरेटर ने हालात को संभाला और कहा, चर्चा के विषय से संबंधित सवाल ही लिए जाएंगे।
- इस घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

नई दिल्ली, 6 जून। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) सूर्यकांत के लंदन विश्वविद्यालय, बर्कबेक में दिए गए व्याख्यान के दौरान विवाद खड़ा हो गया, जब उपस्थित लोगों ने भारत में असहमति और उनकी हालिया "कॉकरोच" टिप्पणियों को लेकर उनसे सवाल किए, जिससे प्रश्नोत्तर सत्र अवरुद्ध हो गया।

यह घटना 4 जून को हुई, जब सीजेआई ने "कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अंतरराष्ट्रीय कानून" पर व्याख्यान दिया।

इंटरैक्टिव सत्र के दौरान, एक उपस्थित व्यक्ति ने सीजेआई सूर्यकांत से भारत के लोकतांत्रिक रिकॉर्ड और असहमति के प्रति बढ़ती शत्रुता के बारे में सवाल किया।

ऑनलाइन वायरल हो रहे वीडियो क्लिप्स में, उपस्थित व्यक्ति को कहते सुना जा सकता है:

"हम अब देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई कानूनी पर्यवेक्षकों से सुन रहे हैं कि भारत में असहमति के प्रति बढ़ती शत्रुता को लेकर गहरी चिंता है। और ऐसा लगता है कि यह शत्रुता उनके भाषण में भी कहीं न कहीं परिलक्षित होती है और यह बहुत प्रचारित भी है।"

एक अन्य उपस्थित व्यक्ति ने से 15 मई को अदालत में उनके द्वारा किए गए और बाद में भारत में व्यापक बहस

(शेष पृष्ठ 4 पर)

34 साल पहले हटाये कर्मचारी का बकाया नहीं दिया तो क्लार्क्स आमेर सील होगा

जयपुर, 6 जून। श्रम न्यायालय ने 34 साल पहले गलत तरीके से हटाए गए कर्मचारी को अदालती आदेश के बावजूद बकाया भुगतान नहीं करने पर होटल क्लार्क्स आमेर प्रबंधन को कहा

- श्रम न्यायालय ने अपने आदेश में होटल क्लार्क्स आमेर को बकाया राशि के 25 प्रतिशत का भुगतान 8 जून तक करने को कहा।

है कि वह प्रार्थी कर्मचारी को मांगी गई राशि की एक चौथाई राशि के तौर पर छह लाख रुपए और 25 हजार रुपए का हर्जाना 8 जून तक अदा करे। और यदि राशि जमा नहीं हुई तो उसी दिन कुर्की वारंट जारी कर पुलिस कमिश्नर को भेजे जाए। इसके साथ ही होटल को सील किए जाने के दौरान होटल प्रबंधन के

(शेष पृष्ठ 4 पर)

चुनाव प्रचार के मुद्दों पर सीपीएम ने कांग्रेस से सफाई मांगी

सीपीएम महासचिव बेबी जॉन ने चिट्ठी लिख कर पूछा, कांग्रेस इस आरोप का जवाब दे कि सीपीएम और भाजपा में सांठ-गांठ है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- सीपीएम ने इंडिया ब्लॉक के सभी घटक दलों को यह चिट्ठी भेजी है। सोमवार 8 जून को होने वाली इंडिया ब्लॉक की बैठक से पहले सीपीएम ने यह कदम उठाकर बैठक पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है।
- सीपीएम ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, राहुल, प्रियंका व मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने भाषणों में बार-बार यह कहा और यह भी कहा कि प्र.मंत्री मोदी और सीपीएम के मु.मंत्री पिनराई विजयन के बीच "अंडरस्टैंडिग" है।
- सीपीएम ने अपने पत्र में लिखा कि यह मात्र चुनावी प्रतिद्वंदिता नहीं थी, ऐसे आरोपों को हल्के में नहीं लिया जा सकता और कांग्रेस को इस पर स्पष्टीकरण देना होगा, जब तक ऐसा नहीं होता, तब तक इंडिया ब्लॉक बनाने के उद्देश्य पर प्रश्न चिन्ह रहेगा।

नई दिल्ली, 6 जून। सोमवार को होने वाली इंडिया ब्लॉक की बैठक से पहले, कांग्रेस और सीपीएम (मार्क्सवादी कम्यूनिस्ट पार्टी) के बीच माहौल तनावपूर्ण हो गया है।

हालिया विधानसभा चुनावों के बाद आयोजित महत्वपूर्ण बैठक से कुछ दिन पहले, सीपीएम के महासचिव एम.ए. बेबी ने कांग्रेस द्वारा चुनाव के दौरान उठाए गए विवादित मुद्दे को दोबारा उठाया है। कांग्रेस ने हाल ही में चुनावों में सीपीएम पर भाजपा के साथ मिलकर काम करने का आरोप लगाया था।

बेबी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखे पत्र में केरल में सीपीएम के खिलाफ कांग्रेस के चुनाव प्रसार की आलोचना की है। बताया जाता है कि पत्र की प्रतियां इंडिया ब्लॉक के अन्य सदस्यों को भी भेजी गई हैं।

बेबी ने पत्र में कहा है कि "राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और खड़गे जैसे वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं द्वारा बार-बार लगाए गए आरोप चुनावी प्रतिस्पर्धा से परे जाकर, भाजपा के खिलाफ उस गठबंधन की मजबूती को कमज़ोर कर रहे हैं, जो भाजपा को संयुक्त चुनौती देने के लिए बनाया गया था।" उन्होंने कांग्रेस की उस प्रचार रणनीति की भी आलोचना की जिसमें कहा गया कि पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच कोई "विशेष समझबूझ" है।

सीपीएम महासचिव बेबी ने कहा कि इंडिया ब्लॉक के गठन के बाद से पार्टी हमेशा विपक्षी एकता को मजबूत करने की दिशा में काम करती रही है। उन्होंने कांग्रेस पर दोहरे मानक अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर सीपीएम के साथ साझेदारी

(शेष पृष्ठ 4 पर)

मोदी ने आर्थिक सलाहकार परिषद की बैठक की

नई दिल्ली, 06 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद (पीएम-ईएसी) के सदस्यों के साथ बैठक की, जिसमें वैश्विक उथल-पुथल के दौर में भारत की आर्थिक वृद्धि को और गति देने के उपायों पर व्यापक चर्चा की गई।

प्रधानमंत्री और परिषद के सदस्यों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत

- बैठक में भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिये विभिन्न उपायों पर विचार किया गया।

बनाने के लिए विभिन्न विचारों और नीतिगत उपायों पर विचार-विमर्श किया।

बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि उन्होंने आर्थिक सलाहकार परिषद की

(शेष पृष्ठ 4 पर)

बिहार में लालू यादव और राबड़ी देवी की ज़ैड प्लस सुरक्षा हटाई गई

नाराज़ लालू यादव ने नई सुरक्षा टीम को वापस लौटा दिया और अब आरजेडी कार्यकर्ता लाठी-डंडे लेकर आवास की सुरक्षा कर रहे हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- बिहार सरकार ने वरिष्ठ नेताओं की सुरक्षा स्थिति को अपडेट किया है, इसके बाद लालू यादव व राबड़ी देवी को दी गई ज़ैड प्लस सुरक्षा वापस ले ली गई। नई टीम में बिहार स्पेशल आर्म्ड फोर्स के जवान, पटना डिस्ट्रिक्ट फोर्स के दो गार्ड, एक पायलट कार व एक बुलेट प्रूफ कार शामिल है।
- लालू के पुत्र तथा बिहार में नेता प्रतिपक्ष, तेजस्वी यादव ने भी अपनी वाय श्रेणी की सुरक्षा लौटा दी है।
- राबड़ी देवी, जो पूर्व मुख्यमंत्री हैं, को उनका सरकारी आवास, 10, सर्कुलर रोड खाली करने का नोटिस दिया गया है। जो इसके जवाब में राबड़ी देवी ने कहा, सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बनने के बाद ज्यादा ही उत्साहित हैं, उनकी सरकार भले ही मुझे जबर्दस्ती घर से निकाल दे, मैं घर खाली नहीं करूँगी।

नई दिल्ली, 6 जून। बिहार सरकार द्वारा उनकी ज़ैड प्लस श्रेणी की सुरक्षा वापस लिए जाने से नाराज़ पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी ने शनिवार सुबह नई सुरक्षा टीम को वापस भेज दिया।

राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के इन वरिष्ठ नेताओं को इस सप्ताह बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस (बिहार स्पेशल आर्म्ड पुलिस-बीएसएपी) की सुरक्षा प्रदान की गई थी, क्योंकि राज्य सरकार ने वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के बाद उनकी सर्वोच्च श्रेणी की ज़ैड प्लस सुरक्षा हटा ली थी।

लेकिन उन्होंने पटना स्थित अपने 10, सर्कुलर रोड आवास के बाहर तैनात नये सुरक्षा कर्मियों को हटा दिया।

कुछ आरजेडी कार्यकर्ता भी उनके घर की सुरक्षा के लिये लाठियाँ लेकर खड़े दिखाई दिए।

वरिष्ठ नेताओं के लिए नई सुरक्षा व्यवस्था में बीएसएपी के दो से आठ गृह रक्षक, पटना डिस्ट्रिक्ट फोर्स के दो अंगरक्षक तथा एक पायलट वाहन और बुलेटप्रूफ कार शामिल हैं।

उनके पुत्र और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने भी अपना वाई- श्रेणी का सुरक्षा कवर वापस भेज दिया।

लालू यादव और राबड़ी देवी की पुत्री रोहिणी आचार्य ने कहा कि सुरक्षा हटाने का निर्णय " उन्हें और उनके परिवार को नुकसान पहुँचाने के दुर्भावनापूर्ण इरादे से" लिया गया है।

उन्होंने एक्स पर लिखा, "सुरक्षा में इतनी बड़ी कटौती के बाद केवल दिखावे की सुरक्षा बनाए रखने का कोई औचित्य नहीं है। इसलिए राबड़ी देवी जी ने अपने सरकारी आवास से सुरक्षा कर्मियों को वापस भेजने का निर्णय लिया है।"

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने आरजेडी समर्थकों से अपील की कि वे 10, सर्कुलर रोड स्थित आवास के बाहर एकत्र होकर यह "सीधा, स्पष्ट और कड़ा संदेश" दें कि वे ही यादव परिवार के "सच्चे रक्षक और सुरक्षा कवच" हैं।

आचार्य ने कहा, "पूरा देश और बिहार देख रहा है कि बिहार की पहली महिला मुख्यमंत्री और उनके परिवार

(शेष पृष्ठ 4 पर)

अन्नाद्रमुक में अब तक की सबसे बड़ी बगावत

नई दिल्ली, 06 जून। तमिलनाडु की राजनीति में एक बार फिर बड़ा भूचाल आ गया है। विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार और आंतरिक कलह से जूझ रही मुख्य विपक्षी पार्टी अन्नाद्रमुक को शनिवार को उस समय सबसे बड़ा झटका लगा, जब उसके चार पूर्व मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं समेत,

- पार्टी के चार पूर्व मंत्रियों सहित 300 से ज्यादा वरिष्ठ कार्यकर्ता विजय की पार्टी में शामिल हो गए।

300 से अधिक कार्यकर्ताओं ने सत्ताधारी दल तमिलगा वेत्री कजगम (टीवीके) का दामन थाम लिया।

चेन्नई के पनायुर स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक भव्य समारोह में इन सभी नेताओं को टीवीके की सदस्यता दिलाई गई। मुख्यमंत्री सी.

(शेष पृष्ठ 4 पर)

CMYK CMYK

कोटा में चंद्रसेल मठ के युवा संत की धारदार हथियार से निर्मम हत्या

संत देवानंद पर पीठ की तरफ हथियार से हमला किया, कंधे और पीठ पर कई घाव हुए

कोटा में युवा साधु की हत्या के बाद आक्रोशित संत समाज ने धरना दिया।

- मंदिर ट्रस्ट के लोगों ने दूसरे साधु पर शक जताया, आरोप है कि है कि वो देवानंद से ईर्ष्या रखते थे, इसीलिए यह घटनाक्रम उनकी ओर से किया जा सकता है
- डीटेन आरोपी साधू से पूछताछ जारी, एफएसएल, एमओबी व डॉग स्क्वायड ने साक्ष्य एकत्रित किए

कोटा, (निसं)। शहर में अज्ञात आरोपी ने प्राचीन और ऐतिहासिक चंद्रसेल महादेव मठ में शुक्रवार रात को संत के कक्ष में घुसकर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इसके चलते नागा महंत देवानंद की मौत हो गई। इस पूरे मामले में दूसरे संत पर शक जताया जा रहा है। पुलिस ने उसे पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

घटना की सूचना मिलने पर मंदिर ट्रस्ट के लोग भी पहुंचे और पुलिस को भी मौके पर बुलाया गया। बाद में एसपी तेजस्विनी गौतम, एडिशनल एसपी सुभाष चंद्र मिश्रा, पुलिस उपाधीक्षक पंचम रुद्रप्रकाश शर्मा, थानाधिकारी अनिल ट्रेलर सहित अन्य अधिकारी पहुंचे थे। नागा महंत देवानंद की हत्या के मामले में शनिवार दोपहर को पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी हो गई, लेकिन यहां पर पहुंचे संतों ने आक्रोशित होकर शव लेने से इनकार कर दिया। महामंडलेश्वर हेमा सरस्वती के नेतृत्व में बड़ी संख्या में संत मोर्चरी पर पहुंचे और आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने तक बॉडी नहीं लेने की बात कही। कोटा शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने बताया कि सकारात्मक वार्ता के बाद धरना समाप्त कर दिया गया है। डीटेन किए हुए आरोपी साधू से पूछताछ चल रही है तथा कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने बताया कि घटना में संत देवानंद की धारदार हथियार से हत्या की गई है। मामले में मंदिर ट्रस्ट के लोगों ने दूसरे साधु पर शक जताया है। आरोप है कि है कि वो देवानंद से ईर्ष्या रखते थे, इसीलिए यह घटनाक्रम उनकी ओर से किया जा सकता है। इसी के चलते एक अन्य साधु को पुलिस ने डिटेन कर थाने पर रखा है और उससे पूछताछ की जा रही है। हालांकि मामले में अज्ञात आरोपी मानते हुए अन्य एंगल पर भी जांच की जा रही है।

डीसीपी रुद्रप्रकाश शर्मा का कहना है कि इस मामले की सूचना के बाद आला पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे थे। शव को एमबीएस अस्पताल की मोर्चरी में शिफ्ट कर दिया। मौके पर एफएसएल, एमओबी व डॉग स्क्वायड बुलाए गए। मौके से साक्ष्य एकत्रित किए गए हैं। संत देवानंद पर पीठ की तरफ धारदार हथियार से हमला किया गया है। इस कारण कंधे और पीठ पर कई घाव हैं। फिलहाल स्पष्ट कारण प्रारंभिक तौर पर सामने नहीं आया है। मामले में अनुसंधान के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। जांच पड़ताल की जा रही है।

चंद्रसेल महादेव मठ मेला समिति के संयोजक दीनदयाल का कहना है कि उन्हें सूचना मिली थी जिसके बाद 11.30 बजे वो भी मंदिर पर पहुंच गए थे। घटना की सूचना मिलने के बाद चंद्रसेल गांव और आसपास के बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए थे। अचानक हुए इस घटनाक्रम से ग्रामीण भी सन्न रह गए। घटना के बाद जिस कक्ष में संत देवानंद सो रहे थे वहां और कक्ष के बाहर काफी खून बिखरा हुआ था। संत देवानंद युवा थे और कई जगह पर वह प्रवास करते थे। बीते कुछ दिनों से वे यहां पर रुके हुए थे। उन्हें सत्संग का काफी शौक था और वह भजन काफी अच्छे गाते थे, इसीलिए वह आए दिन कहीं न कहीं कार्यक्रमों में व्यस्त रहते थे। यह घटनाक्रम कैसे हुआ है इस संबंध में फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस ही पूरे मामले का पटाक्षेप करेगी।

ट्रेलर ने कार और पिकअप को टक्कर मारी, दो की मौत

हादसे में छह जने गंभीर रुप से घायल हो गये

ट्रेलर ने सड़क किनारे खड़ी स्कॉर्पियो, बाइक और चारपाई पर सो रहे एक बुजुर्ग को टक्कर मार दी।

- स्कॉर्पियो सवार लोग खाटूश्याम के दर्शन कर ग्वालियर लौट रहे थे, उमरारा गांव के पास हुआ हादसा

धौलपुर, (निसं)। सैपऊ थाना क्षेत्र में एनएच-123 पर उमरारा गांव के समीप तेज रफ्तार ट्रेलर ने सड़क किनारे खड़ी स्कॉर्पियो, बाइक और चारपाई पर सो रहे एक बुजुर्ग को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि स्कॉर्पियो सवार समेत छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चार की हालत गंभीर होने पर उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार स्कॉर्पियो सवार लोग खाटूश्याम के दर्शन कर ग्वालियर लौट रहे थे। उमरारा गांव के पास उन्होंने अपनी स्कॉर्पियो सड़क किनारे खड़ी कर दी थी। वहीं एक बाइक सवार युवक भी रुका हुआ था। इसी दौरान सड़क किनारे चारपाई पर एक 80 वर्षीय बुजुर्ग सो रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार धौलपुर की ओर से तेज गति से आ रहा ट्रेलर सामने चल रही पिकअप को ओवरटेक करने के प्रयास में अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे खड़ी स्कॉर्पियो, बाइक तथा चारपाई को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में 24 वर्षीय प्रेमप्रधान कुशवाह पुत्र राजेंद्र कुशवाह निवासी विक्रमपुर की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को मोर्चरी में रखवा दिया है वहीं मामले की जांच में जुट गई है।

दुष्कर्म करने और धर्म परिवर्तन के दबाव का आरोपी गिरफ्तार

पीड़िता ने एसपी से मुलाकात कर अपने साथ हुई आपबीती की शिकायत दर्ज कराई

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले में महिला सुरक्षा और सामाजिक सौहार्द को ठेस पहुंचाने वाला एक गंभीर मामला सामने आया है। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र में एक महिला को नौकरी दिलाने का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म करने और बाद में उस पर धर्म परिवर्तन (मजहब बदलने) के लिए मानसिक व शारीरिक दबाव बनाने का आरोप लगा है। पीड़िता की शिकायत पर तत्परता दिखाते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, पीड़िता ने जिले के पुलिस अधीक्षक सागर राणा से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर अपने साथ हुई इस आपबीती की शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए एसपी के निर्देश पर तुरंत प्रताप नगर थाने में सुसंगत धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। मामले की जानकारी देते हुए आरपीएस नेहा राव ने बताया कि प्रताप नगर थाना क्षेत्र में एक महिला द्वारा प्रकरण दर्ज कराया गया है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि भूरे खां नाम के एक व्यक्ति ने नौकरी दिलाने के बहाने उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। इसके साथ ही आरोपी द्वारा उस पर लगातार धर्म परिवर्तन करने का भी दबाव बनाया जा रहा था। नेहा राव ने कहा कि पीड़िता के बयानों और प्राथमिक साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी भूरे खां को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल मामले में किसी अन्य की संलिप्तता नहीं पाई गई है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि मामले की हर पहलू से गहनता से जांच की जा रही है। अनुसंधान के दौरान जो भी नए तथ्य या सबूत सामने आएंगे, उसी के अनुसार आगे की सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

बूंदी में 'पीएम कुसुम योजना' के नाम पर ठगी

बूंदी, (निसं)। बूंदी जिले में पीएम कुसुम सोलर पंप योजना के नाम पर बड़े पैमाने पर ठगी का मामला सामने आया है। यह ठगी ऐसे समय हो रही है, जब योजना के टेंडर पांच महीने से बंद हैं। जिला कलैक्टर हरफूल सिंह यादव ने इस मामले का संज्ञान लिया है। ठग खुद को सरकारी नुमाइंदा बताकर किसानों को 80-90 प्रतिशत सब्सिडी पर 35 हजार रुपए में सोलर पंप लगाने का झांसा दे रहे हैं। ठग किसानों को फोन कॉल के जरिए और गांवों में सीधे संपर्क करके अपने जाल में फंसा रहे हैं।

केपाटन के मेहराणा गांव निवासी राजाराम प्रजापत ने बताया कि उनके गांव में 4-5 किसानों से एक-एक हजार रुपए और उनकी आईडी ली गई। मुझे भी 35 हजार रुपए में पंप सेट का ऑफर मिला था, लेकिन जब मैंने उद्यान विभाग में पता किया तो जानकारी मिली कि योजना बंद है। उद्यान उपनिदेशक ने इस संबंध में एक अलर्ट जारी किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पीएम कुसुम कंपोनेंट-बी के टेंडर पिछले पांच महीने से बंद हैं। वर्ष 2026-27 के लिए न तो कोई दिशा-निर्देश जारी हुए हैं, न दरें तय की गई हैं और न ही कोई फर्म अनुबंधित है। विभाग ने यह भी बताया कि सरकारी प्रक्रिया में किसान की राशि केवल प्रशासनिक स्वीकृति के बाद सरकारी खाते में जमा होती है, किसी व्यक्ति के पास नहीं। उद्यान अधिकारी सीताराम मीणा ने किसानों को आगाह किया और कहा कि 90 प्रतिशत अनुदान की बात पूरी तरह झूठ है। किसान किसी भी अज्ञात व्यक्ति को नकद या ऑनलाइन भुगतान न करें। मीणा ने चेतावनी दी कि ऐसा करने पर होने वाले नुकसान के लिए किसान स्वयं जिम्मेदार होंगे।

करौली में तीन अवैध क्लिनिक सीज़ किये

करौली, (निसं)। झोलाछाप और नीम हकीमों के खिलाफ ब्लॉक स्तरीय दल सपोटरा द्वारा कार्रवाई की गई, जिससे अवैध क्लिनिक संचालकों में हड़कंप मच गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सतीश चंद मीणा ने बताया कि सपोटरा में बीसीएमओ डॉ. मनोज कुमार मीणा, तहसीलदार दिलीप अग्रवाल, आयुर्वेद अधिकारी ज्योत्सना, पुलिस टीम ने बगीदा में फतेह सिंह क्लिनिक, ऋषिकेश क्लिनिक अडूदा और छोटू क्लिनिक हाडोती सीज की और 8 झोलाछाप के ठिकानों पर नोटिस चस्पा किया। टीम ने 2 मेडिकल स्टोर को रजिस्ट्रेशन संबंधी दस्तावेज के लिए नोटिस प्रदान किये। डॉ. मीना ने बताया कि जिले में अपंजीकृत हॉस्पिटल और अपंजीकृत लैब पर भी अवैध श्रेणी में जल्द ही कार्रवाई की जाएगी।

चाचा ने भतीजी से दुष्कर्म किया, मामला दर्ज

- जोधपुर पुलिस ने एमपी पुलिस से मिली बिना नम्बरी एफआईआर पर मामला दर्ज किया

जोधपुर, (कासं)। शादी करने का झांसा देकर एमपी से जोधपुर आई एक युवती के साथ उसके ही रिश्ते के चाचा द्वारा दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। युवती ने अपने चाचा के खिलाफ रेलवे स्टेशन के सामने स्थित एक सराय के कमरे में दुष्कर्म करने का केस दर्ज कराया है। मामला गुमशुदगी और बरामदगी के बाद दिए बयानों के आधार पर दर्ज कराया। जोधपुर पुलिस ने एमपी पुलिस से मिली बिना नम्बरी एफआईआर पर मामला दर्ज किया है।

सरदारपुरा पुलिस ने बताया कि पीड़िता ने यह रिपोर्ट दी है। इसमें बताया गया है कि कुछ समय पूर्व उसके रिश्ते के एक चाचा उसको बहलाकर जोधपुर लेकर आये और यहां पर सराय के एक कमरे में प्रवास के समय दुष्कर्म किया और बाद में उसको अकेली छोड़कर भाग छूटा। इसी दौरान युवती के परिजनों ने युवती के घर से लापता होने पर मध्यप्रदेश के संबंधित थाने में गुमशुदगी दर्ज करायी थी। पुलिस और परिजनों ने यहां पर आकर युवती को दस्तयाब कर अपने साथ लेकर गए और वहां पर युवती के दिए बयानों के आधार पर बिना नम्बरी एफआईआर दर्ज कर अग्रिम जांच और अनुसंधान के लिये जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट को भेजी। घटनास्थल से संबंधित सरदारपुरा पुलिस थाना में उक्त मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गई।

सादुलपुर में लाखों की चोरी का खुलासा

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थाना पुलिस ने 48 घंटे में पहाड़सर गांव के दो घरों में हुई लाखों रुपये के सोने-चांदी और मोटरसाइकिल चोरी की वारदात का खुलासा कर दिया है।

थानाधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि 3-4 जून की रात पहाड़सर गांव में दो घरों में सोने का कड़ा, अंगूठियां, मंगलसूत्र, रानीहार, हमेल, गलसरी, मांग टीका, चांदी की पायजेब, झुमके सहित लाखों के जेवरात और मोटरसाइकिल चोरी हो गइ थी। पीड़ित ओमप्रकाश और विनोद कुमार की रिपोर्ट पर राजगढ़ थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। थानाधिकारी राजेश सिहाग के नेतृत्व में कमलेश कुमार सब इन्सपेक्टर ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। पुलिस ने हरियाणा के रोहतक जिले के महम थाना क्षेत्र के फरमाणा खास निवासी निरज पुत्र हवासिंह मेघवाल को चोरी की मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार कर लिया। आरोपी कच्छाधारी गैंग का शातिर नकबजन बताया जा रहा है। उससे अनुसंधान जारी है।

अपराधियों की संपत्ति जब्त करें और सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतें : डीजीपी शर्मा

महानिदेशक पुलिस राजस्थान राजीव कुमार शर्मा ने जोधपुर रेंज कार्यालय में अपराध समीक्षा तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा को लेकर बैठक ली।

- जोधपुर में डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने अपराध समीक्षा बैठक लेकर निर्देश दिए, बैठक में रेंज की भौगोलिक स्थिति और वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य पर व्यापक चर्चा की गई

जोधपुर, (निसं)। महानिदेशक पुलिस राजस्थान राजीव कुमार शर्मा ने शनिवार को जोधपुर रेंज कार्यालय में रेंज स्तरीय अपराध समीक्षा तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा को लेकर बैठक ली। इस बैठक में जोधपुर रेंज के महानिरीक्षक पुलिस सत्येन्द्र सिंह सहित जोधपुर ग्रामीण, फलोदी, बालोतरा, पाली, बाड़मेर, जैसलमेर, सिरोही और जालौर जिलों के पुलिस अधीक्षक उपस्थित रहे। बैठक में रेंज की भौगोलिक स्थिति और वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य पर व्यापक चर्चा की गई।

महानिदेशक पुलिस शर्मा ने रेंज में हुए हालिया अपराधों की गहन समीक्षा की और कानून व्यवस्था को बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने संगठित अपराधियों के विरुद्ध अधिक से अधिक सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। विशेष रूप से ड्रग माफिया और मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त अपराधियों के पूरे नेटवर्क का खुलासा करने, उनके मुखियाओं के विरुद्ध प्रभावी विधिक कार्रवाई करने तथा तस्करी की काली कमाई से अर्जित उनकी संपत्तियों को जब्त करवाने जैसी कठोर कार्रवाई अमल में लाने के लिए जिला कप्तानों को पाबंद किया। बैठक के दौरान कानून व्यवस्था के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा पर भी विशेष मंथन हुआ। डीजीपी ने महिला सुरक्षा की दिशा में प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने महिलाओं, बालकों एवं कमजोर वर्ग के खिलाफ होने वाले अपराधों में पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करने और पुलिस मुख्यालय स्तर से वर्तमान में चलाए जा रहे विभिन्न अभियानों का क्रियान्वयन सजगता से करने पर विशेष बल दिया।

जोधपुर रेंज के कई जिलों की सीमाएं अंतर्राष्ट्रीय बॉर्डर से सटी होने के कारण महानिदेशक ने सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पूरी सतर्कता बरतते हुए सीमावर्ती इलाकों में पुलिस की कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ किया जाए। इन क्षेत्रों मे कम्युनिटी पुलिसिंग को बढ़ावा देकर अपराधियों, अवैध गतिविधियों और अवैध घुसपैठ पर पूर्ण रूप से रोक लगाई जाए। बैठक के समापन पर डीजीपी शर्मा ने सभी अधिकारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि देश में लागू हुए नवीन आपराधिक कानूनों में पुलिस को कई विशेष और प्रभावी प्रावधान दिए गए हैं। अधिकारी इन नए कानूनी प्रावधानों का कड़ाई और बुद्धिमत्ता से प्रयोग करें, ताकि राजस्थान पुलिस का मूल ध्येय वाक्य आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय धरातल पर पूरी तरह सार्थक हो सके।

15 दिन से कोटा से लापता युवक का कंकाल मिला

- अंता पुलिस और एफएसएल टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया

अन्ता, (निसं)। अंता थाना अंतर्गत नागदा बाइपास पर शनिवार को एक ड्रेन में नर कंकाल बरामद हुआ। सूचना मिलते ही अंता पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया, जिसने मौके से साक्ष्य जुटाए। मृतक 15 दिन से कोटा से लापता था। घटना स्थल से मिले साक्ष्य के आधार पर मृतक की पहचान हो गई है।

जानकारी के अनुसार, नागदा फाटक से कुछ दूरी पर स्थित ड्रेन में मानव कंकाल पड़ा होने की सूचना पुलिस को मिली थी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने पाया कि कंकाल पूरी तरह बिखरा हुआ था और आसपास मानव हड्डियां फैली हुई थीं। इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक पुष्पेन्द्र सिंह आढा और थानाधिकारी भूपेश शर्मा सहित पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। एफएसएल टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। कंकाल के पास मिले कपड़ों और अन्य वस्तुओं की भी जांच की गई। पुलिस ने कंकाल और बरामद सामग्री को अपने कब्जे में लेकर अंता अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। अंता थाने के एसआई घनश्याम नागर ने बताया कि मृतक की पहचान सीसवाली थाना क्षेत्र के कनाडा निवासी बबलू मीणा (23) पुत्र रामेश्वर मीणा के रूप में हुई है। कंकाल के पास मिले कपड़ों, पैंट की जेब से बरामद आधार कार्ड और अन्य दस्तावेजों के आधार पर उसकी शिनाख्त की गई। पुलिस के अनुसार, मृतक के परिजनों ने बताया कि बबलू मीणा लगभग 15 दिन पहले कोटा से अपने गांव जाने के लिए निकला था, लेकिन वह घर नहीं पहुंचा। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई पता नहीं चलने पर परिजनों ने कोटा में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। शनिवार को नागदा बाइपास पर मिले कंकाल की पहचान होने के बाद परिजनों को इसकी सूचना दी गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घर से आधार, पैन कार्ड व मोबाइल चुराकर खाते से नगदी निकाली

अलवर, (निसं)। अलवर में एक चोर घर में घुसकर रिटायर्ड फौजी और पूर्व टीसी अमरीक सिंह के दस्तावेज और मोबाइल फोन चोरी कर ले गया। इसके बाद डॉक्यूमेंट और मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर खाते से साढ़े तीन लाख रुपए निकाल लिए। घटना शहर के शिवाजी पार्क थाना इलाके में गणपति विहार की है। यहां 29 मई की रात करीब 3 बजे चोर घर में घुसा था। पीड़ित के अनुसार घर में चोरी की पूरी घटना बताने के बावजूद पुलिस ने चोरी की धारा नहीं जोड़ी।

पीड़ित अमरीक सिंह के अनुसार, घटना की रात घर में सो रहा था। इसी दौरान चोर घर के अंदर घुस आया। आधार कार्ड, पैन कार्ड, एटीएम कार्ड, सैनिक कैंटीन कार्ड, ईसीएचएस कार्ड सहित अन्य जरूरी दस्तावेज ले लिए। इसके बाद बिस्तर के सिरहाने रखा मोबाइल फोन उठाकर ले जाने लगा तो मेरी नींद खुल गई। चोर का हाथ पकड़ लिया, लेकिन आरोपी हाथ छुड़ाकर भाग निकला। अमरीक सिंह ने बताया कि चोर के पीछे मोहल्ले तक दौड़ा और चिल्लाया भी, लेकिन आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। घटना के बाद पुलिस को इसकी सूचना दी।

उन्होंने बताया कि घटना के बाद 3 जून को मैंने अपने बैंक खाते का स्टेटमेंट निकलवाया। स्टेटमेंट देखकर पता चला कि 31 मई से 3 जून के बीच अलवर, किशनगढ़बास और तिजारा में अलग-अलग ट्रांजेक्शन कर खाते से करीब साढ़े तीन लाख रुपए निकाल लिए गए थे। इसके बाद 5 जून को शिवाजी पार्क थाने में मामला दर्ज किया। हैरानी की बात यह रही कि पीड़ित के घर में चोरी की पूरी घटना बताने के बावजूद पुलिस ने चोरी की धारा नहीं जोड़ी। रिपोर्ट में केवल इतना उल्लेख किया गया कि पीड़ित के दस्तावेज और मोबाइल गुम हो गए थे।

पीड़ित अमरीक सिंह का आरोप है कि पुलिस को स्पष्ट रूप से बताया था कि चोर घर में घुसा था, उसे पकड़ने की कोशिश भी की थी। वह चोरी कर भाग गया था। इसके बावजूद मेरी शिकायत को दस्तावेज गुम होने के रूप में दर्ज कर लिया गया। इस संबंध में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक शर्मा ने कहा कि मामले की जानकारी लेकर जांच कराई जाएगी।

डोडा-पोस्त जब्त, आरोपी फरार

जोधपुर, (कासं)। जिला पूर्व पुलिस ने दो थाना क्षेत्रों में मादक पदार्थ बरामद किए हैं। एक में आरोपी को पकड़ा गया है तो दूसरे में आरोपी हाथ नहीं लगा। उसकी ढाणी से अवैध डोडा-पोस्त बरामद हुआ। डांगियावास थानाधिकारी दौलाराम ने बताया कि मुखबिरी से सूचना मिली कि जाणियों की ढाणी बिरडासनी क्षेत्र में रहने वाले श्रवणराम के यहां पर अवैध मादक पदार्थ मिल सकता है। इस पर पुलिस की टीम ने वहां पर रेड दी। पुलिस ने ढाणी में छुपाकर रखा 28 किलो 610 ग्राम डोडा-पोस्त बरामद किया। आरोपी हाथ नहीं लगा है। दूसरी तरफ महामंदिर थानाधिकारी देवेन्द्रसिंह ने श्याम प्रसाद मुखजी पार्क मानजी का हत्था क्षेत्र में अवैध रूप से एमडी ड्रग्स बेचने की फिराक में घूम रहे खींयाराम को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 14 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की।

जोधपुर : सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर अनीता बिश्नोई की हालत में सुधार

- अस्पताल के आईसीयू में भर्ती अनीता ने परिवार के लोगों से इशारों में बातचीत की और बताया कि वह अब ठीक हैं

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में ट्रोलिंग से परेशान होकर जहर पीने वाली सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर अनीता बिश्नोई की हालत में सुधार हो रहा है। मथुरादास माथुर अस्पताल के आईसीयू में भर्ती अनीता ने शनिवार सुबह अपने परिवार के लोगों से इशारों में बातचीत की और बताया कि वह अब ठीक हैं।

अनीता के पति दीनाराम ने बताया कि कुछ लोगों ने उनके कपड़ों को लेकर अभद्र टिप्पणियां की थीं, जिससे वह काफी मानसिक तनाव में थीं। फिलहाल उनकी तबीयत पहले की तुलना में काफी बेहतर है। पति दीनाराम ने ट्रोलिंग को लेकर बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि इस पूरे विवाद के पीछे परिवार के ही कुछ लोग और अन्य इन्फ्लूएंसर्स हैं। उन्होंने बताया कि अनीता के एक 6 महीने पुराने वीडियो का शुरुआती हिस्सा काटकर उसे सोशल मीडिया पर वायरल किया गया। दीनाराम ने कहा कि इस मामले को लेकर वे जल्द ही थाने में एफआईआर दर्ज करवाएंगे। अनीता के पूरी तरह ठीक होने के बाद वे दोनों साथ बैठकर मीडिया के सामने पूरा सच रखेंगे।

मथुरा दास माथुर अस्पताल के सुपरिटेंडेंट डॉ. विकास राजपुरोहित ने बताया अनीता विश्नोई का आईसीयू में इलाज चल रहा है। अभी उन्हें किसी भी तरह के वेंटिलेटर और ऑक्सीजन सपोर्ट की जरूरत नहीं है। अब उनकी स्थिति पहले से बेहतर है। 2 दिन बाद वह बोलने या फिर बयान देने की स्थिति में आ जाएंगी। जो जहर लिया था, उसकी डिटेल मंगवाई थी। इसमें पता चला कि दो तरह का कॉम्बिनेशन था। यह कॉम्बिनेशन शरीर में लंग्स, हार्ट, रेस्पिरेटरी (सांस लेने) सिस्टम, ब्रेन और मल्टीपल ऑर्गन्स को इफेक्ट करता है। हमने समय पर इलाज शुरू कर दिया था।

यह पूरी घटना 3 जून की है। जोधपुर के बनाड़ थाना क्षेत्र की रहने वाली अनीता ने 3 जून की सुबह करीब 11:30 बजे जहर खा लिया था। हालत बिगड़ने पर उन्हें तुरंत एमडीएम हॉस्पिटल के मेडिकल वार्ड में भर्ती कराया गया था। गंभीर स्थिति को देखते हुए उसी रात उन्हें आईसीयू आईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया था। पिछले चार दिनों से उनका इलाज जारी है। हालत में सुधार है।

खेल जगत

हमें लगता है कि हमने एक बहुत अच्छी टीम चुनी है। कुछ खिलाड़ी टीम में जगह नहीं बना पाएंगे, लेकिन आप सिर्फ 15 खिलाड़ियों को ही चुन सकते हैं और हम इस टीम से बहुत खुश हैं। - अजीत अगरकर

बीसीसीआई चयनकर्ता, भारतीय टीम चुनने के बाद।

आज का खिलाड़ी — सूर्यकुमार यादव

भारत के विश्व विजेता कप्तान सूर्यकुमार यादव करीब दो साल तक टीम की कमान संभालने के बाद अब स्क्वॉड से ही बाहर हो गए हैं। शनिवार को चयनकर्ताओं ने श्रेयस अय्यर को टीम का नया कप्तान नियुक्त किया। सूर्यकुमार यादव ने श्रेयस अय्यर को टी20 इंटरनेशनल टीम में शामिल किए जाने और उन्हें टीम की कप्तानी सौंपी जाने पर बधाई दी। सूर्यकुमार ने कहा, मैं श्रेयस अय्यर के भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनने पर बहुत खुश हूं। हमने साथ में मुंबई में यहां पर क्रिकेट खेला है और ये शानदार एहसास है कि पिछले तीन टी20 कप्तान मुंबई से ही आए हैं।

क्या आप जानते हैं ?... एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत का सबसे बड़ा स्कोर 418/5 है, जो 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाया गया था।

भारत-अफगानिस्तान टेस्ट पहला दिन : राहुल और गिल के शतकों से भारत मजबूत स्थिति में

न्यू चंडीगढ़, 6 जून। सलामी बल्लेबाज केएल राहुल और कप्तान शुभमन गिल के शानदार शतकों की बदौलत भारतीय टीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के पहले दिन मजबूत पकड़ बना ली है। दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने 85 ओवर में 3 विकेट पर 368 रन बना लिए हैं।

पहली बार पुरुष टेस्ट मैच की मेजबानी कर रहे न्यू चंडीगढ़ में गर्म मौसम के बीच भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। हालांकि शुरुआती ओवरों में अफगानिस्तान के तेज गेंदबाजों ने मुश्किलें खड़ी कीं।

अजमतुल्लाह उमरजई और मोहम्मद सलीम ने नई गेंद से असमान उछाल और स्विंग हासिल करते हुए भारतीय बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया। इसी दौरान केएल राहुल 16 रन पर जीवनदान भी पा गए, जब जियाउर अहमद की गेंद पर विकेटकीपर के पास कैच गया लेकिन अफगानिस्तान ने डीआरएस नहीं लिया। बाद में रिप्ले में राहुल के बल्ले का किनारा दिखाई दिया।

यशस्वी जायसवाल ने कुछ आक्रामक शॉट लगाए, लेकिन 32 गेंदों में 24 रन बनाकर मोहम्मद सलीम का पहला टेस्ट विकेट बने। इसके बाद बी साई सुदर्शन और राहुल ने पारी को संभाला। साई सुदर्शन ने शुरुआत से आत्मविश्वास दिखाया और तेजी से रन बनाए। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 131 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी हुई। साई सुदर्शन अपने पहले टेस्ट शतक के करीब दिखाई दे रहे थे, लेकिन 81 रन पर आउट हो गए। उन्होंने अपनी पारी में कई आकर्षक शॉट लगाए और भारतीय मध्यक्रम को मजबूती दी। दूसरी ओर राहुल ने धैर्य और संयम के साथ बल्लेबाजी करते हुए अपना 12वां टेस्ट शतक पूरा किया। उन्होंने शुरुआती चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों को पार किया और 100 रन बनाकर आउट हुए। टेस्ट क्रिकेट में यह तीसरी बार था जब राहुल ठीक 100 रन पर आउट हुए। राहुल के आउट होने के बाद कप्तान शुभमन गिल ने आक्रामक अंदाज अपनाया। उन्होंने थके हुए अफगान गेंदबाजी आक्रमण का पूरा फायदा उठाया और बेहतरीन स्ट्रोकप्ले के साथ अपना 11वां टेस्ट शतक पूरा किया। गिल दिन का खेल समाप्त होने तक 103 रन बनाकर नाबाद लौटे।

ऋषभ पंत ने भी संयम और आक्रामकता का शानदार मिश्रण दिखाया। अपने 50वां टेस्ट मैच में खेल रहे पंत ने शुरुआत में सावधानी बरती और बाद में स्पिनर अब्दुल मलिक के खिलाफ तीन छक्के लगाकर तेजी से रन जुटाए। पंत 50 रन बनाकर नाबाद रहे। अफगानिस्तान की ओर से मोहम्मद सलीम सबसे सफल गेंदबाज रहे और उन्होंने 67 रन देकर 2 विकेट लिए।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 4 टीमों का किया ऐलान

एशियन गेम्स के लिए श्रेयस को कमान, वैभव की भी हुई एंट्री

नई दिल्ली, 6 जून। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की चयन समिति ने शनिवार को आयरलैंड, इंग्लैंड, एशियाई खेल और श्रीलंका सीरीज के लिए टीम की घोषणा की। आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए श्रेयस अय्यर को टी20 टीम की कमान सौंपी गई है, जबकि सूर्यकुमार यादव को कप्तानी के पद से हटा दिया है। टीम में भी उनको जगह नहीं मिली है। एशियाई खेलों के लिए चुनी गई टीम का नेतृत्व भी श्रेयस करेंगे, जबकि इस टीम में विस्फोटक युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को शामिल किया गया है। तिलक वर्मा को टी20 टीम का उपकप्तान बनाया गया है।

श्रेयस होंगे टी20 के नए कप्तान

अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने शनिवार को भारतीय टी20 टीम के नए कप्तान की घोषणा की। श्रेयस अय्यर को सूर्यकुमार यादव की जगह टीम की कमान सौंपी गई है। सूर्या को रोहित शर्मा के संन्यास के बाद जुलाई 2024 में टीम इंडिया की कमान सौंपी गई थी, जिसके बाद से उनकी कप्तानी में टीम ने एशिया कप और टी20 विश्व कप 2026 जीता। हालांकि सूर्यकुमार यादव का बैटिंग फॉर्म बेहद खराब रहा है और वह रन बनाने के लिए संघर्ष करते हुए दिखे थे, जिसकी वजह से उन्हें टीम से हाथ धोना पड़ा है।

एशियाई खेल 2026 के लिए भारत की टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, जसप्रित बुमरा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, वैभव सूर्यवंशी

एशियाई खेल के लिए भी टीम का ऐलान

श्रेयस अय्यर को एशियन गेम्स के लिए टीम का कप्तान चुना गया है। तिलक वर्मा टीम के उपकप्तान होंगे। भारत के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में चुना गया है, लेकिन उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 मैचों की श्रृंखला से आराम दिया गया है। इस टीम में विस्फोटक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भी शामिल किया गया है, जिन्होंने हाल ही में समाप्त आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाए थे।

इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, मोहम्मद। सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव

इंडिया ए टीम

ध्रुव जुरेल (कप्तान और विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल (उपकप्तान), रुतुराज गायकवाड़, साई सुदर्शन, आयुष पांडे, सारांश जैन, गुरनूर बराड़, औकिब नबी, यश ठाकुर, अंशुल कंबोज, एन. जगदीसन (विकेटकीपर), अमन मोखड़े, शेख रशीद, जीशान अंसारी।

अंडर-18 एशिया कप : जापान को 4-1 से हराकर भारतीय पुरुष हॉकी टीम बनी चैम्पियन

काकामिगाहारा (जापान), 6 जून। भारतीय अंडर-18 पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए मेज़बान जापान को फाइनल में 4-1 से हराकर पुरुष अंडर-18 एशिया कप 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। भारत की जीत के सबसे बड़े नायक आशीष तानी पुर्ति रहे, जिन्होंने हैट्रिक जमाकर टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। भारत के लिए आशीष तानी पुर्ति ने दूसरे, 28वें और 34वें मिनट में गोल किए, जबकि कप्तान केतन कुशवाहा ने 30वें मिनट में एक गोल दागा। जापान की ओर से एकमात्र गोल नुमादा गाकु ने 52वें मिनट में किया।

भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। मुकाबले के शुरुआती 90 सेकंड के भीतर भारत को पेनाल्टी कॉर्नर मिला, जिसे आशीष तानी पुर्ति ने गोल में बदलकर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। दूसरे क्वार्टर में जापान ने बराबरी की कोशिश की लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति मजबूत रही। इसके बाद 28वें मिनट में भारत को फिर पेनाल्टी कॉर्नर मिला और आशीष ने अपना दूसरा गोल दागकर बढ़त 2-0 कर दी।

भारत का हमला यहीं नहीं रुका। प्रहलाद राजभर ने शानदार मूव बनाते हुए कप्तान केतन कुशवाहा को गेंद दी और उन्होंने गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया। हाफ टाइम तक भारत पूरी तरह मुकाबले पर हावी रहा। तीसरे क्वार्टर में भारत ने अपनी पकड़ और मजबूत कर ली। वरिंदर सिंह के शानदार मूव के बाद मिले पेनाल्टी कॉर्नर पर आशीष तानी पुर्ति ने तीसरा गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत को 4-0 की मजबूत बढ़त दिला दी।

अंतिम क्वार्टर में जापान ने वापसी की कोशिश की और 52वें मिनट में पेनाल्टी स्ट्रोक के जरिए एक गोल किया, लेकिन भारतीय टीम ने कोई और मौका नहीं दिया और 4-1 से मुकाबला जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया। मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए आशीष तानी पुर्ति को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में कुल 13 गोल कर प्रतियोगिता के शीर्ष गोल स्कोरर के रूप में भी अभियान समाप्त किया। भारतीय टीम की उपलब्धि को सम्मान देते हुए हॉकी इंडिया ने स्वर्ण पदक जीतने वाली पुरुष टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को 3 लाख रुपये और सहयोगी स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 1.5 लाख रुपये देने की घोषणा की।

कोहली की जगह यशस्वी जायसवाल टीम में शामिल

नई दिल्ली, 6 जून। भारत के वरिष्ठ बल्लेबाज विराट कोहली पिछले महीने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आईपीएल 2026 अभियान के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे। यशस्वी जायसवाल को उनकी जगह टीम में शामिल किया गया है। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने संकेत दिया कि कोहली 14 जुलाई से शुरू होने वाली इंग्लैंड के खिलाफ भारत की अगली वनडे श्रृंखला के लिए फिट हो सकते हैं, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि फिजियोथेरेपिस्टों के पास उनकी रिकवरी के संबंध में फिलहाल कोई स्पष्ट समयसीमा नहीं है। कोहली की चोट के बारे में अगरकर ने कहा कि विराट को फाइनल में चोट लगे अभी एक हफ्ता भी नहीं हुआ है। अभी तक हमें ठीक होने में कितना समय लगेगा, यह पता नहीं है। लेकिन ऐसा लग रहा है कि वह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए फिट हो सकते हैं। यह कोई पक्की बात नहीं है, इसलिए इस पर पूरी तरह भरोसा न करें। फिजियो ने भी अभी तक ठीक होने की कोई पक्की जानकारी नहीं दी है।

जयपुर जिला क्रिकेट एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी में लोकेश शामिल

जयपुर, 6 जून। जयपुर जिला क्रिकेट एसोसिएशन (जेडीसीए) की एडहॉक कमेटी में लोकेश जोशी को नए सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। उनकी नियुक्ति के बाद कमेटी में सदस्यों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है। क्रिकेट गतिविधियों के संचालन, संगठनात्मक कार्यों और आगामी कार्यक्रमों के समन्वय में अब जोशी भी अपनी भूमिका निभाएंगे। खेल जगत से जुड़े लोगों ने उनकी नियुक्ति का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि उनके अनुभव का लाभ जिला क्रिकेट के विकास में मिलेगा। एडहॉक कमेटी फिलहाल एसोसिएशन के प्रशासनिक और खेल संबंधी कार्यों का संचालन कर रही है।

19 साल की एंड्रीवा ने पहली बार फ्रेंच ओपन जीता

नई दिल्ली, 6 जून। 19 साल की मीरा एंड्रीवा ने पहली बार फ्रेंच ओपन जीत लिया है। शनिवार को खेले गए विमेंस सिंगल्स फाइनल में उन्होंने पोलैंड की माया च्वालिंस्का को सीधे सेटों में 6-3, 6-2 से हराया। यह मुकाबला 1 घंटे 22 मिनट तक चला। एंड्रीवा फ्रेंच ओपन जीतने वाली दूसरी सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गईं। उनसे पहले 1992 में 18 साल की मोनिका सेलेस ने यह टाइटल अपने नाम किया था। रूस की एंड्रीवा का यह पहला ठौंड स्लैम खिताब है।

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में कोई खराबी नहीं : गावस्कर

नई दिल्ली, 6 जून। सुनील गावस्कर ने सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाए जाने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने सीधे शब्दों में कहा है कि यह एक शानदार बदलाव है। कुछ समय पहले श्रेयस अय्यर को बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में भी शामिल नहीं किया था और आज वे भारतीय टीम के कप्तान हैं। गावस्कर का मानना है कि चयनकर्ताओं ने सही व्यक्ति को चुना है। उन्होंने कहा '' मुझे लगता है कि उन्होंने सही व्यक्ति को चुना है और इसका एक साधारण कारण है कि कप्तानी की चिंताओं से प्रभावित हुए बिना श्रेयस अय्यर लगातार अच्छा प्रदर्शन बल्ले से भी करते रहे हैं।'' गावस्कर के अनुसार, अय्यर के कप्तानी के क्रेडेंशियल्स अन्य दावेदारों से काफी बेहतर हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि अय्यर ने जिन भी आईपीएल फ्रेंचाइजी का नेतृत्व किया, उन्हें जीत दिलाई या फाइनल तक पहुंचाया। उन्होंने कहा, ''जहां तक उनकी कप्तानी की योग्यता का सवाल है, वे आपके द्वारा बताए गए अन्य नामों की तुलना में बहुत बेहतर हैं।''

सूर्या को हटाए जाने के बताए संभावित कारण

सूर्यकुमार यादव को कप्तानी से हटाए जाने की संभावित वजहों पर बात करते हुए सुनील गावस्कर ने कहा कि सूर्या की कप्तानी में कोई कमी नहीं थी लेकिन उनकी फॉर्म खराब रही जो उनके टीम से बाहर होने और कप्तानी जाने का बड़ा कारण है। उन्होंने कहा, ''उनकी कप्तानी में कुछ भी गलत नहीं है। मुझे लगता है कि उनके व्यक्तिगत फॉर्म की वजह से उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया है।'' गावस्कर ने बताया कि चयन समिति 2027 और 2028 (ओलंपिक) के नए साइकल की ओर देख रही है। उन्होंने कहा, ''नए साइकल के लिए आप उन खिलाड़ियों को रखना चाहते हैं जो दो साल बाद उपलब्ध होंगे। सूर्य कुमार की उम्र को देखते हुए, वे युवा खिलाड़ी (अय्यर) के साथ गए।''

सूर्या की धोनी से की तुलना, कामनेस को बताया विरासत

सुनील गावस्कर ने अहम निर्णय लिए जाने के बाद इंडिया टुडे को दिए इंटरव्यू में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा सूर्या महेंद्र सिंह धोनी की तरह शांत रहते थे और मैदान पर हमेशा मुस्कुराते रहते थे। उन्होंने कहा कि अपने शांत स्वभाव को बनाए रखना ऐसी चीज है जिसे वे एक विरासत के रूप में पीछे छोड़ेंगे।

ग्रेनोलर्स और जेबालोस ने बरकरार रखा फ्रेंच ओपन पुरुष युगल खिताब

पेरिस, 6 जून। स्पेन के मार्सेल ग्रेनोलर्स और अर्जेंटीना के होरासियो जेबालोस की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्रेंच ओपन 2026 पुरुष युगल वर्ग का खिताब अपने नाम कर लिया। दोनों खिलाड़ियों ने फाइनल मुकाबले में दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी हैरी हेलियोवारा और हेनरी पैटन को सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से हराकर लगातार दूसरी बार यह खिताब जीत लिया। इस जीत के साथ ग्रेनोलर्स और जेबालोस की जोड़ी ने अपने करियर का तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल किया। दोनों खिलाड़ियों ने वर्ष 2019 में साथ खेलना शुरू किया था और तब से युगल प्रतियोगिताओं में लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन कर रहे हैं। शीर्ष वरीयता प्राप्त इस जोड़ी ने पूरे फ्रेंच ओपन अभियान में एक भी सेट गंवाए बिना खिताब तक का सफर तय किया। इससे पहले दोनों ने पिछले वर्ष फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन का खिताब भी अपने नाम किया था। फाइनल मुकाबले में ग्रेनोलर्स और जेबालोस ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। पहले सेट में बढ़त हासिल करने के बाद उन्होंने दूसरे सेट में भी विरोधी जोड़ी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया और एकतरफा जीत दर्ज करते हुए अपना वर्चस्व कायम रखा। इस लगातार सफलता के साथ यह जोड़ी पुरुष युगल टेनिस की सबसे सफल जोड़ियों में अपनी पहचान और मजबूत करने में सफल रही है।

विश्व बॉक्सिंग कप : विश्व नंबर-1 मीनाक्षी और अनुभवी दीपक के नेतृत्व में उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली, 6 जून। विश्व नंबर-1 मुक्केबाज़ मीनाक्षी और अनुभवी बॉक्सर दीपक आगामी विश्व बॉक्सिंग कप 2026 (स्टेज-2) में भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे। यह प्रतियोगिता 15 से 21 जून तक चीन के गुइयांग शहर में आयोजित होगी। भारत इस प्रतियोगिता में पिछले विश्व कप चरणों में शानदार प्रदर्शन और कई पदक जीतने के बाद उतर रहा है। फाइनल चरण में भी भारतीय खिलाड़ियों ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई थी। भारतीय मुक्केबाज़ी महासंघ ने पुरुष और महिला वर्ग के लिए अनुभव और युवा प्रतिभाओं का संतुलित दल घोषित किया है। वर्तमान में भारत शीर्ष-10 खिलाड़ियों की संख्या के आधार पर विश्व में तीसरे स्थान पर है। महिला वर्ग में भारत दूसरे और पुरुष वर्ग में चौथे स्थान पर है। विशेष रूप से महिला वर्ग में शीर्ष-3 खिलाड़ियों की संख्या के आधार पर भारत विश्व में पहले स्थान पर बना हुआ है। यह टूर्नामेंट भारतीय मुक्केबाज़ों के लिए महत्वपूर्ण रैंकिंग अंक हासिल करने और मौजूदा प्रतिस्पर्धी सत्र में अपनी लय बनाए रखने का बड़ा अवसर होगा। टीम चयन पर बीएफआई अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि विश्व बॉक्सिंग कप खिलाड़ियों के लिए शीर्ष अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के खिलाफ अपनी क्षमता को परखने का महत्वपूर्ण मंच है। भारतीय मुक्केबाज़ी में बनाई गई प्रणाली और संरचना अब लगातार बेहतर परिणाम दे रही है और विभिन्न भार वर्गों में मजबूत प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। महिला वर्ग में विश्व नंबर-1 मीनाक्षी (51 किग्रा) टीम का नेतृत्व करेंगी। उनके साथ पूनम (54 किग्रा), प्राची (57 किग्रा), माही लामा (60 किग्रा), सनेह (65 किग्रा), गीतिमोनी जी (70 किग्रा), सनमाचा सी (75 किग्रा), नैना (80 किग्रा) और अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान (80 किग्रा) शामिल हैं।

महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 : भारत ने कोरिया को 3-0 से हराकर जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली, 6 जून। भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने शनिवार को जापान के काकामिगाहारा में खेले गए महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 के कांस्य पदक मुकाबले में कोरिया को 3-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की और टूर्नामेंट का समापन कांस्य पदक के साथ किया। भारत की ओर से संदीपा कुमारी (2वां मिनट), कप्तान स्वीटी कुजूर (16वां मिनट) और नौशीन नाज़ (33वां मिनट) ने गोल दागे। पूरे मुकाबले में भारतीय टीम ने आक्रामक खेल और मजबूत रक्षापंक्ति का शानदार प्रदर्शन किया। सेमीफाइनल में चीन के खिलाफ शूटआउट में मिली करीबी हार के बाद भारतीय टीम ने कांस्य पदक मुकाबले में दमदार वापसी की। मैच शुरू होने के मात्र दो मिनट के भीतर संदीपा कुमारी ने बेहतरीन गोल कर भारत को बढ़त दिला दी। शानदार प्रदर्शन और शुरुआती गोल करने वाली संदीपा कुमारी को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 में भारतीय टीम ने कुल 36 गोल दागते हुए अपनी आक्रामक क्षमता, मजबूत रक्षा और भविष्य की संभावनाओं की शानदार झलक दिखाई। वहीं, महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 का फाइनल शनिवार को भारतीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे चीन और मेजबान जापान के बीच खेला जाएगा। दूसरी ओर, भारतीय अंडर-18 पुरुष हॉकी टीम भी शनिवार को भारतीय समयानुसार शाम 3:30 बजे जापान अंडर-18 टीम के खिलाफ फाइनल मुकाबले में उतरेगी।

प्रथम राजस्थान सीनियर विमेंस फुटबॉल लीग का भव्य समापन, जिंक फुटबॉल एकेडमी बनी चैम्पियन

जयपुर, 6 जून। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वावधान में जयपुर स्थित राजस्थान यूनाइटेड फुटबॉल क्लब मैदान पर आयोजित प्रथम राजस्थान सीनियर विमेंस फुटबॉल लीग का रविवार को भव्य समापन हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि रोशनी टाक (चेयरपर्सन, महिला विंग, राजस्थान फुटबॉल संघ), लाल सिंह सांखला(अध्यक्ष, जालोर ओलंपिक संघ), हरिराम बिश्नोई (सचिव, जिला फुटबॉल संघ जालोर), सुरेंद्र सिंह बालोत मदन सिंह राठौड़ (फुटबॉल कोच) तथा अश्विनी कुमार (एनआईएस फुटबॉल कोच) उपस्थित रहे।

राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि 19 मई से प्रारंभ हुई इस लीग में प्रदेश की पांच टीमों ने भाग लिया। लीग के अंतिम दिन दो मुकाबले खेले गए। पहला मुकाबला सुबह 7 बजे रॉयल फुटबॉल क्लब जयपुर और जयपुर सिटी फुटबॉल क्लब के बीच खेला गया। बेहद रोमांचक रहे इस मैच में दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 4-4 की बराबरी पर मुकाबला समाप्त किया।

दूसरा मुकाबला शाम 4 बजे जिंक फुटबॉल एकेडमी और रियल जयपुर एफसी के मध्य खेला गया। इस मैच में जिंक फुटबॉल एकेडमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 8-0 से एकतरफा जीत दर्ज की। इस जीत के साथ जिंक फुटबॉल एकेडमी ने 8 मैचों में 7 जीत हासिल कर 21 अंक अर्जित किए और मगन सिंह फुटबॉल अकैडमी ने 19 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही प्रथम राजस्थान सीनियर विमेंस फुटबॉल लीग का खिताब अपने नाम किया। व्यक्तिगत पुरस्कारों में डांगी मरांडी (जिंक फुटबॉल एकेडमी) को 7 गोल के साथ बेस्ट स्कोरर, मंजू को इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट तमन्ना को बेस्ट डिफेंडर हँसा को बेस्ट मिडफील्डर तथा सोनम घोष को बेस्ट गोलकीपर चुना गया।

समापन समारोह में विजेता जिंक फुटबॉल एकेडमी तथा उपविजेता मगन सिंह राजवी फुटबॉल एकेडमी, बीकानेर को अतिथियों द्वारा ट्रॉफी एवं व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के सफल संचालन में सतीश जांगिड़ (टेक्निकल डायरेक्टर), अमर सिंह (मैच कमिश्नर), अवकाश दायमा, जावेद खान अंकित शर्मा तथा पवन कुमार (मैच रेफरी) की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मानव सुथार के टेस्ट पदार्पण पर आरसीए एडहॉक कमेटी, आरसीए व राज्य के खेल प्रेमियों में हर्ष की लहर : डॉ. मोहित

// आरसीए एजीएम आगामी 26 को आरसीए अकादमी पर //

जयपुर, 6 जून। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव के अनुसार राज्य के युवा व प्रतिभावान खिलाड़ी मानव सुथार के आज से नई चंडीगढ़ में खेले जा रहे भारत - अफगानिस्तान टेस्ट मैच में भारतीय टीम में पदार्पण करने (टेस्ट डेब्यू) पर आरसीए एडहॉक कमेटी, आरसीए व राज्य के खेल प्रेमियों में हर्ष की लहर दौड़ गई।

संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव ने मानव सुथार के भारतीय टीम में पदार्पण करने (टेस्ट डेब्यू) पर अत्यधिक प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा की मानव सुथार के टेस्ट पदार्पण से राज्य के युवा खिलाडियों में खेल के प्रति रुझान बढ़ेगा, उनका हौंसला बढ़ेगा। संयोजक ने मानव सुथार, को उज्जलव भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

आशीष तिवाड़ी, धनञ्जय सिंह खींवसर सदस्य, एडहॉक कमेटी ने राजस्थान के मानव सुथार की टेस्ट पदार्पण के अवसर पर मानव सुथार, मानव के परिवार, राज्य के समस्त युवा खिलाडियों को बढ़ाई देते हुए कहा की देश के हर खिलाडी का सपना होता है की वे भारतीय टीम के लिए खेले व् देश व राज्य का नाम रोशन करें। अरिष्ट सिंघवी, सुशील जैन सदस्य, आरसीए एडहॉक कमेटी ने राजस्थान के मानव सुथार की टेस्ट पदार्पण को ऐतिहासिक अवसर बताते हुए कहा की मानव सुथार बहुत ही प्रतिभावान व होनहार खिलाड़ी है। अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्म पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का जो अवसर मानव को मिला है उसे वह अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित करेगा। मानव सुथार को शुभकामनाएं।

राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड सुपर लीग के मैच आगामी 13 जून से जयपुर में

जयपुर, 6 जून। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव के अनुसार राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर, उदयपुर व जोधपुर में आयोजित की गयी राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता के लीग मैचों के बाद आरसीए द्वारा राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड सुपर लीग के मैचों का आयोजन आगामी 13 जून से जयपुर में किया जायेगा। संयोजक के अनुसार राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड सुपर लीग (मल्टी डेज) के 3 दिवसीय मैच आगामी 13 जून से जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम, के एल सैनी स्टेडियम, जयपुरिया ग्राउंड व ए एम स्क्वायर ग्राउंड पर खेले जायेंगे व प्रतियोगिता का फाइनल सवाई मान सिंह स्टेडियम पर खेला जायेगा। राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड सुपर लीग ग्रुप ए व ग्रुप बी की टीमें :-ग्रुप ए की टीम :- जयपुर (इलीट ग्रुप ए - 1), उदयपुर (इलीट ग्रुप बी - 1), बीकानेर (प्लेट ग्रुप बी - 1), जालोर (आल)। ग्रुप बी की टीम :- सीकर (इलीट ग्रुप ए - 2), नागौर (इलीट ग्रुप बी -2), चूरू (प्लेट ग्रुप ए - 1), करौली (प्लेट ग्रुप सी - 1)।

Celebrating the Device That Changed Home Entertainment

Observed every year on June 7, National VCR Day celebrates the video cassette recorder, a device that transformed home entertainment in the late 20th century. Introduced widely in the 1970s and 1980s, VCRs allowed families to record television shows, rent movies, and watch content on their own schedule, revolutionising how audiences consumed media. Video rental stores became cultural hubs, and "movie night" turned into a beloved household tradition. Though digital streaming has replaced tapes, the VCR remains a nostalgic symbol of technological progress and the early shift towards on-demand entertainment. The day honours a gadget that paved the way for modern home viewing experiences.

#MIGRANTS

The Story of Irani Cafés in India

In Iran, neighbourhood chai shops had served as gathering places for workers, travellers and ordinary citizens. They carried this culture with them to Bombay

On the busy street corners of old Mumbai, with their wooden chairs, marble-top tables and the comforting aroma of chai and freshly baked buns, Irani Cafés became far more than simple tea houses. They grew into symbols of migration, resilience and the blending of cultures that shaped modern India.

The story of these cafés began in the late nineteenth century. During the 1870s, parts of Iran faced severe famine and political instability. At the same time, many Zoroastrians experienced persecution under the Qajar Dynasty. Struggling with hardship and uncertainty, numerous Iranian families left their homeland and travelled to Bombay, now Mumbai, in search of safety and opportunity.

Most of these migrants arrived with very little money or property. What many of them did possess, however, were culinary skills and experience running small tea houses back home. In Iran, neighbourhood chai shops had long served as gathering places for workers, travellers and ordinary citizens. The migrants carried this culture with them to Bombay.

At the same time, Bombay itself was rapidly changing. The city was in the middle of a major cotton mill boom, attracting thousands of labourers and factory workers from across the region. These workers needed affordable food and tea before early morning shifts and after long working hours. Recognising this need, Iranian migrants began opening small cafés and tea shops that offered inexpensive meals, bread, tea and snacks.

One of the most distinctive features of Irani cafés was their location. Many of them were established on corner plots across the city. According to traditional Indian architectural beliefs linked to Vastu Shastra, corner properties, known as "Shermukhi" plots, were often considered unlucky or unsuitable for successful businesses. Because of this belief, such properties were usually available at lower prices.

The Iranian café owners, however, did not place much importance on Vastu traditions. For them, these corner spaces were practical, affordable and highly visible to workers and pedestrians moving through the city. Their willingness to occupy these less desirable locations unintentionally gave Irani cafés their iconic identity, open on street corners, welcoming people from every background.

Over time, these cafés became deeply woven into the social and cultural fabric of Bombay. They were among the few places where people from different religions, professions and economic classes could sit together at the same table. Students, writers, office workers, mill labourers and artists all gathered in these cafés over cups of chai, bun maska and simple meals.

At their peak, Bombay had nearly 350 Irani cafés spread across the city. Their clocks, glass jars, handwritten menus and old-world charm became part of Mumbai's identity. But as decades passed, rising real estate prices, changing lifestyles and declining family ownership began to threaten their survival.

Today, fewer than thirty Irani cafés remain. Yet, despite their shrinking numbers, these cafés continue to hold a special place in India's cultural memory. They represent the journey of migrants who arrived with almost nothing and built lasting institutions through hard work, adaptability and hospitality.

The surviving Irani cafés are not just restaurants; they are living reminders of Bombay's cosmopolitan spirit, spaces where history, migration and everyday life continue to meet over a cup of tea.

RABINDRANATH TAGORE ON CELLULOID

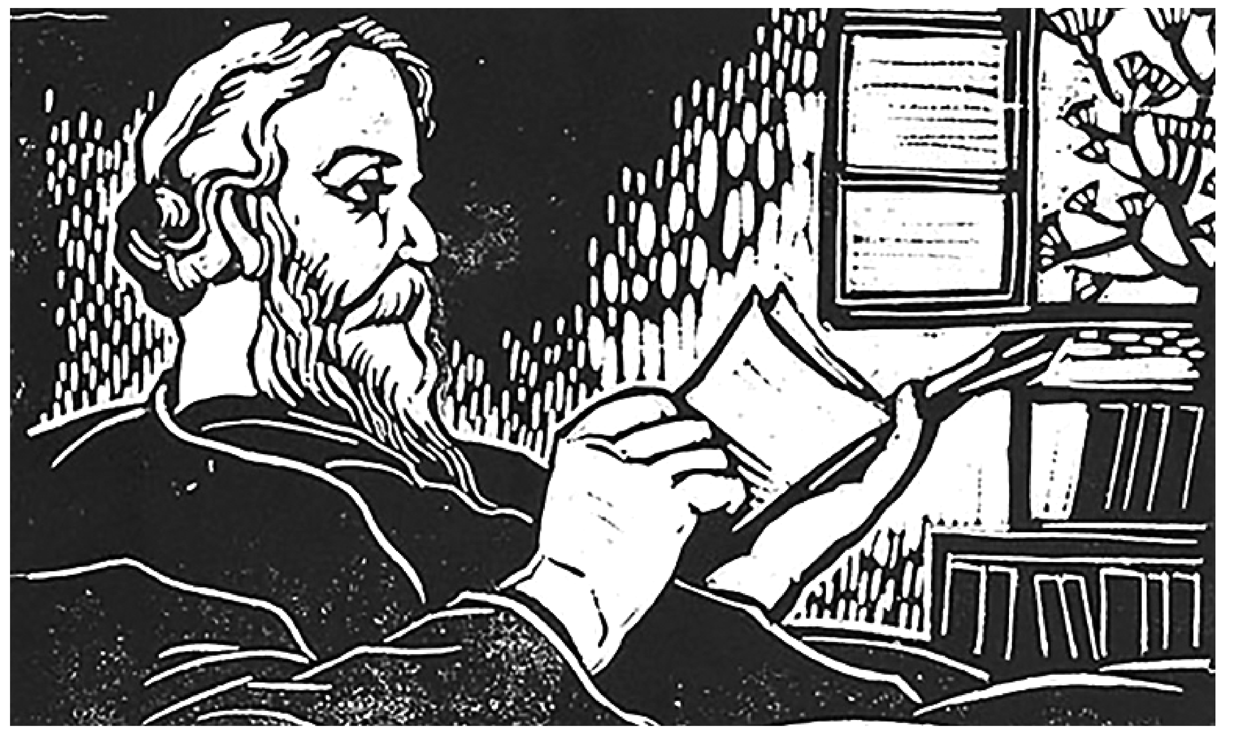

Suman Mukherjee effectively incorporated significant visual, musical and religious metaphors to invest the form and the narrative with Tagore's world-view as presented in the novel in a more concrete manner. This world-view could be read in terms of relationships, man's spiritual beliefs, man's constant search for an anchor, spiritual, ideological, moral, emotional, the shifting nature of man's one-to one communication with God, the conflict between idea and truth, the conflict between physical desire and emotional longing, the blurring of lines between birth and death, society's moral injustice towards women, cutting across class, religious beliefs, education and awareness.

Dr. Shoma A. Chatterji
Film Scholar, Journalist & Author

Rabindranath Tagore's works are universal in terms of time, space, emotions and human relationships. The universal language of cinema makes it possible to render Tagore a literary piece for the consumption of an international audience ideally through the medium of film.

In India, with its low literacy rate and diversity of languages, cinema has become a major medium of communication to reach Tagore to the masses. The process works backwards where sub-titled films based on or adapted from a Tagore original could inspire viewers to read the book after having watched the film. When an Indian publishing house brought out a paperback English translation of Rituparno Ghosh's *Chokher Bali* almost simultaneously with the release of the film, the book sold out like hot cakes. Interestingly however, the film failed to repeat the magic the paperback did. *Noukadubi* (2011), produced by Subhash Ghai in Bengali and Hindi under the direction of Rituparno Ghosh, is another example.

Tagore's *Golpoguccho* (Bunch of Stories) remains among the most popular fictional works in Bangla literature. To this day, Golpoguccho remains a point of cultural reference. Golpoguccho has furnished subject matter for numerous successful films and theatrical plays, and its characters are among the most well known to Bengalis. The acclaimed film director Satyajit Ray based his film *Charulata* (The Lonely Wife) on *Nashtanir* (The Broken Nest). This story reportedly has an autobiographical element modelled on the relationship between Tagore and his sister-in-law, Kadambari Devi.

Ray made memorable films of other stories from Golpoguccho, including Samapti, Postmaster and Monihara, bundling them together as *Teen Kanya* (Three Daughters). *Atithi* directed by Tapan Sinha is another poignantly lyrical Tagore story. Tarapada, a young Brahmin boy, catches a boat ride with a village zamindar. It turns out that he has run away from his home and has been wandering around ever since. The zamindar adopts him, and finally arranges a marriage to his own daughter. The night before the wedding, Tarapada runs away again. *Strir Patra* (The letter from the Wife) has to be one of the earliest depictions in Bangla literature with a bold statement on the emancipation of a woman. Mrinal is the wife of a typical Bengali middle class man. The story is structured through a letter written by Mrinal to her husband, describing her petty life and its struggles. She declares that she will never come back. The last line says, "Amio banchbo. Ei banchlum" (And I shall live. Here, I live). Another story, *Khokababur Protyabartan* (The Return of Khokababu), tells the tragic tale of an old retinue of an affluent household who places his own son as his employer's lost son to be brought up as the heir of the family. When this boy grows up, arrogant, self-indulgent and proud, he misbehaves with his biological father.

Prosenjit in *Noukadubi.*

#FILM

Aishwarya Rai in *Chokher Bali.*

Hindi cinema has had its interpretations and adaptations of Tagore. Examples range from *Kabuliwalla* directed by Hemen Gupta and produced by Bimal Roy to the adaptation of *Char Adhyay* by Kumar Shahani. Bimal Roy's *Sujata* made telling use from a scene from the Tagore dance drama *Chandalika*, to bring across the acceptance of an 'untouchable' by Ananda, the Buddhist monk, to juxtapose this against the 'untouchable' Sujata of the film. Sujata also used the original tune of a Tagore song with Hindi lyrics that were not a translation of the Bengali original.

Hindi cinema has had its interpretations and adaptations of Tagore. Examples range from *Kabuliwalla* directed by Hemen Gupta and produced by Bimal Roy to the adaptation of *Char Adhyay* by Kumar Shahani. Bimal Roy's *Sujata* made telling use from a scene from the Tagore dance drama *Chandalika,* to bring across the acceptance of an 'untouchable' by Ananda, the Buddhist monk, to juxtapose this against the 'untouchable' Sujata of the film. Sujata also used the original tune of a Tagore song with Hindi lyrics that were not a translation of the Bengali original. Musical adaptations have been prolific in the 1950s and 1960s in Hindi films. Music composers S.D. Burman, R.D. Burman and Hemanta Mukhopadhyay have been strongly inspired by Tagore songs and have often used his original music in many of their compositions. Tapan Sinha made three films based on Tagore's works. These are Kabuliwalla, Kshudista Pashan and Atithi. In his other films, he has used Tagore songs very often and with good effect. Strains of a popular Tagore song form the theme music of Kabuliwalla. In *Bicharak*, based on a Tarasankar Bandopadhyay novel, Tapan Sinha used two rare Tagore songs. One was the theme song, Aamaar Bichar Tumi Kawro. The other underscores the bubbly nature of the second woman in the hero's life, juxtaposed against the solemn, suspicious and old-fashioned wife of the hero. Suman Mukherjee made *Chaturanga* (2008) but took liberties through structural changes for the transition from word to picture. He effectively incorporated significant visual, musical and religious metaphors to invest the form and the narrative with Tagore's world-view as presented in the novel in a more concrete manner. This world-view could be read in terms of relationships, man's spiritual beliefs, man's constant search for an anchor, spiritual, ideological, moral, emotional, the shifting nature of man's one-to-one communication with God, the conflict between idea and truth, the conflict between physical desire and emotional longing, the blurring of lines between birth and death, society's moral injustice towards women, cutting across class, religious beliefs, education and awareness.

Noukadubi (Boat Wreck) is the most cinema-friendly story by Rabindranath Tagore. It is filled with dramatic coincidences, love triangles, an accident, even a villain. The story has been placed on celluloid several times including twice in Hindi, *Milan* (1946) directed by Nitin Bose with Dilip Kumar, and *Ghunghat* (1960) directed by Ramanand Sagar with Bina Rai. Bengali versions came out in 1932, 1947 and 1979. Noukadubi is about a boat wreck on a night of storm, rain and thunder that throws the lives of the four main characters out of gear, metamorphosing the relationships into something radically different from what the original plans were. Ghosh brings this 1903 story forward to the 1920s. The credits say that the film is 'inspired' by the Tagore novel because Ghosh has taken the skeleton of the original story and woven it with his own inputs, cerebral and emotional. He places the story as if written by someone else because Tagore, through his songs, music and photographic portrait as a young man, makes his powerful presence felt through the film.

Tagore uses this love story blended into forced marriage leading to a boat accident to make it a strong social indictment of the times (a) on the institution of arranged marriages forced by dictatorial fathers on their obedient, duty-bound sons; (b) on the misguided belief in horoscopes to match the ideal pair for marriage; (c) on the patriarchal dictates that deny women the truth even when they deserve it. To establish that one boat wreck can truly destroy all these pre-conceived, socially conditioned arrangements at one stroke of storm, thunder and rain.

Tarun Majumdar's rich sense of cinema comes across in his use of the Tagore song in his films. *Alo*, adapted from a Bibhutibhusan Bandopadhyay's story, revived interest in Tagore songs in cinema. It has seven beautifully rendered and imaginatively positioned Tagore songs. In *Nimantran*, based on a Bibhuti Bhusan Bandopadhyay's story, Tarun Majumdar used Tagore's Purano Shei Diner Kawtha Bhulbi Ki Re Hai as the theme music for the film. Another Tagore song, Doorey Kothai, Doorey Doorey was placed beautifully in a picnic sequence to establish the loneliness of the young girl. The film also uses Tagore's famous poem, *Nirjharer Swapno Bhango*, recited without dramatic inflections by the hero Anup Kumar to express his free spirit when he first arrives in Bakulpur.

In *Balika Badhu*, the resident tutor, an old man plays Aamar Shonar Bangla, Aami Tomaye Bhalobashi on his violin. Later, when the police arrives to arrest him, we discover that he was a terrorist in disguise and the significance of the tune is realised. In *Dadar Kirti*, Majumdar uses a beautiful Tagore song sung by the nondescript, humiliated and slighted hero. Some works of Tagore that have been filmed over the years are Malancha, Jogajog, Musalmanir Galpo, Laboratory, Ghare Baire, Kshudista Pashan, Chirokumar Sabha, Bouthakuranir Haat, Nishithey, Shubha O Debatar Grash, among others.

Through cinema, the director-as-author presents an interesting fusion of the modern and the post-modern, thereby raising questions on the possibility of creating a third genre of films based on classical literature in general and on Tagore in particular, a genre that effectively blends the word with the picture, and yet sustains the independence of the original literary work, as well as the independence of the film, which then is deeply ensconced within an identity of its own. Having decided to make a film on a Tagore original, the director-as-author moves away from the original to create his own narrative through the language he knows best, film. Yet, parts of the original remain intact and can be identified as well as compared with the literary source that inspired the film. The director remains firmly rooted in his directorial habitat. Yet, it makes way for elements of the post-modern, such as intertextuality, nostalgia in varied manifestations, and a sense of the perpetual present, to step into his film.

rajeshsharma1049@gmail.com

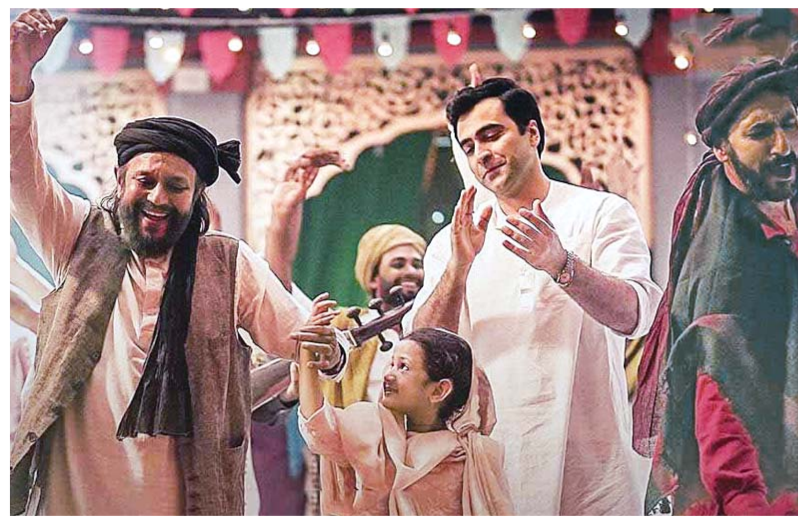

KABULIWALLA.

#K. C. DAS

He Turned Soap into Swadeshi Strength

British companies controlled production and pricing, ensuring that high-quality soap remained a luxury rather than a basic good

In the story of India's industrial awakening, some figures stand quietly in the background, yet their contributions ripple across generations. One such name is K. C. Das, a man who transformed a simple everyday product, soap, into a symbol of self-reliance during colonial rule.

From Education to Enterprise

K. C. Das was not just an entrepreneur but a man shaped by education and global exposure. Having studied science, reportedly earning a B.Sc. and spending time connected with institutions like Stanford University, he returned with both technical knowledge and a vision. At a time when India was still under British rule, such exposure was rare and powerful.

Soap Under Colonial Rule

During the British era, soap was not an everyday necessity for most Indians. Imported soaps dominated the market, making them expensive and inaccessible. British companies controlled production and pricing, ensuring that high-quality soap remained a luxury rather than a basic good. K. C. Das saw both a problem and an opportunity. Why should a basic hygiene product be out of reach for ordinary Indians?

The Birth of Indigenous Soap

Breaking away from conventions, and reportedly overcoming personal and institutional barriers, Das ventured into manufacturing soaps locally. His approach was rooted in both science and tradition. Instead of relying on imported materials, he turned to indigenous ingredients like neem and other natural extracts.

This led to the creation of early product like Margo soap, formulation that combined affordability with medicinal benefits. Neem, long valued in Indian households for its antibacterial properties, became a cornerstone of his innovation.

At a time when foreign brands dominated, these soaps offered something revolutionary: quality products made in India, for Indians.

Expanding the Vision

K. C. Das did not stop at one success. As demand grew, production expanded beyond its initial base. A significant milestone was the establishment of a second factory in Tamil Nadu, strengthening distribution and bringing affordable soap closer to southern markets.

This expansion reflected not just business growth, but a larger mission, making hygiene accessible while promoting indigenous industry.

Legacy of Simplicity and Impact

K. C. Das's journey represents more than entrepreneurship. It embodies resilience, adaptation, and a deep understanding of local needs. By focusing on natural ingredients and affordability, he helped shift soap from a colonial luxury to an everyday essential. His work also laid the groundwork for India's later consumer goods revolution, where local brands would rise to compete with, and eventually surpass, global giants.

A Quiet Revolution

Today, when shelves are filled with countless soap brands, it's easy to forget a time when such products were scarce and expensive. K. C. Das played a crucial role in changing that reality. His story is a reminder that innovation doesn't always come from grand inventions, sometimes, it comes from rethinking the ordinary and making it accessible to all.

THE WALL

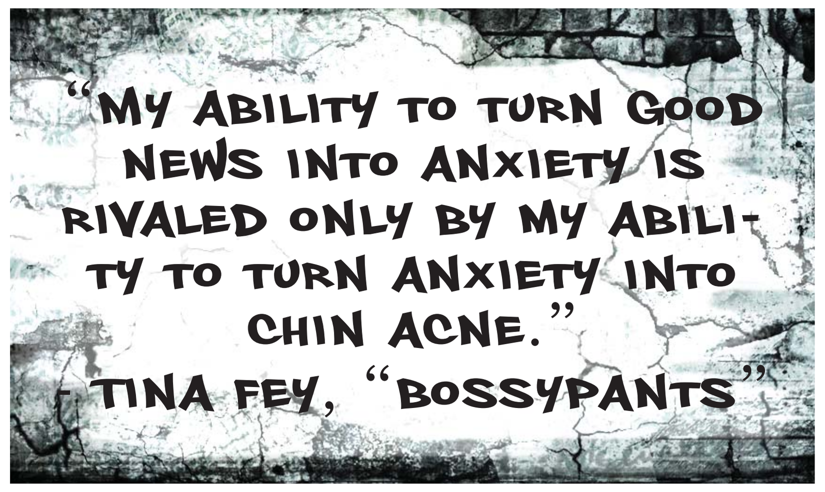

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

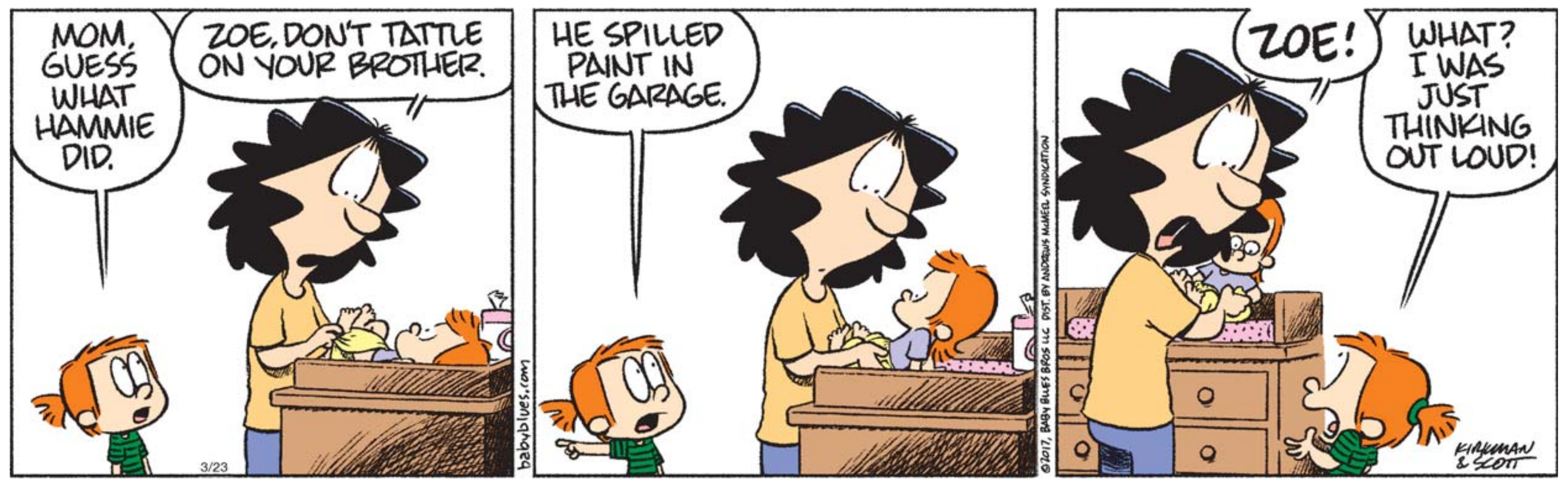

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

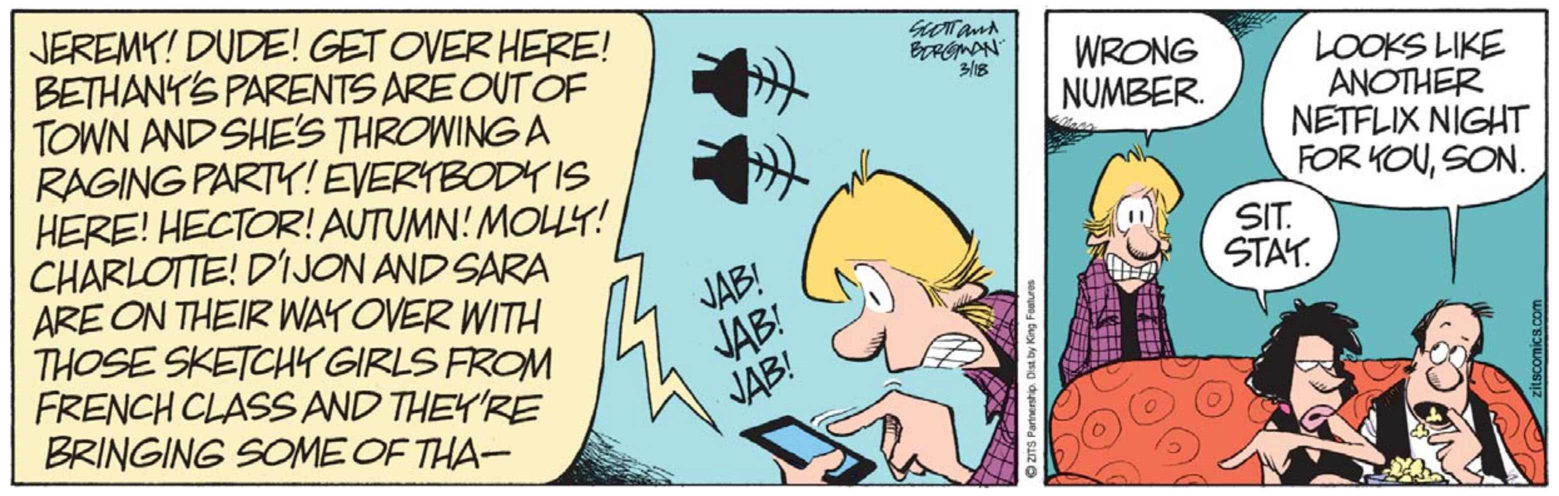

चौमूं के पास सिंगोद कला के जमवाय माता मंदिर चोरी, ग्रामीणों में आक्रोश

ग्रामीणों ने बताया कि पहले भी 10 मई को मंदिर में चोरी की घटना हो चुकी है

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमूं उपखण्ड की ग्राम पंचायत सिंगोद कलां के प्रसिद्ध जमवाय माता मन्दिर में कुछ ही दिनों में दूसरी बार चोरी की घटना हो गई। चोर मन्दिर का दानपात्र तोड़कर नकदी चोरी कर ले गए। घटना से नाराज ग्रामीणों ने मन्दिर परिसर में धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया और चोरी की घटना का खुलासा नहीं होने तक धरना जारी रखने की चेतावनी दी।

श्री जमवाय माता सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष हरिसिंह शेखावत ने बताया कि रात करीब तीन बजे दो चोर बाइक से आए और मन्दिर में लगे दानपात्र को तोड़कर नकदी चोरी कर ले गए। पूरी वारदात मन्दिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इससे पहले भी 10 मई को मंदिर में चोरी की घटना हो चुकी है। मन्दिर पुजारी सरदार सिंह जब सुबह मन्दिर पहुंचने पर चोरी की जानकारी मिली। दानपात्र का ताला टूटा देखकर उन्होंने ग्रामीणों को सूचना दी, जिसके बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। सूचना पर एएसआई धर्मपाल यादव और महेन्द्र वर्मा घटनास्थल पर पहुंचे तथा जांच शुरू की, लेकिन ग्रामीणों ने थानाधिकारी को मौके पर बुलाने की मांग की। इसके बाद ग्रामीणों ने धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया और गांव में बाजार बंद कर दिया। बाद में मौके पर पहुंचे थानाधिकारी विनोद सांखला ने ग्रामीणों से शीघ्र चोरी का खुलासा करने का भरोसा दिलाया।

चोरी के विरोध में धरना दे रहे ग्रामीणों से पुलिस अधिकारियों ने समझाइश की।

- चोरी की पूरी वारदात मन्दिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद, पुलिस जांच में जुटी

ग्रामीणों ने कहा कि इससे पहले भी मन्दिर में चोरी की घटना हो चुकी है, जिसका अब तक खुलासा नहीं हो पाया है। ऐसे में इस घटना का खुलासा होना आवश्यक है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पिछली चोरी के आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से बदमाशों के हौसले बुलंद हुए और उन्होंने दौबारा मन्दिर को निशाना बनाया। धरना स्थल पर मौजूद लोगों ने जनप्रतिनिधियों से भी मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि चोरी की पूरी वारदात मन्दिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है। फुटेज में दो युवक मोटरसाइकिल पर मंदिर पहुंचते और दानपात्र से नकदी चोरी कर फरार होते दिखाई दे रहे हैं। इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। धरना स्थल पर मौजूद लोगों ने क्षेत्र के पूर्व विधायक रामलाल शर्मा से भी मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की। बताया गया कि उन्होंने पुलिस अधिकारियों से वार्ता कर जल्द कार्रवाई की आवश्यकता जताई है।

गोविन्दगढ़ थानाधिकारी विनोद सांखला ने बताया कि चोरी के मामले की जांच के लिए विशेष टीम गठित कर दी गई है। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और संदिग्धों की पहचान के प्रयास जारी हैं। उन्होंने दावा किया कि आगामी 15 दिनों के भीतर आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

गोविन्दगढ़ पुलिस उपाधीक्षक राजेश जांगिड़ ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही थानाधिकारी विनोद सांखला एवं प्रशिक्षु आरपीएस नेहा को आवश्यक निर्देश दे दिए गए हैं। पुलिस निष्पक्ष जांच कर जल्द ही आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। इस दौरान जमवाय माता मंदिर सेवा ट्रस्ट सिंगोद के अध्यक्ष हरि सिंह शेखावत, सिंगोद खुर्द के पूर्व सरपंच त्रिलोक लोच्छिब, सिंगोद कला के सुरेश सैनी, राजपूत सभा तहसील अध्यक्ष भवानी सिंह सिंगोद, तेजसिंह, पदमसिंह, बलवीर सिंह, रणवीर सिंह, विजय सिंह, जगमालसिंह, पुकीत सिंह, लक्कीसिंह, अजेंद्रसिंह, हितेंद्रसिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

कोटा में एक करोड़ की जमीन से हार्डकोर बदमाश का कब्जा हटाया

आरोपी कैथून थाने का हिस्ट्रीशीटर है जो युवाओं को नशे की लत में धकेल रहा था

पुलिस ने क्रिमिनल डस्टिंग एक्ट के तहत अवैध निर्माण को जेसीबी से ध्वस्त किया।

- आरोपी ने कैथून इलाके के ही अरंडखेड़ा में कोटा विकास प्राधिकरण की ढाई बीघा जमीन पर अवैध निर्माण कर दो दुकान बना ली थी

कोटा, (निसं)। कोटा ग्रामीण पुलिस ने शनिवार को एक करोड़ रुपए की जमीन से हार्डकोर बदमाश का कब्जा हटाया है। आरोपी कैथून थाने का हिस्ट्रीशीटर है। युवाओं को नशे की लत में धकेल रहा था। आरोपी फिलहाल फरार है। पुलिस ने क्रिमिनल डस्टिंग एक्ट के तहत उसके अवैध निर्माण को चिन्हित करते ध्वस्त किया है। उसके पास से ढाई बीघा जगह मुक्त कराई है।

कोटा ग्रामीण एसपी सुजीत शंकर ने बताया कि कैथून थाने इलाके में हार्डकोर बदमाश 45 वर्षीय शांतिलाल गुर्जर के खिलाफ कई धाराओं में 36 मुकदमे दर्ज हैं। वह मूल रूप से अरंडखेड़ा गांव का निवासी है। फिलहाल फरार है। आरोपी के खिलाफ नशा तस्करी सहित कई तरह के मामले दर्ज हैं। उसे हार्डकोर सूची में जिला स्तर पर लेकर निगरानी की जा रही थी। आरोपी ने कैथून इलाके के ही अरंडखेड़ा में कोटा विकास प्राधिकरण की ढाई बीघा जमीन पर अवैध निर्माण कर दो दुकान बना ली थी। इस अवैध निर्माण पर एक्शन लिया है। उसने अतिक्रमण कर बाउंड्री बना ली थी जिसे बुलडोजर से ध्वस्त किया। प्राधिकरण के तहसीलदार हिम्मत सिंह, कानूनगो विवेकपाल सिंह व पटवारी रुचिता यादव समेत पुलिस जाप्ता मौजूद रहा।

कैथून थाना अधिकारी मनोज सिकरवार ने बताया कि शांतिलाल के खिलाफ पहला मुकदमा वर्ष 2000 में दर्ज हुआ था। इसके बाद लगातार अपराध की दुनिया में सक्रिय है। साल 2026 में भी दो मुकदमे हुए। पहले से दर्ज कई मामलों में सजा हो चुकी है। कई में न्यायालय से राहत भी मिली। कई मामलों में भी ट्रायल न्यायालय में चल रहा है। इनमें जानलेवा हमला, एनडीपीएस एक्ट, अवैध शराब, आर्म्स एक्ट, डकैती, हत्या का प्रयास, जबरन वसूली, नशा तस्करी व सहित कई धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। हाल में सुल्तानपुर में दर्ज हुए एक मुकदमे में फरार है।

तेज आंधी व बारिश से कृषि मंडी में रखी फसल भीगी

गंगापुर सिटी में हुई बरसात से कृषि मंडी में रखी फसलों को नुकसान पहुंचा।

गंगापुर सिटी, (निसं)। उपखंड मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण अंचल में मौसम का मिजाज बदल गया। शनिवार को दोपहर में छाए काले बादलों के बाद शाम को रुक-रुककर रिमझिम फुहारें गिरीं, जिससे कृषि मंडी में रखी फसलें भीग गईं।

शनिवार को छह बजे बादलों ने मेहरबानी दिखाई और 40 मिनट तक बारिश हुई। तलावड़ा तहसील के ऑफिस कानूनगो जितेंद्र बैरवा ने बताया कि क्षेत्र में 15 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई। इससे अधिकतम 41 और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री पर आ गया, जिससे लोगों को उमस व गर्मी से राहत मिली है। अच्छी बारिश से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। हरिमोहन, मुकेश, रामकेश और सुरेश मीणा का कहना है कि खरीफ की बुवाई के लिए अभी ऐसी 1-2 और बारिश की जरूरत है।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से बुजुर्ग की मौत हो गई। यह हादसा बिछीवाड़ा कस्बे के पास तब हुआ, जब बुजुर्ग पैदल सड़क किनारे चल रहे थे। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

बिछीवाड़ा पुलिस सूत्रों के अनुसार घडमाला निवासी रविराजसिंह ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि रविराज सिंह अपने चाचा रामसिंह चौहान के साथ देवेन्द्रगढ़ पैलेस होटल से घर की ओर पैदल जा रहे थे। वे सड़क के किनारे चल रहे थे। इसी दौरान डूंगरपुर की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए राम सिंह चौहान को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि राम सिंह उछलकर सड़क पर गिर गए। उन्हें सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं और वे मौके पर ही बेहोश हो गए। परिजन और स्थानीय लोग तुरंत उन्हें एक निजी वाहन से डूंगरपुर अस्पताल ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें आगे बाहर जाने के लिए रेफर कर दिया। हालांकि, दूसरे अस्पताल ले जाते समय राम सिंह ने बीच रास्ते में ही मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के शव को डूंगरपुर अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही प्रारंभ कर दी है।

अजमेर में अवैध गैस कारोबार का पर्दाफाश

- पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्त में लिया

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिला पुलिस की विशेष टीम और श्रीनगर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध गैस कारोबार का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गैस सिलेंडरों से भरी एक पिकअप वाहन को जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मौके से बड़ी मात्रा में नकदी और गैस भरने में उपयोग होने वाले उपकरण भी बरामद किए गए हैं।

श्रीनगर थाना प्रभारी पारूल यादव ने बताया कि जिला विशेष टीम के प्रभारी शंकर सिंह रावत और कांस्टेबल रामनिवास को सूचना मिली थी कि राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित काठियावाड़ी होटल की पार्किंग में गैस सिलेंडरों से भरी एक संदिग्ध पिकअप खड़ी है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और वाहन की जांच की। जांच के दौरान पिकअप में एक घरेलू गैस सिलेंडर तथा 70 खाली वाणिज्यिक गैस सिलेंडर पाए गए। वाहन की सीट के नीचे से एक लाख 22 हजार 130 रुपये नकद भी बरामद हुए। पुलिस ने पार्किंग क्षेत्र की तलाशी ली तो पीछे बने एक कमरे में एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में मिला, जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने उसे पकड़कर पूछताछ की। उसने अपना नाम गोविंद सिंह उर्फ विक्रम सिंह निवासी दौराई बताया। कमरे की तलाशी में आठ नोजल पाइप सहित, दो घरेलू गैस सिलेंडर और एक इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटा बरामद हुआ। पुलिस ने सभी सामान जब्त कर लिया तथा आवश्यक कार्रवाई के लिए रसद विभाग को सूचना दी। पुलिस ने आरोपी गोविंद सिंह को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में अवैध रूप से गैस सिलेंडरों के उपयोग और कारोबार की आशंका जताई जा रही है।

जोधपुर में नगदी और आभूषण चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती लूणी तहसील के कांकाणी गांव में चोरों ने एक घर में सैंध लगाकर नगदी जेवरात की चोरी कर ली। जाते-जाते चोर बाइक की चाबी भी चुरा ले गए। लूणी पुलिस ने मामला दर्ज कर अब जांच आरंभ की है। घटना 30 मई की रात को होना बताया गया है। पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज से पता लगाने का प्रयास कर रही है।

लूणी पुलिस ने बताया कि कांकाणी निवासी शेषाराम ने मामला दर्ज कराया। इसमें उसने बताया कि 30 मई की रात करीब 12 से 2 बजे के बीच अज्ञात व्यक्ति उनके घर में घुसा और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घर से 35 हजार रुपए, चांदी की चूड़ियां, पायल, अंगूठियां, लेडीज पिन, सोने के लूंग के साथ घर से बाइक की चाबी भी चोरी कर ले गया। रिपोर्ट में बताया कि उसके घर के पास में बैंक और निजी संस्थान पर सीसीटीवी फुटेज से चोर की पहचान कर पता लगाया जा सकता है। फिलहाल लूणी पुलिस की तरफ से अनुसंधान जारी है।

चोरी की वारदात खुलासा, पंजाब से दो आरोपी गिरफ्तार

- पुलिस ने आरोपियों का 350 किमी तक पीछा कर दबोचा

सूरजगढ़, (निसं)। सूरजगढ़ थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) ने घर में घुसकर सोने-चांदी के आभूषण एवं नकदी चोरी करने की वारदात का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर आरोपियों को पंजाब से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने करीब 300 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों का 350 किलोमीटर तक पीछा कर उन्हें धर दबोचा।

पुलिस के अनुसार 19 मई को परिवादी हरिशचंद्र पुत्र जगरूप यादव, निवासी वार्ड नंबर 6, काकोड़ा अंडरपास के पास, सूरजगढ़ ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 18 मई की रात अज्ञात चोर उनके घर की खिड़की तोड़कर अंदर घुस गए। इसके बाद उन्होंने दरवाजे खोलकर घर में रखे सोने-चांदी के आभूषण, नकदी एवं अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। वारदात के समय परिवादी और उनके भाई नौकरी के कारण बाहर तैनात थे तथा परिवार घर पर अकेला था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल डीएसटी एवं सूरजगढ़ थाना पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर जांच शुरू की। टीम ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे करीब 300 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया। साथ ही तकनीकी साक्ष्यों और खुफिया सूचनाओं के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनका पीछा किया गया।।लगातार प्रयासों के बाद पुलिस टीम पंजाब के बठिंडा जिले के रामपुराफूल थाना क्षेत्र स्थित मेहराज गांव पहुंची, जहां से दोनों संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में चोरी की वारदात में संलिप्तता सामने आने पर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पांच दिन का पुलिस रिमांड प्राप्त किया है। उनसे चोरी किए गए माल की बरामदगी एवं अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ जारी है। गिरफ्तार आरोपी में सुखबीर सिंह पुत्र किशन सिंह, निवासी मेहराज, थाना रामपुराफूल, जिला बठिंडा (पंजाब) तथा गुरप्रीत सिंह पुत्र मगर सिंह, निवासी मेहराज, थाना रामपुराफूल, जिला बठिंडा (पंजाब) शामिल हैं।

दो बाल श्रमिक मुक्त कराये

जोधपुर, (कासं)। जिला पश्चिम की सूरसागर पुलिस ने दो अलग-अलग होटलों पर कार्रवाई करते हुए दो बालश्रमिकों को मुक्त कराया। होटल संचालकों के खिलाफ केस दर्ज किए गए। सूरसागर थाने के एसआई पाबूदान सिंह ने बताया कि सूचना मिली कि चोपड़ पर चल रही एक होटल में बालक से श्रम करवाया जा रहा है। इस पर वे मय जाब्ते के वहां पहुंचे। पुलिस ने होटल संचालक अडवडा कुचेरा नागौर हाल अंबेडकर कॉलोनी काली टंकी के पास रहने वाले विनोद बंजारा के खिलाफ जेजे एक्ट में केस दर्ज कर बालक को मुक्त करवाया। इसी तरह चोपड़ के पास में कालीबेरी रोड पर पाबूजी रेस्टोरेंट एण्ड भोजनालय से एक बालक को मुक्त कराया गया।

डूंगरपुर में सुरक्षा गार्ड से मारपीट व लूट का खुलासा

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना पुलिस ने शहर के उदयपुरा रोड पर एक सुरक्षा गार्ड के साथ हुई मारपीट और लूट की वारदात का खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि दो बाल अपचारियों को हिरासत में लिया गया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार मांडवा बियोला निवासी गोपालसिंह बियोला ने कोतवाली थाने में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार उनका बेटा बृजराजसिंह, सिन्टेक्स मील में सुरक्षा गार्ड है। 31 मई की रात को ड्यूटी खत्म कर वह मोटरसाइकिल से घर लौट रहा था। इसी दौरान उदयपुरा रोड पर सुनसान रास्ते में 3-4 युवकों ने उसे रोका। हमलावरों ने बृजराजसिंह के सिर पर लाठी और कांच की बोतल से वार किया। बदमाशों ने लात-घूंसों से उसे बुरी तरह घायल कर दिया और उसकी मोटरसाइकिल, मोबाइल तथा पर्स लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। थानाधिकारी अजय सिंह राव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तकनीकी अनुसंधान और मुखबिरों की मदद से आरोपियों का पता लगाया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी गुजरात भाग गए थे। पुलिस टीम ने उन्हें राजकोट (गुजरात) से पकड़ा। पुलिस ने नवाडेरा घाटी फलाा निवासी हितेश कटारा को गिरफ्तार किया है, जबकि उसके दो साथी बाल अपचारियों को डिटेन किया है।

निर्माणाधीन मकान से विद्युत तार चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

- दोनों आरोपी नशे की लत पूरी करने के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे
- सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना से पुलिस ने कार्रवाई की

अजमेर, (कासं)। गंज थाना पुलिस ने निर्माणाधीन मकान से वातानुकूलन यंत्र की वायरिंग और अन्य सामान चोरी करने के मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी नशे की लत पूरी करने के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे।

पुलिस के अनुसार गणपति नगर निवासी निखिल चौबे ने आनासागर चौकी में शिकायत दर्ज करवाई थी कि उनके निर्माणाधीन मकान से वातानुकूलन यंत्र की वायरिंग और अन्य सामग्री चोरी हो गई है। शिकायत के बाद पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। जांच के दौरान पुलिस ने नवाब और अकबर नामक दो आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें दोनों ने चोरी की वारदात करना स्वीकार कर लिया। इसके बाद उन्हें विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी नवाब के विरुद्ध पहले से विभिन्न मामलों में आठ प्रकरण दर्ज हैं। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि दोनों आरोपी नशे की लत के कारण चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। मामले के खुलासे में कांस्टेबल राजेश की विशेष भूमिका रही, जिनके प्रयासों से आरोपियों तक पहुंचने में सफलता मिली। पुलिस अब आरोपियों से अन्य वारदातों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है।

अलवर के ऐतिहासिक जगन्नाथजी मेले को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की मांग

- जिले की संस्था महामाया अलवर ने राष्ट्रपति को पत्र भेजकर अलवर के जगन्नाथ मेले को पुरी की रथयात्रा की तरह अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने की मांग की थी
- राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सचिव ने राजस्थान के मुख्य सचिव को पत्र लिखा, देवस्थान विभाग कार्ययोजना बनाएगा

अलवर, (निसं)। ओड़िशा के पुरी की विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ रथयात्रा की तरह अब राजस्थान के अलवर के ऐतिहासिक जगन्नाथजी मेले को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सकती है। अलवर की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को ग्लोबल मैप पर लाने के लिए राष्ट्रपति कार्यालय के हस्तक्षेप के बाद प्रदेश का प्रशासनिक अमला हरकत में आ गया है। राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सचिव ने इस संबंध में राजस्थान के मुख्य सचिव को एक आधिकारिक पत्र भेजा है। मुख्य सचिव स्तर से निर्देश मिलने के बाद अब देवस्थान विभाग के अधिकारियों को इस संबंध में कार्ययोजना बनाने के लिए अवगत करा दिया गया है।

जानकारी के अनुसार अलवर की संस्था महामाया अलवर ने राष्ट्रपति को एक पत्र भेजा था। पत्र में बताया गया था कि अलवर के जगन्नाथ मेले में अपार पर्यटन और धार्मिक क्षमताएं हैं। मेले के दौरान पूरे शहर में उत्सव का माहौल रहता है और हर दिन हजारों-लाखों लोग इसमें शामिल होते हैं। अगर सरकार इच्छाशक्ति दिखाए और सही स्तर पर प्रयास करे तो इसे पुरी की रथयात्रा की तरह अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई जा सकती है।

संस्था के प्रतिनिधि शंकर सिंह राजपूत ने बताया कि इसी पत्र का संज्ञान लेते हुए राष्ट्रपति कार्यालय ने राजस्थान सरकार को कार्रवाई के लिए लिखा है। सरकार के स्तर पर के मेले के दौरान खास सौंदर्यीकरण कराया जाए। देश दुनिया में जानकारी भेजी जाए। बाहर के टूरिस्ट को बुलाया जाए। यह सब होने पर मेले की प्रसिद्धी दुनिया भर में बढ़ती जाएगी। जिससे रोजगार के अवसर भी बढ़ सकेंगे।

गौरतलब है कि अलवर का जगन्नाथ मेला अपनी अनूठी परंपराओं के लिए जाना जाता है। इस बार मेला 12 जुलाई से शुरू होकर 29 जुलाई तक चलेगा। मेले के दौरान 2 बार भगवान की भव्य शोभायात्रा (रथयात्रा) निकाली जाती है, जो पूरे शहर का भ्रमण करती है। भगवान के दर्शनों के लिए दीवानगी ऐसी होती है कि लाखों की संख्या में श्रद्धालु रात के 3-3 बजे तक सड़कों और मंदिरों में डटे रहते हैं। मेले के दिनों में पूरा अलवर शहर जगन्नाथमय हो जाता है। व्यापारिक और सांस्कृतिक रूप से भी यह अलवर का सबसे बड़ा आयोजन है।

राष्ट्रपति कार्यालय से पत्र आने के बाद देवस्थान विभाग अब मेले के इंफ्रास्ट्रक्चर, देश-विदेश में इसके प्रचार-प्रसार और वीआईपी रूट व सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक नया खाका तैयार कर सकता है। अगर इसे केंद्रीय पर्यटन सर्किट से जोड़ा जाता है, तो आने वाले दिनों में अलवर में विदेशी पर्यटकों की आवक में भारी इजाफा देखने को मिल सकता है। यहां टूरिस्ट्स को आकर्षित किया जा सकता है। वैसे भी अलवर में विश्व प्रसिद्ध सरिस्का अभयारण्य है।

समदड़ी-लूनी रेलखंड पर दो दिन कई ट्रेनें प्रभावित रहेगी

- रोड अंडर ब्रिज निर्माण कार्य के चलते 7 एवं 8 जून को ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा

जोधपुर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल में समदड़ी-लूनी रेलखंड पर रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) निर्माण कार्य के चलते 7 एवं 8 जून को कुछ ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति जांचने की अपील की है।

मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि समदड़ी-लूनी रेल मार्ग स्थित दूदिया-दुंदाड़ा स्टेशन के मध्य समपार फाटक संख्या 231,227 एवं 226 पर आरयूबी निर्माण के लिए ब्लॉक लिया जाएगा। इसके कारण कुछ ट्रेनें रद्द,आंशिक रूप से रद्द तथा परिवर्तित मार्ग से संचालित की जाएंगी।

ट्रेन संख्या 74839 भगत की कोठी-बाड़मेर डेमू 7 जून को रद्द रहेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 74840 बाड़मेर-भगत की कोठी डेमू 8 जून को रद्द रहेगी। ट्रेन संख्या 14896 बाड़मेर-भगत की कोठी एक्सप्रेस 7 जून को समदड़ी से भगत की कोठी के बीच रद्द रहेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 14893 भगत की कोठी-पालनपुर एक्सप्रेस 7 जून को भगत की कोठी से समदड़ी के बीच रद्द रहेगी।

ट्रेन संख्या 20485 जैसलमेर-साबरमती सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन 7 जून को लूनी-मारवाड़ जंक्शन-महेसाणा मार्ग से संचालित होगी। ट्रेन पाली, मारवाड़ जंक्शन, रानी, फालना, सुमेरपुर, पिंडवाड़ा, आबू रोड, पालनपुर, सिद्धपुर और उंझा स्टेशनों पर ठहरेगी। इस कारण यह ट्रेन दुंदाड़ा, समदड़ी, मोकलसर, जालोर, मोदरान, भीनमाल, रानीवाड़ा, धानेरा, भीलड़ी तथा पाटन स्टेशनों पर नहीं रुकेगी। ट्रेन संख्या 20486 साबरमती-जैसलमेर एक्सप्रेस 7 जून को महेसाणा-मारवाड़ जंक्शन-लूनी मार्ग से संचालित होगी। ट्रेन उंझा, सिद्धपुर, पालनपुर, आबू रोड, पिंडवाड़ा, सुमेरपुर, फालना, रानी, मारवाड़ जंक्शन और पाली स्टेशनों पर ठहरेगी। इस कारण यह ट्रेन पाटन, भीलड़ी, धानेरा, रानीवाड़ा, भीनमाल, मोदरान, जालोर, मोकलसर तथा समदड़ी स्टेशनों पर नहीं रुकेगी।

मुख्यमंत्री ने किया एस.एम.एस हॉस्पिटल का औचक निरीक्षण

ओपीडी में ही जांच और दवा काउंटर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचकर ओपीडी सेवाओं का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न विभागों की ओपीडी में चिकित्सा व्यवस्थाओं, दवाओं, जांच सहित साफ-सफाई के संबंध में अस्पताल प्रशासन से जानकारी ली। साथ ही रोगियों व उनके परिजनों से बातचीत कर उनसे मिले फीडबैक के आधार पर स्वास्थ्य सेवाओं में आवश्यक सुधार के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भीलवाड़ा दौरे से जयपुर वापसी पर अचानक एसएसएस अस्पताल पहुंचे। जहां उन्होंने धन्वंतरी भवन में ओपीडी सेवाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान मेडिसिन, ऑर्थो, कार्डियो, न्यूरो सहित अन्य विभागों की ओपीडी सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सवाई मानसिंह अस्पताल देश का प्रतिष्ठित अस्पताल है। यहां प्रदेश के साथ दूसरे राज्यों के रोगी भी उपचार के लिए आते

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचकर ओपीडी सेवाओं का औचक निरीक्षण किया।

हैं, जिसके चलते रोगी भार अधिक रहता है। इसे देखते हुए अस्पताल प्रशासन सेवाओं में विस्तार और तकनीकी उपाय अपनाकर रोगियों को सुगम एवं सुलभ उपचार उपलब्ध करवाए। उन्होंने कहा कि रोगियों को जांच और दवाओं के लिए अन्यत्र नहीं जाना पड़े, इसके लिए संबंधित विभाग की ओपीडी में ही जांच और दवा काउंटर की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। वहीं, उन्होंने अस्पताल परिसर में रोगियों और उनके परिजनों के लिए बैठने एवं पेयजल आदि की पर्याप्त व्यवस्था करने के साथ ही साफ-सफाई रखने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में

- **मुख्यमंत्री ने रोगियों व परिजनों से बातचीत कर अस्पताल की सेवाओं का फीडबैक भी लिया**

कहा कि राज्य सरकार सवाई मानसिंह अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बना रही है, जिससे यहां मरीजों को समय पर उचित उपचार मिल सके। विगत ढाई वर्ष में एसएमएस में स्वास्थ्य सुविधाओं में काफी सुधार हुआ है। इसके लिए चिकित्सा विभाग एवं अस्पताल प्रशासन साधुवाद के पात्र है। लेकिन जहां भी सुधार की गुंजाइश है, वहां जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

इस अवसर पर प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़, एसएसएस मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी सहित चिकित्सक एवं कार्मिक मौजूद रहे।

36 साल से 240 रुपए मासिक पर नौकरी, हाईकोर्ट ने जवाब मांगा

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने साल 1990 में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में परिचारक के तौर पर काम कर रहे याचिकाकर्ता को मासिक 240 रुपए का भुगतान करने पर राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। इसके साथ ही अदालत ने कहा कि यदि याचिकाकर्ता वर्तमान में काम कर रहा है तो आगामी आदेश तक उसकी सेवा समाप्त नहीं की जाए। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश विजय सिंह गोस्वामी की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता साल 1990 में धौलपुर के राजकीय होम्योपैथी अस्पताल में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में परिचारक के तौर पर नियुक्त हुआ था। तब से उसे मासिक 240 रुपए वेतन के तौर पर भुगतान मिल रहा है। याचिकाकर्ता को काम में बदले इतनी अल्प राशि देना उसका शोषण करने के अतिरिक्त कुछ नहीं है। याचिकाकर्ता की ओर से अपने नियमितिकरण के लिए विभाग के समक्ष कई बार अभ्यावेदन पेश किए, लेकिन उन पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। ऐसे में उसे नियमित करने के साथ ही बकाया भुगतान दिलाया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया।

'जयपुर में अवैध मजार-मस्जिदों पर कार्रवाई क्यों नहीं करता प्रशासन?'

सनातन सेना प्रमुख (आरटीआई कार्यकर्ता) अशोक पाठक ने प्रदेश की नौकरशाही पर इस्लामी अतिक्रमण को संरक्षण देने का आरोप लगाया

जयपुर। सनातन सेना के प्रमुख (आरटीआई कार्यकर्ता) अशोक पाठक ने राजधानी जयपुर समेत प्रदेश में तेजी से बढ़ती अवैध मजार-मस्जिदों, बूचड़खानों तथा सड़कों पर नमाज को लेकर आपत्ति जताई है। साथ ही प्रदेश की नौकरशाही पर इस्लामी अतिक्रमण को संरक्षण देने का आरोप लगाया।

अशोक पाठक ने कहा कि मालवीय नगर में नंदपुरी-कैलाशपुरी में सड़क चौड़ी करने के नाम पर हिंदुओं के 200 मकान तोड़े गए, परंतु बीच रास्ते में खड़ी 5 मंजिला अवैध मस्जिद-मदरसे और मजारों को हाथ भी नहीं लगाया गया। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि, क्या नौकरशाहों को अवैध मस्जिद-मदरसे व मजारें नहीं दिखतीं? या फिर यह जानबूझकर किया गया तुष्टिकरण है?

उन्होंने कहा कि इसी तरह महारानी कॉलेज परिसर में अवैध मजारें पिछले एक साल से बनी है, लेकिन कार्रवाई के बजाय लीपापोती हो रही है। जयपुर कलेक्टर ने 6 सदस्यों की कमेटी बनाई, फिर क्या जिहादियों का खौफ इतना है कि शिक्षा के मंदिर में भी मजारें बनने दी जाएंगी? पाठक ने कहा कि, बीजेपी ऑफिस के पास अवैध मजार है, जिससे आम रास्ता बंद है। अगर सत्ताधारी दल

- **पाठक ने कहा कि मालवीय नगर में नंदपुरी-कैलाशपुरी में सड़क चौड़ी करने के नाम पर हिंदुओं के 200 मकान तोड़े गए, परंतु बीच रास्ते में खड़ी 5 मंजिला अवैध मस्जिद-मदरसे और मजारों को हाथ भी नहीं लगाया।**
- **उन्होंने कहा कि महारानी कॉलेज परिसर में अवैध मजारें पिछले एक साल से बनी है, लेकिन कार्रवाई के बजाय लीपापोती हो रही है, जयपुर कलेक्टर ने 6 सदस्यों की कमेटी बनाई, परंतु आज तक कुछ नहीं हुआ।**

के दफ्तर के बगल में यह हाल है तो आम हिंदू की क्या स्थिति होगी? विधानसभा में भी अवैध मजार, नौकरशाही की यह दोगली नीति अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि टोंक फाटक पुलिया के पास पहले एक छोटी 6 सी अवैध मजार थी, आज वहां करोड़ों रुपये की सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर विशाल दरगाह, मजार और अवैध मस्जिद बना दी गई। क्या यह जमीन जिहाद नहीं है? क्या प्रशासन इस अतिक्रमण को नहीं देखता? या फिर वक्फ बोर्ड और मुस्लिम तुष्टिकरण के आगे नौकरशाही घुटने टेक चुकी है? उन्होंने सवाल उठाया है कि, पूरे देश में सड़कों पर नमाज पर प्रतिबंध है, लेकिन राजस्थान में पुलिस-प्रशासन खड़े होकर सड़कों पर नमाज करवा रहा है! यह कैसा धर्मनिरपेक्षता का तमाशा है? पूरे प्रदेश में नगरपालिका, नगर परिषद और नगर निगमों की अनुमति के बिना अवैध बूचड़खाने चल रहे हैं, इन पर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही।

सनातन सेना के पदाधिकारियों ने साफ चेतावनी दी है कि, छोटीकाशी (जयपुर) में जमीन व जनसंख्या जिहाद तथा नौकरशाही का तुष्टिकरण अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री से मांग है कि पूर्व की सरकार के समय से मुस्लिम तुष्टिकरण में डूबे नौकरशाहों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करते हुए इस मामले में तत्काल ठोस कार्रवाई की जाए। अगर 15 दिनों के भीतर इन सभी मुद्दों पर कार्रवाई नहीं हुई तो सनातन सेना सड़कों पर उतरेगी और तीव्र आंदोलन करेगी।

लापता 12वीं की छात्रा का लहूलुहान शव मिला

जयपुर। करधनी इलाके में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। शुक्रवार शाम से लापता 16 वर्षीय नाबालिग छात्रा का शव शनिवार सुबह अपार्टमेंट के पोर्च की छत पर लहूलुहान हालत में मिला। मृतका 12वीं कक्षा में पढ़ती थी। इस घटना के बाद से इलाके में सनसनी फैल गई है। परिजनों ने बच्ची की किडनैपिंग के बाद हत्या किए जाने का गंभीर आरोप लगाया है, वहीं पुलिस मर्डर और सुसाइड दोनों एंगल से मामले की तफ्तीश में जुट गई है।

परिजनों के अनुसार 16 वर्षीय नाबालिग बेटी शुक्रवार शाम करीब साढ़े 7:30 बजे घर से साइकिलिंग करने के लिए निकली थी। जब काफी समय बीत जाने के बाद भी वह वापस नहीं लौटी, तो चिंतित परिजन उसे ढूंढने निकले। रिश्तेदारों और परिचितों के साथ मिलकर आस-पास की कई कॉलोनियों में तलाश की गई, लेकिन उसका कहीं कोई सुराग नहीं लगा। लड़की के रहस्यमयी तरीके से गायब होने पर परिजनों ने रात 10:30 बजे थाने में गुमशुदगी दर्ज करायी। परिजन व रिश्तेदार देर रात 2 बजे तक तलाश में भटकते रहे। शनिवार सुबह स्थानीय अपार्टमेंट के फर्स्ट फ्लोर के पोर्च की छत पर लड़की का लहूलुहान शव पड़ा मिला।

राज्यसभा प्रत्याशी बनने पर सतीश पूनियां के समर्थन-स्वागत में उमड़े हजारों समर्थक

जयपुर। भाजपा राजस्थान से वरिष्ठ नेता और हरियाणा भाजपा प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया को राज्यसभा का उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद कार्यकर्ताओं, समर्थकों और आमजन में खुशी की लहर दौड़ गई है। राजस्थान भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रहे डॉ. पूनिया को राज्यसभा प्रत्याशी बनाए जाने को कार्यकर्ताओं ने उनके लंबे राजनीतिक अनुभव, संगठन के प्रति समर्पण और जनसेवा का सम्मान बताया है। उनके नाम की घोषणा के बाद प्रदेशभर से भाजपा कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाइयां दीं। फोन, सोशल मीडिया और विभिन्न माध्यमों से लगातार शुभकामनाएं भेजी जा रही हैं। राजस्थान और हरियाणा भाजपा के अनेक पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चयन का स्वागत किया। पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी ने भी पूनियां के निवास पर पहुंचकर बधाई दी।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि डॉ. सतीश पूनिया का राज्यसभा के लिए चयन संगठन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और वर्षों की सक्रिय राजनीतिक भूमिका का परिणाम है। संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियों का सफल निर्वहन करने वाले पूनिया को भाजपा के प्रमुख रणनीतिक नेताओं में गिना जाता है। वर्ष 2020 में एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा था कि उनका विश्वास पद या सत्ता के लिए संघर्ष करने में नहीं, बल्कि संगठन के लिए समर्पित होकर कार्य करने में है। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि पार्टी उनके कार्यों का मूल्यांकन कर उचित समय पर सम्मान देगी। राजनीतिक हलकों में उनके राज्यसभा प्रत्याशी बनाए

राजस्थान और हरियाणा भाजपा के हजारों पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने राज्यसभा प्रत्याशी डॉ. सतीश पूनियां का स्वागत किया।

जाने को उसी समर्पण और विश्वास का प्रतिफल माना जा रहा है। राज्यसभा प्रत्याशी घोषित होने के बाद भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सीपी जोशी ने डॉ. पूनिया के निवास पहुंचकर उनसे मुलाकात की और शुभकामनाएं दीं। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच संगठन और समसामयिक राजनीतिक विषयों पर भी चर्चा हुई। भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि डॉ. पूनिया का राज्यसभा पहुंचना राजस्थान की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक मजबूती प्रदान करेगा तथा संगठन को भी नई ऊर्जा मिलेगी।

युवक की संदिग्ध मौत के बाद थाने का घेराव किया

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में सार्वजनिक शौचालय में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। घटना के विरोध में लोगों ने ट्रांसपोर्ट नगर थाने का घेराव कर क्षेत्र में कथित रूप से चल रहे नशे के कारोबार पर रोक लगाने और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

पुलिस के अनुसार दौसा जिले के बनेठा निवासी कुलदीप गुर्जर (28) शुक्रवार को ट्रांसपोर्ट नगर चौराहे स्थित सार्वजनिक शौचालय में गया था। काफी देर तक बाहर नहीं निकलने पर शौचालय कर्मियों ने टैक्सी चालकों की मदद से दरवाजा तोड़ा। अंदर युवक अचेत अवस्था में सीट पर बैठा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस उसे तत्काल एसएमएस अस्पताल लेकर गई, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर शौचालय के भीतर स्मैक और नशे के इंजेक्शन भी पड़े मिले। प्रारंभिक जांच में युवक की मौत नशे के ओवरडोज से होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है तथा मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सार-समाचार

यूईएम कैंपस में 100 पेड़-परिण्डे लगाए

जयपुर। यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम) जयपुर ने अपने हरे-भरे कैंपस में बड़े उत्साह के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर और फिजिकल एजुकेशन के डायरेक्टर प्रो. डॉ. बी. एस. यादव की देखरेख में आयोजित पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में फैकल्टी सदस्यों, स्टाफ और छात्रों सहित 100 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम नेशनल सर्विस स्कीम, उन्नत भारत अभियान, इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल स्टूडेंट चैप्टर और जयपुर के ग्रीन क्लब द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। इस उत्सव की एक मुख्य विशेषता यूनिवर्सिटी कैंपस के विभिन्न स्थानों पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान था। छात्रों, फैकल्टी सदस्यों और स्टाफ सदस्यों ने लगभग 100 पौधे लगाए, जिससे ग्रीन कवर बढ़ाने और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के प्रति यूनिवर्सिटी की प्रतिबद्धता फिर से जाहिर हुई। इसके साथ ही गर्मियों के मौसम में पक्षियों को के चुग्गा-पानी के लिए 50 परिण्डे लगाए गए। वाइस-चांसलर प्रो. डॉ. बिस्वजॉय चटर्जी ने कहा कि शैक्षिणक संस्थान पर्यावरणीय जागरूकता और सस्टेनेबल विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। रजिस्ट्रार और प्रोवोस्ट प्रो. डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा ने कहा कि यूनिवर्सिटी का हरा-भरा कैंपस सस्टेनेबिलिटी और पर्यावरण संरक्षण के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। फ़िज़िकल एजुकेशन के डायरेक्टर प्रो. डॉ. बी. एस. यादव ने प्रतिभागियों से मिले उत्साहपूर्ण रिस्पॉन्स पर खुशी जताई।

अजय के. शर्मा राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त

जयपुर। चाणक्य सेना की कार्यसमिति की स्वीकृति के उपरांत जयपुर निवासी अजय के. शर्मा को 8 जून 2026 से संगठन का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। संगठन ने विश्वास व्यक्त किया है कि उनके नेतृत्व, अनुभव और मार्गदर्शन में चाणक्य सेना अपने मिशन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी। इस अवसर पर संगठन के प्रमुख पदाधिकारियों में पार्थ भारद्वाज, वर्षिका भारद्वाज, मोनिका शर्मा, रोहित शर्मा, अजय के. शर्मा, अमन भारद्वाज, मुकेश चंद शर्मा एवं सेवानिवृत्त जेल अधीक्षक प्रमोद शर्मा शामिल रहे। संगठन ने शर्मा को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

'जेडीए मौका देखे, अवैध निर्माण हटाएं'

जयपुर। जेडीए अपीलीय अधिकरण ने जेडीए प्रशासन को कहा है कि वह विद्याधर नगर स्थित शंकर नगर योजना का मौका देखे और अवैध निर्माण मिलने पर उसे हटाने की कार्रवाई आरंभ करे। इसके साथ ही अधिकरण ने आदेश की कॉपी जेडीए के मुख्य प्रवर्तन अधिकारी को भेजी है। अधिकरण ने यह आदेश रुकमणी देवी माहेश्वरी के रेफरेंस प्रार्थना पत्र पर दिए। मामले से जुडे अधिवक्ता विकास सोमानी ने बताया की विद्याधर नगर की शंकर विहार योजना के भूखंड संख्या 92 पर निर्माण किया जा रहा है। इस दौरान मौके पर अवैध निर्माण कर लिया गया है और सेटबैक भी नहीं छोडा गया। इसके अलावा भवन निर्माण की स्वीकृति लिए बिना बहुमंजिला निर्माण किया जा रहा है। ऐसे में अवैध निर्माण को हटाकर उसमे खर्च होने वाली राशि की वसूली निर्माणकर्ता से वसूली जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अधिकरण ने जेडीए को मौका देकर अवैध निर्माण मिलने पर कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

सरकार का इकबाल कायम नहीं : जूली

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश में कानून-व्यवस्था चरमराने और प्रशासनिक उदासीनता का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राजस्थान के इतिहास में यह ऐसी पहली लाचार सरकार है, जिसका ढाई साल बीत जाने के बाद भी कोई इक़बाल कायम नहीं हो पाया है। जूली ने कहा दिल्ली दरबार द्वारा राज्य पर थोपे गए पीएम मोदी के एक्सपेरिमेंट (प्रयोग) की भारी कीमत आज राजस्थान की जनता, पूजनीय साधु-संत और खुद भाजपा के कार्यकर्ता अपनी जान देकर चुका रहे हैं। जूली ने कहा कि आज प्रदेश में हालात ऐसे हो चुके हैं कि किसी को पता ही नहीं चल रहा कि सरकार कहाँ है और क्या चल रहा है? जब संत की हत्या पर मुख्यमंत्री मौन साधे हुए हो और सरकार के अपने कैबिनेट मंत्री व उपमुख्यमंत्री, अफसरों के आगे बेबस हों, तो यह साफ है कि प्रदेश में व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं बची है। आज प्रदेश का हर व्यक्ति पूछ रहा है कि ऐसी पंगु सरकार को कब तक सहेगा राजस्थान ? जूली ने कहा कि बोरखेड़ा, कोटा में चंद्रेसल गांव के सुप्रसिद्ध धार्मिक मठ के महंत देवानंद महाराज की निर्मम हत्या का समाचार अत्यंत दु:खद है। यह केवल एक संत की हत्या नहीं, बल्कि हमारी धार्मिक आस्थाओं पर हमला है। धार्मिक आस्थाओं के नाम पर राजनीति कर सत्ता में आने वाली भाजपा सरकार के शासन में एक प्रसिद्ध धार्मिक मठ के महंत की दिनदहाड़े हत्या हो जाती है और सरकार एक शब्द तक नहीं बोलती।

दोहरे हत्याकांड में माता-पिता चश्मदीद गवाह साबित नहीं, आरोपी की उम्रकैद रद्द

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने करीब 14 साल पहले नाहरगढ़ इलाके में घर में हुए दोहरे हत्याकांड के मामले में माता-पिता को चश्मदीद गवाह साबित नहीं होने और अपराध प्रमाणित नहीं होने पर आरोपी को दोषमुक्त कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने आरोपी को निचली अदालत की ओर से 15 दिसंबर, 2017 को सुनाई उम्रकैद की सजा को रद्द कर दिया है। जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश विजय सिंह की आपराधिक अपील पर दिए।

खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि मृतकों की मां ने बयान में कहा कि जब वह घर पहुंची तो मकान का दरवाजा खुला हुआ था, वहां खून मौजूद था। उस समय और लोग वहां थे और किसी ने भागते आदमी को नहीं पकड़ा, इसलिए उसका चश्मदीद साक्षी ना होकर घटना होने के बाद पहुंचना साबित है।

पिता ने भी गवाही में घर पहुंचने पर बच्चों को पुलिस की ओर से अस्पताल ले जाना कहा है। ऐसे में अभियोजन पक्ष के साक्ष्यों में न केवल विरोधाभास है, वहीं सभी

- **राजस्थान हाईकोर्ट ने 14 साल पहले नाहरगढ़ क्षेत्र में घर में हुए दोहरे हत्याकांड के मामले में फैसला सुनाया**

कडियां भी आपस में मिली हुई नहीं हैं। ऐसे में अभियोजन पक्ष आरोपी के खिलाफ हत्या का अपराध साबित करने में विफल रहा है।

गौरतलब है कि 14 अगस्त 2012 को परिवादी मंजीत सिंह ने नाहरगढ़ पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा था कि दोपहर ढाई बजे घर पर खाना खाने आया था। उसकी पत्नी घर के बाहर कोने में बैठी थी। इस दौरान वे दोनों दरवाजे के अंदर गए तो आरोपी विजय सिंह उसके बेटे के सीने पर चाकू मार रहा था और उसकी बेटी बचाने आई तो उसे भी चाकू मारा। उन्हें देखकर आरोपी वहां से भाग गया। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया।

फर्जी साइबर क्राइम अधिकारी बनकर ई-मित्र संचालकों से रिश्वत मांगी

जयपुर। कालवाड़ क्षेत्र में खुद को साइबर क्राइम शाखा का अधिकारी बताकर दो ई-मित्र संचालकों से रिश्वत मांगने का मामला सामने आया है। आरोपी ने साइबर अपराधियों की सूची में नाम होने का डर दिखाकर रुपए की मांग की और रकम नहीं देने पर जेल भेजने की धमकी दी। जांच अधिकारी एएसआई फुलाराम ने बताया कि दौसा जिले के बसवा निवासी राहुल योगी (22) ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। राहुल, कालवाड़ क्षेत्र में ई-मित्र राजस्थान ग्रामीण कियोस्क संचालित करता है। उसके परिचित राकेश की भी पास में ई-मित्र कियोस्क है। रिपोर्ट के अनुसार 22 मई से प्रवीण नामक व्यक्ति ई-मित्र केंद्र पर आने-जाने लगा था। उसने स्वयं को साइबर क्राइम ब्रांच जयपुर का अधिकारी

बताया और विश्वास दिलाने के लिए कथित पुलिस पहचान पत्र भी दिखाया। नियमित रूप से आने-जाने के कारण उसकी दोनों संचालकों से पहचान हो गई। बुधवार शाम करीब 5.30 बजे आरोपी ई-मित्र केंद्र पर पहुंचा और राहुल से राकेश को भी बुलाने के लिए कहा। दोनों के एकत्र होने पर उसने कथित साइबर रिपोर्ट की एक सूची दिखाई और दावा किया कि उसमें दोनों के नाम दर्ज हैं। आरोपी ने कहा कि यदि वे सूची से अपना नाम हटवाना चाहते हैं तो उन्हें रुपए देने होंगे। आरोप है कि आरोपी ने राहुल से 18 हजार रुपए और राकेश से 60 हजार रुपए की मांग की।

साथ ही धमकी दी कि यदि रकम नहीं दी गई तो दोनों को जेल भिजवा दिया जाएगा। शक होने पर दोनों ने जानकारी जुटाई, जिससे पता चला कि आरोपी कथित अधिकारी नहीं है। इसके बाद राहुल और राकेश ने कालवाड़ थाने पहुंचकर शुक्रवार को मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

संगठन महामंत्री अजेय कुमार ने संभाली राजस्थान भाजपा की कमान

मोतीडूंगरी गणेशजी के दर्शनों के बाद पहुंचे पार्टी मुख्यालय, नेताओं व पदाधिकारियों ने किया गर्मजोशी से स्वागत

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के नव नियुक्त प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार ने शनिवार को औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण कर लिया। प्रदेश भाजपा कार्यालय के कमरा नंबर-6 से अब वे संगठनात्मक गतिविधियों का संचालन करेंगे। यही कमरा पूर्व संगठन महामंत्री चंद्रशेखर का भी कार्यालय रहा है। जयपुर पहुंचने के बाद अजेय कुमार सबसे पहले मोती डूंगरी गणेश मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान गणेश के दर्शन कर नई जिम्मेदारी की शुरुआत की। इसके बाद प्रदेश भाजपा कार्यालय पहुंचने पर महिला मोर्चा और पार्टी कार्यकर्ताओं ने पारंपरिक राजस्थानी रीति-रिवाजों से उनका स्वागत किया।

कार्यभार संभालने के बाद अजेय कुमार ने प्रदेश पदाधिकारियों के साथ बैठक कर संगठन की वर्तमान गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने

भाजपा संगठन महामंत्री अजेय कुमार के पार्टी मुख्यालय पहुंचने पर प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, सांसद घनश्याम तिवाड़ी और भाजपा नेता व कार्यकर्ताओं ने स्वागत-सत्कार किया।

संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण, सदस्यता अभियान और आगामी चुनावी तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में आगामी राजनीतिक

- **राजस्थान में भाजपा सरकार बनने के बाद यह पहला अवसर होगा, जब पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव नए संगठन महामंत्री के नेतृत्व में लड़े जाएंगे। राजनीतिक विश्लेषकों की नजर में ये चुनाव वर्ष 2028 के विधानसभा चुनावों का सेमीफाइनल माने जा रहे हैं।**

और संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा हुई।

राजस्थान में भाजपा सरकार बनने के बाद यह पहला अवसर होगा, जब पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव नए संगठन महामंत्री के नेतृत्व में लड़े जाएंगे। राजनीतिक विश्लेषकों की नजर में ये चुनाव वर्ष 2028 के विधानसभा चुनावों का सेमीफाइनल माने जा रहे हैं। ऐसे में स्थानीय चुनावों के परिणाम प्रदेश में भाजपा सरकार और संगठन के प्रति जनता के विश्वास का भी महत्वपूर्ण संकेत देंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार अपने कार्यकाल के ढाई वर्ष पूरे करने की ओर बढ़ने रही है। ऐसे में सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना अजेय कुमार की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में शामिल माना जा रहा है।

भाजपा का मानना है कि सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने के लिए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत और सक्रिय बनाना जरूरी है। अजेय कुमार को भाजपा में बूथ प्रबंधन, कार्यकर्ता संवाद और चुनावी माइक्रो मैनेजमेंट का विशेषज्ञ माना जाता है। उत्तराखंड में संगठन को मजबूत बनाने और चुनावी सफलता दिलाने में उनकी भूमिका को काफी अहम माना गया था। राजस्थान में भी उनसे संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने, सदस्यता अभियान को गति देने और केंद्र तथा राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने की अपेक्षा की जा रही है। राजस्थान की राजनीति में लंबे समय से हर 5 साल में सत्ता परिवर्तन का ट्रेंड रहा है। भाजपा इस परंपरा को तोड़ते हुए वर्ष 2028 में लगातार दूसरी बार सरकार बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। इसी रणनीति के तहत पंचायत और निकाय चुनावों को संगठनात्मक मजबूती की पहली कसौटी माना जा रहा है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि यदि स्थानीय चुनावों में बेहतर प्रदर्शन होता है तो इससे विधानसभा चुनावों के लिए सकारात्मक राजनीतिक माहौल तैयार होगा।

मुख्यमंत्री की रात्रि चौपाल में घोषणा, गाँव वालों को सुबह आदेश मिले

खारी का लाम्बा में प्रातः भ्रमण में 107 वर्षीय कुमकुम देवी ने मुख्यमंत्री को आशीर्वाद दिया

भीलवाड़ा/जयपुर, 6 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भीलवाड़ा के खारी का लाम्बा गांव में रात्रि विश्राम के बाद शनिवार को प्रातः भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने गांव के बुजुर्गों, जिनमें विशेषकर 107 वर्ष की कुमकुम देवी और 102 वर्ष के ओंकार तेली शामिल थे, से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य, दिनचर्या एवं जीवन के अनुभवों की जानकारी ली।

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रातः खारी के रघुनाथ मंदिर और हनुमान मंदिर के दर्शन किए। उन्होंने फूल सागर तालाब किनारे युवाओं के साथ योगाभ्यास में भाग लिया और शीशम के पेड़ का पौधारोपण किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भीलवाड़ा के खारी का लाम्बा गांव में रात्रि विश्राम के बाद शनिवार सुबह भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने घर-घर जाकर ग्रामीणों से हालचाल जाने।

मुख्यमंत्री का अपनापन देखकर बुजुर्गों ने भी उनके सिर पर हाथ फेरकर आशीर्वाद प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने भ्रमण के दौरान घर-घर जाकर ग्रामीणों से हालचाल जाने। साथ ही, बच्चों को दुलार करते हुए, उन्हें चॉकलेट वितरित कीं। उन्होंने गांव के रघुनाथ मंदिर और हनुमान मंदिर में दर्शन भी किए। वहीं, फूलसागर तालाब किनारे योग कर रहे युवाओं के साथ योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों के साथ चाय पर चर्चा करते हुए गांव की आवश्यकताओं और विकास कार्यों पर विस्तार से बातचीत की।

उल्लेखनीय है कि खारी का लाम्बा गांव में शुक्रवार रात आयोजित ग्राम विकास चौपाल में मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं पर त्वरित कार्रवाई करते हुए नए कृषि पर्यवेक्षक मुख्यालय की स्थापना, कृषि पर्यवेक्षक पद के सृजन तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अतिरिक्त संकाय विज्ञान (जीव विज्ञान) एवं कृषि विज्ञान प्रारंभ करने के आदेश शनिवार सुबह ग्रामीणों को मिल गये। घोषणाओं के शीघ्र क्रियान्वयन पर ग्रामीणों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

प्रातः भ्रमण और जनसंवाद में उप-मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा, विधायक जब्बर सिंह सांखला, लाला राम बैरवा, अन्य जनप्रतिनिधिगण सहित, बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष व सचिव ने पार्टी छोड़ी

चेन्नई, 06 जून। तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को शनिवार को उस समय झटका लगा, जब पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष करु नागराजन और प्रदेश सचिव सुमति वेंकटेश ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। दोनों नेताओं के इस्तीफे ऐसे समय सामने आए हैं, जब हाल ही में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई के पार्टी छोड़ने के बाद राज्य इकाई में राजनीतिक हलचल तेज बनी हुई है। प्रदेश सचिव सुमति वेंकटेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने इस्तीफे की जानकारी साझा करते हुए कहा कि उन्होंने भारी मन से तमिलनाडु भाजपा के प्रदेश सचिव पद से इस्तीफा देने और पार्टी से अपने संबंध समाप्त करने का निर्णय लिया है। उन्होंने अपने संदेश में लिखा कि यह फैसला उन्होंने काफी सोच-विचार के बाद लिया है और उन्हें अपने निर्णय पर कोई पछतावा नहीं है।

■ पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई के बाद इन दो इस्तीफों ने राजनीतिक हलचल बढ़ा दी।

पं. बंगाल पर मेहरबान हुई केन्द्र सरकार

एक लाख करोड़ की सौगात देने की घोषणा की

कोलकाता, 06 जून। पश्चिम बंगाल में रेल बुनियादी ढ ांचे को नई गति देने के उद्देश्य से केन्द्र और राज्य सरकार ने लगभग एक लाख करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी रेल परियोजनाओं की घोषणा की है। इन योजनाओं में दिल्ली-सिलीगुड़ी बुलेट ट्रेन कॉरिडोर, 102 अमृत भारत स्टेशन, 61 नई रेल परियोजनाएं, 538 फ्लाईओवर और अंडरपास तथा कोलकाता मेट्रो के बड़े विस्तार जैसे कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव शामिल हैं।

इन परियोजनाओं की घोषणा शनिवार को नबान्न (राज्य सचिवालय) में केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी की उपस्थिति में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक के बाद की गई। बैठक में रेलवे और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया। इसे राज्य में रेल विकास के लिए केन्द्र और राज्य के बीच नए सहयोगात्मक दौर की शुरुआत माना जा रहा है।

बैठक के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रस्तावित बुलेट ट्रेन कॉरिडोर दिल्ली को वाराणसी, पटना और सिलीगुड़ी से जोड़ेगा। परियोजना के पूरा होने पर उत्तर बंगाल और राष्ट्रीय राजधानी के बीच यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी और यह लगभग छह घंटे तक सीमित हो सकता है। इससे क्षेत्रीय संपर्क, व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ ावा मिलेगा।

■ दिल्ली- सिलीगुड़ी बुलेट ट्रेन सहित 61 नई रेल परियोजनाओं की घोषणा की।

उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत, पश्चिम बंगाल के 102 रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जाएगा। इनमें से 10 स्टेशनों पर कार्य पूरा हो चुका है, जबकि शेष स्टेशनों पर तेजी से काम किया जा रहा है। इसके अलावा राज्यभर में 538 फ्लाईओवर और अंडरपास का निर्माण किया जाएगा, जिससे रेलवे क्रॉसिंग पर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बेहतर होगी।

रेल मंत्रालय ने 61 नई रेल परियोजनाओं को भी मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं के माध्यम से करीमपुर, जालंगी, लालगढ़ , गोपीबल्लभपुर, नयाग्राम, हीली, सागर द्वीप और सुंदरबन जैसे क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने की योजना है, जो लंबे समय से बेहतर रेल संपर्क की मांग कर रहे हैं।

कोलकाता मेट्रो नेटवर्क के विस्तार को भी इस पैकेज में प्रमुखता दी गई है। अगले पांच वर्षों में मेट्रो के लिए 60 नई पीढ़ ी की ट्रेनों को शामिल किया जाएगा, जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं और अधिक क्षमता उपलब्ध होगी।

साथ ही डानकुनी से सूरत तक प्रस्तावित ईस्ट-वेस्ट डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर भी चर्चा हुई, जिसे औद्योगिक विकास और माल परिवहन के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

खान सर ने अग्रिम जमानत के लिए पटना सिविल कोर्ट में याचिका दर्ज की

आशंका है कि कोचिंग सेंटर पर गोलीबारी के केस में खान सर व उनके अंगरक्षकों को गिरफ्तार किया जा सकता है

पटना, 06 जून। चर्चित शिक्षक और यूट्यूबर खान सर ने अपने खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले में संभावित गिरफ्तारी की आशंका को देखते हुए शनिवार को पटना सिविल कोर्ट में अग्रिम जमानत (एंटीसिपेटरी बेल) के लिए याचिका दाखिल की। उनके साथ उनके दोनों निजी सुरक्षा कर्मियों (बॉडीगार्ड) ने भी अदालत से राहत की मांग की है। यह याचिका एडीजे अनुराग वर्मा की अदालत में दायर की गई है।

खान सर के न्यायालय पहुंचने की सूचना मिलते ही कोर्ट परिसर में हलचल बढ़ गई। बड़ी संख्या में उनके समर्थक, छात्र और मीडिया प्रतिनिधि वहां पहुंच गए। देशभर में अपनी लोकप्रियता के कारण खान सर से जुड़ा यह मामला पहले से ही चर्चा में था, ऐसे में अदालत परिसर में भी लोगों की विशेष रुचि देखने को मिली।

■ खान सर जब अदालत पहुंचे तो भारी तादाद में उनके समर्थक, विद्यार्थी और मीडिया प्रतिनिधी भी कोर्ट पहुंचे।

खान सर और उनके दोनों बॉडीगार्ड के खिलाफ दर्ज मामले की जांच कदमकुआं थाना पुलिस कर रही है। लिहाजा, गिरफ्तारी की आशंका को देखते हुए उन्होंने अदालत से कानूनी संरक्षण की मांग की है। याचिका में कहा गया है कि वे जांच एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करने के लिए तैयार हैं और उन्हें आशंका है कि बिना पर्याप्त आधार के उनकी गिरफ्तारी की जा सकती है।

बचाव पक्ष ने अदालत के समक्ष दलील दी है कि जांच प्रक्रिया जारी रहने के दौरान खान सर को गिरफ्तारी से संरक्षण दिया जाना चाहिए, ताकि वे जांच में सहयोग करते हुए अपने शैक्षिणक और पेशेवर दायित्वों का निर्वहन कर सकें।

दूसरी ओर, अभियोजन पक्ष भी मामले से जुड़े तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों को अदालत के समक्ष रखने की तैयारी में जुटा हुआ है। हालांकि पुलिस की ओर से अभी तक इस मामले पर कोई विस्तृत आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। मामले को लेकर कानूनी और सामाजिक दोनों स्तरों पर चर्चा तेज हो गई है।

मामले की पृष्ठभूमि पर नजर डालें तो खान सर के खिलाफ पटना के कदमकुआं थाना में हत्या की कोशिश और शस्त्र अधिनियम (आर्म्स एक्ट) से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह मामला उनके सुरक्षा गार्डों के कथित बयान के आधार पर दर्ज किया गया है। गार्डों ने पुलिस को दिए गए अपने बयान में आरोप लगाया है कि उन्हें खान सर की ओर से गोली चलाने के लिए कहा गया था और यह आश्वासन दिया गया था कि बाद की स्थिति को संभाल लिया जाएगा।

इन्हीं आरोपों के आधार पर पुलिस ने खान सर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109 सहित अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। हालांकि इन आरोपों को लेकर खान सर या उनके अधिवक्ताओं की ओर से अब तक कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ऐसे में मामले के सभी पहलुओं की जांच जारी है और अंतिम निष्कर्ष न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही सामने आएगा।

अन्नाद्रमुक में अब ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार के गठन के बाद से इसे अन्नाद्रमुक में अब तक की सबसे बड़ी बगावत माना जा रहा है। हालिया विधानसभा चुनावों में मिली हार के बाद से ही अन्नाद्रमुक के भीतर असंतोष की चिंगारी सुलग रही थी। पार्टी के भीतर तब गहरा संकट खड़ा हो गया था जब 25 विधायकों ने व्हिप का उल्लंघन करते हुए विधानसभा में मुख्यमंत्री जोसेफ विजय के विश्वास प्रस्ताव का समर्थन किया था। टीवीके में शामिल हुए पूर्व मंत्री उदुमलाई के. राधाकृष्णन, एम.सी. संपत, कदंबूर सी. राजू और एन.आर. शिवपति ने साफ किया कि विपक्ष में रहते हुए वे जनता की सेवा ठीक से नहीं कर पा रहे थे। दमघोंटू माहौल और पार्टी दिशाहीनता के कारण आखिरकार उन्हें यह कड़ा फैसला लेना पड़ा।

ग्रैंडमास्टर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खिलाफ दूसरी जीत और अंतिम से पहले दौर में मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश पर महत्वपूर्ण जीत शामिल रही। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ प्रज्ञानानंद ने न केवल नॉर्वे शतरंज के पहले भारतीय विजेता बनने का रिकॉर्ड बनाया, बल्कि 1 लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि भी जीती।

दिल्ली में न्यू ईयर पार्टी में फायरिंग, विधायक दोषी

नई दिल्ली, 06 जून। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 31 दिसंबर 2018 को नव वर्ष की पूर्व संध्या पर की गयी हर्ष फायरिंग में एक महिला की मौत के मामले में बिहार के भारतीय जनता पार्टी के विधायक राजू सिंह को दोषी करार दिया है। ?

स्पेशल जज विशाल गोगने ने इस मामले में राजू सिंह की पत्नी रेणु सिंह, राणा राजेश सिंह और रमेंद्र सिंह को सभी आरोपों से बरी कर दिया है। कोर्ट ने राजू सिंह की सजा पर 9 जून को विचार करने का आदेश दिया।

नव वर्ष की पूर्व संध्या पर 31 दिसंबर 2018 को दिल्ली स्थित अंबेडकर कॉलोनी मंडी गांव के रोज फार्म में हर्ष फायरिंग के दौरान महिला अर्चना गुप्ता की मौत हो गई थी। शिकायतकर्ता विकास गुप्ता के मुताबिक उनकी पत्नी ने राजू सिंह को गले लगाया, जिसके बाद वो उसके साथ डांस करने के लिए डीजे के पास चला गया। इस दौरान उसने देखा कि राजू सिंह, सुरक्षा गार्ड और कुछ दूसरे लोग अपने-अपने हथियारों से हवा में फायर कर रहे थे। पांच मिनट के बाद उसने देखा कि राजू सिंह दोबारा हवा में फायर कर रहा था।

चुनाव प्रचार के मुद्दों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चाहते हुए भी उस पर केरल में भाजपा के साथ सांठगांठ का आरोप लगाना उचि नही है। उन्होंने कहा, "ऐसे आरोपों को हल्के में नही लिया जा सकता।"

बेबी ने चेतावनी दी कि यह मुद्दा विपक्षी एकता पर असर डाल सकता है और कांग्रेस नेतृत्व को 8 जून की मीटिंग से पहले इन "विवादित कदमों पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने कहा, "अगर इस मुद्दे पर स्थिति साफ नही की जाती, तो इंडिया ब्लॉक का मूल उद्देश्य ही सवालों के घेरे में होगा।"

साथ ही, सीपीएम ने विपक्षी समन्वय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। बेबी ने कहा, सीपीएम, इंडिया ब्लॉक के साथ मिलकर मोदी सरकार की तानाशाही, साम्प्रदायिक और जनविरोधी नीतियों का विरोध करती रहेगी।

34 साल पहले ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खर्च पर उचित संख्या में सुरक्षाकर्मी भी तैनात किए जाए। पीठासीन अधिकारी दिनेश कुमार गुप्ता ने यह आदेश प्रार्थी जगदीश के मामले में दिए।

अदालत ने अपने आदेश में कहा की प्रार्थी को, अदालत के अवार्ड जारी करने के बावजूद, न तो उसे ड्यूटी पर वापस लिया और ना ही एक रुपए का भुगतान किया गया, जबकि 34 साल का पहाड़ जैसा लंबा समय बीत चुका है।

इस दौरान उसके परिवार ने कितनी आर्थिक तंगी भोगी, इसका सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है। गौरतलब है कि जगदीश को 1 मार्च 1992 को होटल मैनेजमेंट ने नौकरी से हटा दिया था। इसे चुनौती देने पर 19 अक्टूबर 2015 को लेबर कोर्ट ने कर्मचारी को हटाने की कार्रवाई गलत बताते हुए, उसे वापस रखने और पिछले बकाया वेतन भत्ते सहित सभी लाभ देने के आदेश दिए थे।

'नीट -यूजी पुनर्परीक्षा के पेपर लीक दावे निराधार'

एनटीए ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की

नई दिल्ली, 06 जून। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शनिवार को सोशल मीडिया और विभिन्न मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर प्रसारित उन दावों को पूरी तरह फर्जी और भ्रामक बताया है, जिनमें नीट (यूजी) 2026 पुनर्परीक्षा के प्रश्नपत्र के लीक होने, पहले से उपलब्ध होने या बिक्री किए जाने की बात कही जा रही है।

एनटीए ने एक बयान में कहा कि इस प्रकार की अफवाहें संगठित नकल एवं ठगी गिरोहों द्वारा फैलाई जा रही हैं, जिनका उद्देश्य छात्रों और उनके अभिभावकों की चिंता का फायदा उठाकर उनसे पैसे ऐंठना है। एजेंसी ने स्पष्ट किया कि प्रश्नपत्र लीक या बिक्री से जुड़े सभी दावे पूरी तरह मनगढ़ ंत हैं।

एनटीए के अनुसार, परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्षता और सुरक्षा पूरी तरह बरकरार है तथा परीक्षा को सुरक्षित और पारदर्शी ढ ंग से आयोजित करने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं।

■ एनटीए ने कहा संगठित नकल एवं ठगी गिरोह ये अफवाह फैला रहे हैं और परेशान अभिभावकों से पैसे लूटना चाहते हैं।

एजेंसी ने बताया कि ऐसे भ्रामक संदेश फैलाने वाले चैनलों, सोशल मीडिया खातों और सामग्री की पहचान कर उन्हें संबंधित प्लेटफॉर्म तथा साइबर अपराध एजेंसियों को रिपोर्ट किया जा रहा है, ताकि तत्काल कार्रवाई की जा सके।

एनटीए ने यह भी कहा कि इस मामले में कानून-प्रवर्तन और साइबर अपराध अधिकारियों के पास औपचारिक शिकायत दर्ज कराई जा रही है। फर्जी सामग्री तैयार करना, प्रसारित करना या उसे आगे बढ़ ाना तथा छात्रों को ठगने का प्रयास करना गंभीर दंडनीय अपराध है, जिसके लिए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एजेंसी ने अभ्यर्थियों और अभिभावकों से अपील की है कि वे ऐसे किसी भी संदेश पर विश्वास न करें, किसी को पैसे न दें और न ही ऐसी सामग्री को आगे साझा करें।

एनटीए ने कहा कि नीट (यूजी) 2026 से जुड़ी सभी आधिकारिक जानकारियों के लिए केवल एजेंसी की आधिकारिक वेबसाइट और सत्यापित माध्यमों पर ही भरोसा किया जाना चाहिए। किसी भी महत्वपूर्ण सूचना की घोषणा केवल आधिकारिक चैनलों के माध्यम से ही की जाएगी।

पंजाब में ओवरलोडेड वैन की ट्रॉले से टक्कर, 9 की मौत

चंडीगढ़ , 06 जून। पंजाब के फिरोजपुर में शनिवार सुबह ओवरलोडेड पिकअप वैन और ट्राले की भीषण टक्कर में नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 लोग घायल हुए हैं। मृतक और घायल आपस में रिश्तेदार थे और अस्थि विसर्जन के लिए डेरा ब्यास जा रहे थे।पुलिस के अनुसार, पिकअप में करीब 29 लोग सवार थे। गाड़ी की छत और फर्श के बीच में एक विभाजन कर लोगों को बैठाया गया था। इसके अलावा गाड़ी के पीछे लकड़ी के फट्टे लगाकर जगह बढ़ ाई गई थी और एक सीढ़ ी लगा दी गई थी।

■ पिकअप में आपस में रिश्तेदार 29 लोग अस्थि विसर्जन के लिये डेरा ब्यास जा रहे थे।

पंजाब में कैप्टन अमरिंदर नाराज़ भाजपा छोड़ने की संभावना

नई दिल्ली, 06 जून। शिरोमणि अकाली दल के भीतर मचे घमासान और भारतीय जनता पार्टी को छोड़ने की अटकलों के बीच, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और पटियाला के महाराजा कैप्टन अमरिंदर सिंह ने शनिवार को केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा से भी भेंट की।

मुलाकात के बाद कैप्टन अमरिंदर सिंह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह के साथ पंजाब के हितों और राज्य से संबंधित कई अहम विषयों पर विचार-विमर्श किया।

पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा के साथ अपनी मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए एक्स पर लिखा कि आज नई दिल्ली में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा जी से मुलाकात की और पंजाब से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

■ इन अटकलों के बीच दिल्ली में कैप्टन अमरिंदर ने केन्द्रीय गृहमंत्री अमितशाह से मुलाकात की।

उल्लेखनीय है कि पंजाब भाजपा में नए प्रदेश अध्यक्ष के रूप में सरदार केवल सिंह ढि ल्लों की नियुक्ति को लेकर कैप्टन अमरिंदर नाराज चल रहे हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह हाल के दिनों में कई बार सार्वजनिक तौर पर पार्टी में अपनी बात नहीं सुने जाने का मुद्दा उठा चुके हैं।

वे कई मंचों पर पार्टी के साथ नाराजगी जता चुके हैं। इस नाराजगी की जानकारी हाल ही में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के उस बयान ने दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि कैप्टन अमरिंदर सिंह उनके संपर्क में हैं और दोनों पुराने मित्र हैं। इसके बाद कैप्टन की कांग्रेस में वापसी को लेकर भी चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया था।

भारत ने विदेशी पूँजी को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकारी बॉन्ड से मिलने वाले ब्याज पर 20 प्रतिशत का विद होल्डिंग टैक्स (यानी सोर्स पर काटा जाने वाला टैक्स) देना पड़ता था। यदि सिक्यूरिटीज़ एक वर्ष से अधिक समय तक रखी जाती थीं तो उन पर 12.5 प्रतिशत लाँग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स देना पड़ता था, जबकि बारह महीने के भीतर बेचने पर 20 प्रतिशत का शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स देना पड़ता था। अध्यादेश ने इन सभी कर देनदारियों को समाप्त कर दिया है, जिससे विदेशी निवेशक भारतीय सरकारी प्रतिभूतियों (इण्डियन गवरमैंट सिक्यूरिटीज़) में अपने निवेश से मिलने वाला पूरा रिटर्न अपने पास रख सकेंगे।

सरकार ने इन टैक्स छूटों के साथ-साथ, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए निवेश नियमों को भी उदार बनाया है।

इसने शॉर्ट टर्म निवेश की सीमा, कंसंट्रेशन लिमिट और सिक्यूरिटी वाइज़ निवेश कैप को हटा दिया है, जो पहले सरकारी सिक्यूरिटीज़ में विदेशी भागीदारी को नियंत्रित करते थे। हालांकि कुल निवेश सीमा यथावत रखी गई है, जो केन्द्र सरकार की बकाया प्रतिभूतियों के 6 प्रतिशत और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के 2 प्रतिशत तक ही रहेगी।

सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है। भारतीय सरकारी बॉन्ड को अधिक आकर्षक बनाकर वह विदेशी पूंजी के बड़े और स्थिर स्रोतों को आकर्षित करना चाहती है, विशेष रूप से पेंशन फंड, बीमा कंपनियों और सॉवरेन वैल्थ फंड को, जो आमतौर पर लंबे समय के लिए निवेश करते हैं और अचानक धन निकालने की संभावना कम रखते हैं। नीति-निर्माताओं का मानना है कि विदेशी भागीदारी बढ़ने से भारत का बॉन्ड बाजार गहरा होगा, लिक्विडिटी बेहतर होगी तथा एक स्मूद और भरोसेमंद यील्ड कर्व बनाने में मदद मिलेगी। यह यील्ड कर्व पूरी इकॉनमी में लोन और फायनैंशियल एसैट्स की कीमत तय करने के लिए एक बैंच मार्क का काम करता है।

इस कदम का समय भी बहुत महत्वपूर्ण है। चालू खाते के घाटे पर बढ़ते दबाव और वैश्विक वित्तीय परिस्थितियों में बनी अनिश्चितता के बीच, भारत पूंजी प्रवाह को मजबूत करने के उपाय तलाश रहा है। सरकारी प्रतिभूतियों में अधिक विदेशी निवेश रुपये को समर्थन दे सकता है, बाहरी फायनैंसिंग का एक स्थिर स्रोत उपलब्ध करा सकता है और संभवतः सरकार की उधारी लागत को भी कम कर सकता है।

इस प्रकार यह अध्यादेश केवल टैक्स में बदलाव से कहीं ज्यादा है। यह भारत को वैश्विक ऋण पूंजी के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनाने का रणनीतिक प्रयास है।

ब्याज से होने वाली कमाई और कैपिटल गेन्स पर टैक्स हटाकर, और कई रैगुलेटरी बाधआओं को दूर करके, सरकार असल में इंटरनैशनल इन्वैस्टर्स को यह संदेश दे रही है कि भारतीय सरकारी बॉण्ड अब उभरते बाज़ारों में सबसे आकर्षक निवेश अवसर हैं।

बिहार में लाल ू यादव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को किस प्रकार परेशान किया जा रहा है। बिहार की जनता प्रतिशोध की भावना से उठाए गए हर कदम का करारा जवाब देगी।"

आरजेडी प्रवक्ता शक्ति यादव ने कहा कि पार्टी के और भी नेता अपने सुरक्षा कवर वापस कर सकते हैं।

लालू यादव के बड़े पुत्र तेज प्रताप यादव को दी गई वाई-श्रेणी की सुरक्षा भी वापस ले ली गई है।

इस घटनाक्रम से कुछ दिन पहले, अधिकारियों ने 1997 से 2005 तक प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं राबड़ी देवी को 10, सर्कुलर रोड स्थित सरकारी बंगला खाली करने का निर्देश दिया था।

भवन निर्माण विभाग ने 27 मई के आदेश के माध्यम से लोक भवन और मुख्यमंत्री आवास के निकट स्थित इस बंगले को डेयरी एवं मत्स्य मंत्री नंद किशोर राम को आवंटित कर दिया था।

आदेश जारी होने के समय अवकाश पर गई हुई राबड़ी देवी ने बंगला खाली करने से इनकार कर दिया है।

दिल्ली से लौटने के बाद पटना हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बनने को लेकर काफी उत्साहित हैं। उनकी सरकार चाहे तो मुझे बलपूर्वक बेदखल कर दे। मैं यह घर खाली करने वाली नहीं हूँ।"

मोदी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें भारत के आर्थिक परिवर्तन और दीर्घकालिक विकास की प्राथमिकताओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने कहा कि बैठक में सुधारों की प्रक्रिया को और गति देने तथा 'ईज ऑफ लिविंग' और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' सुनिश्चित करने के संबंध में भी विचार साझा किए गए।

बैंगलोर के सोने के व्यापारी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कंपनी के शेयरों में निवेश किया। विशेष रूप से छोटे निवेशकों ने अपनी मेहनत की कमाई इस कंपनी के शेयरों में लगा दी।

इतना ही नहीं, लाइफ इंश्योरैंस कॉर्पोरेशन (एलआईसी) जैसे बड़े और अनुभवी संस्थागत निवेशक भी इसका शिकार बन गए। कंपनी की लगातार बढ़ती हुई और आकर्षक दिखने वाली बैलेंस शीट से प्रभावित होकर एलआईसी ने इसके शेयरों में निवेश शुरू किया। समय के साथ, राजेश एक्सपोर्ट्स में एलआईसी की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत की सीमा से भी ऊपर पहुंच गई।

कंपनी ने अपनी गतिविधियों के लिए फंड जुटाने के लिए पब्लिक सैक्टर की एक बड़ी संस्था, कैनरा बैंक को भी धोखा दिया।

तथापि, जैसे-जैसे कंपनी के कारोबार और टर्नओवर के आंकडों की काल्पनिक प्रकृति सामने आने लगी, उसके शेयरों की कीमत गिरने लगी। इसका मतलब यह था कि सामान्य शेयरधारकों के साथ-साथ संस्थागत निवेशकों को भी अपने निवेश पर भारी नुकसान उठाना पड़ा।

कुछ रिपोर्टों के अनुसार, कंपनी के अध्यक्ष राजेश मेहता के निजी डेरिवेटिव सौदों को भी सूचीबद्ध कंपनी की बैलेंस शीट में शामिल कर दिया गया था, जबकि यह स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया कि ये चेयरमैन के व्यक्तिगत लेन-देन थे। इस प्रकार कंपनी के खातों में प्राइवेट ट्रेडिंग को पब्लिक लिस्टेड ट्रेडिंग के साथ मिला दिया गया।

सेबी की रिपोर्टों में उलझी हुई अकाउंटिंग और झूठे दावों को लेकर यही चिंता जताई गई है। जांच में मुख्य रुप से रैवेन्यू के इन बहुत ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर दिखाए गए आंकड़ों और नतीजतन, दूसरे फायनैंशियल रैश्यो का पता चला है, जिनके आधार पर इन्वैस्टर्स अपना पैसा लगाते थे।

कंपनी ने स्विट्जरलैंड की एक पुरानी सोना रिफाइनरी कंपनी का अधिग्रहण भी किया था, जिससे उसे विश्वसनीयता का एक आवरण मिल गया था। इस विदेशी इकाई के लेन-देन और कारोबार के आंकड़ों को भी भारतीय मूल कंपनी के खातों में शामिल किया गया, ताकि कंपनी की वित्तीय स्थिति को वास्तविकता से कहीं अधिक मजबूत और आकर्षक दिखाया जा सके।

लंदन में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पैदा करने वाली टिप्पणियों के बारे में सवाल किया। इस बीच, मॉडरेटर ने इस सवाल को रोक दिया और इसे स्वीकार नहीं किया।मॉडरेटर ने कहा, "सम्मान के साथ मेरा कहना है, मैं उस सवाल को नहीं ले सकता क्योंकि विषय कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अंतरराष्ट्रीय कानून से संबंधित है।" स्थल से आए वीडियो में तनावपूर्ण माहौल देखा गया, जहां कुछ उपस्थित लोग खड़े होकर इशारे कर रहे थे और चर्चा के दौरान गतिरोध पैदा हो गया।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्सः01562-256908

संक्षिप्त

साइबर ठगी का आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निस.)। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन के निर्देशन उनियारा क्षेत्र मे साइबर अपराधों की रोकथाम हेतु खच्चर खातों एंव नकदी की बढती शिकायतो पर कार्यवाही करते हुए उनियारा थाना पुलिस ने म्यूल खाता धारक जोन्या कायम जोनू पुत्र रामकिशन मीणा उम्र 20 साल निवासी रहमानपुरा थाना उनियारा को तलब कर जांच व पुछताछ की गई। जांच से उक्त युवक द्वारा साइबर ठोटो द्वारा ठगी की रकम को 20 प्रतिशत कमीशन के आधार पर अपने बैंक खाते में डलवाकर साइबर ठोटी की राशि को नगद निकाल कर साइबर ठोटो को उपलब्ध करवाता था। जिसके बाद पुलिस टीम ने कार्यवाही कर आरोपी के खिलाफ आईटी एक्ट में प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है।

जन्मदिन मनाया

देवली। शनिवार को गुरुकृपा संस्थान के यशस्वी आधार स्तम्भ,धर्म,संस्कृति एवं सनातन परम्पराओं के संवाहक,विद्वता, विनम्रता और साधना की अनुपम प्रतिमूर्ति परम पण्डित मुकेश गौतम को जन्मदिवस पर बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं देने का ताता लगा रहा। जानकारी के अनुसार स्थानीय गुरु कृपा संस्थान के अनुयायियों और मित्रों ने पंडित मुकेश गौतम का जन्मदिन मनाया। इस दौरान गुरु कृपा संस्थान पर दिन भर बधाई देने वालों का ताता लगा रहा। इस मौके पर संस्थान के अनुयायियों और पंडित मुकेश गौतम के मित्रों ने कहा कि गुरुदेव केवल एक विद्वान आचार्य ही नहीं, अपितु असंख्य जनों के जीवन को धर्म,संस्कार और सदाचार का प्रकाश प्रदान करने वाले एक प्रेरणास्त्रोत हैं। इस मौके पर नगर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ जिंदल समाजसेवी प्रेमचंद शर्मा हरिमोहन हल्दिया पत्रकार प्रेमचंद जैन बृजेश भारद्वाज नोरत मल नामा गोविंद सिंह सेठी पंकज शर्मा मनोज शर्मा अमित हल्दिया शम्मी रंगरेज सहित दर्जनों मित्र और अनुयायियों ने पंडित मुकेश गौतम को जन्मदिन पर उत्तम स्वास्थ्य, प्रसन्नता, यश, कीर्ति, दीर्घायु एवं निरंतर धर्मसेवा की ढेरो शुभकामनाएं भेंट की। इस पर पंडित मुकेश गौतम ने सभी का आभार व्यक्त किया।

आरएलपी कार्यकर्ता सम्मेलन आज

पावटा, (निस.)। कोटपुतली-बहरोड़ जिले में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के संगठनात्मक विस्तार और आगामी रणनीति को लेकर रविवार आज कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। यह सम्मेलन पावटा तहसील स्थित भूमिका प्लाज़ा के ओम मैरिज गार्डन में प्रात: 9:15 बजे शुरू होगा। पार्टी पदाधिकारियों के अनुसार सम्मेलन में जिले भर से कार्यकर्ता, युवा साथी एवं समर्थक बड़ी संख्या में भाग लेंगे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ना तथा क्षेत्रीय जनसमस्याओं और पार्टी की भावी योजनाओं पर चर्चा करना रहेगा। आयोजकों ने बताया कि सम्मेलन में पार्टी की विचारधारा, संगठन विस्तार और जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा। साथ ही कार्यकर्ताओं को आगामी राजनीतिक गतिविधियों के लिए दिशा-निर्देश भी दिए जाएंगे। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के पदाधिकारियों ने जिले के सभी सम्मानित कार्यकर्ताओं, युवाओं एवं आमजन से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचकर सम्मेलन को सफल बनाने का आव्हान किया है।

कलश यात्रा आज

निवाई, (निस.)। शिवाजी कॉलोनी में स्थित टीलेश्वर महादेव मन्दिर में 7 जून से शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जाएगा। श्रद्धालु कमला जायसवाल ने बताया कि शिव महापुराण कथा सभी भक्तो के सहयोग से की जा रही है। कथा मे बालमुकुंद महाराज हाथोज धाम जयपुर शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि कथा को लेकर 7 जून को सुबह 8 बजे भव्य कलश यात्रा का आयोजन होगा। कलश यात्रा श्री राधा दामोदर मन्दिर कुण्डों से रवाना होकर टीलेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेगी।

नम्बर मिलाइए 8890333139

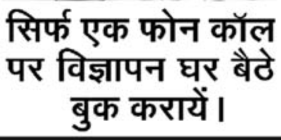

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

सुहेरा में भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव के शुभारंभ पर कलश यात्रा निकाली

डीग, (निस)। डीग के गांव सुहेरा स्थित श्री खारा वाला मंदिर पर आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव का शुभारंभ शुक्रवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ हुआ। इस अवसर पर गांव में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। मुख्य अतिथि गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम स्वयं यजमान के रूप में अपने सिर पर श्रीमद् भागवत धारण कर यात्रा में शामिल हुए, जबकि बड़ी संख्या में महिलाओं ने मंगल कलश लेकर भजन-कीर्तन करते हुए सहभागिता निभाई। गांव में विभिन्न स्थानों पर ग्रामवासियों ने पुष्प वर्षा कर कलश यात्रा का स्वागत किया। कार्यक्रम में भाजपा नेता सतवीर कसाना विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि श्रीमद्

मंत्री जवाहर सिंह यजमान के रूप में अपने सिर पर श्रीमद् भागवत धारण कर यात्रा में शामिल हुए।

भागवत कथा जैसे धार्मिक आयोजन हमारी सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं को सशक्त बनाने का कार्य करते हैं।

उन्होंने कहा कि भागवत कथा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज में नैतिक मूल्यों, भाईचारे और मानवता की भावना को मजबूत करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के आदर्श और शिक्षाएं आज भी समाज को सही दिशा देने का कार्य कर रही हैं।

युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने के लिए ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि कथा के माध्यम से लोगों को धर्म, सेवा, करुणा और सदाचार का संदेश मिलता है, जिससे समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कथा व्यास स्वामी अमृतानंद महाराज ने कहा कि श्रीमद् भागवत केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को धर्म, भक्ति और सदाचार के मार्ग पर अग्रसर करने वाली दिव्य ज्योति है।

- **श्रीमद् भागवत कथा समाज में भाईचारे और मानवता की भावना को मजबूत करने का माध्यम हैः जवाहर सिंह बेढ़म**

पावटा में दो दर्जन परिंडे लगाए

''परिंढा अभियान'' के तहत रविवार को पावटा एवं आसपास के धार्मिक स्थलों पर पक्षियों के लिए दो दर्जन परिंडे लगाए।

पावटा, (निस.)। भीषण गर्मी के दौर में बेजुबान पक्षियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से ''परिंढा अभियान'' के तहत रविवार को पावटा एवं आसपास के धार्मिक स्थलों पर पक्षियों के लिए दो दर्जन परिंढे लगाए गए।

यह अभियान एक कदम गांवों की ओर एनजीओ के संयोजक एवं कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष, सेवानिवृत्त तहसीलदार रामनिवास यादव के नेतृत्व में चलाया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्री भोमिया जी मंदिर के महंत जी के सानिध्य में किया गया। अभियान के दौरान पावटा सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों पर परिंढे लगाकर उनमें पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था की गई, ताकि भीषण गर्मी में उन्हें राहत मिल सके। इस अवसर पर युवा नेता ओपी बायला ने कहा कि वर्तमान में तापमान लगातार बढ़ रहा है, ऐसे में बेजुबान पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करना प्रत्येक व्यक्ति की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आमजन से अपने घरों, प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक स्थानों पर परिंढे लगाने तथा नियमित रूप से उनमें पानी भरने की अपील की।

टोंक में 9 अवैध जल कनेक्शन हटाए, 24 हजार 440 के नोटिस

टोंक, (निस.)। अधीक्षण अभियंता प्रोजेक्ट टोंक के निर्देशों के तहत जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा जिले में पेयजल सप्लाई को दुरुस्त रखने एवं अंतिम छोर तक पहुंचाने के लिए लगातार अवैध जल कनेक्शनों पर कार्यवाही की जा रही है। सहायक अभियंता पूरण मल बैरवा के नेतृत्व में ग्राम पंचायत गुराई से ग्राम श्याला शुक्लपुरा तक जा रही मुख्य वितरण पेयजल पाइपलाइन पर अवैध जल कनेक्शनों को हटाने के लिए शनिवार को विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभागीय टीम द्वारा विस्तृत निरीक्षण एवं जांच कर कुल 9 अवैध जल कनेक्शन हटाए गए।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी परियोजना खण्ड टोंक के अधिशाषी अभियन्ता आकाशदीप सिंह गुर्जर ने बताया कि अवैध कनेक्शनधारकों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही प्रारम्भ करते हुए कुल 24 हजार 440 के दण्डात्मक शुल्क के नोटिस जारी किए गए। विभाग द्वारा अवैध जल कनेक्शनों के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई की जा रही है। ऐसे मामलों में दोषियों के विरुद्ध संबंधित पुलिस थाने में भी प्रकरण दर्ज करवाया जाता है। भविष्य में ग्राम पंचायत गुराई से ग्राम श्याला शुक्लपुरा तक जा रही मुख्य वितरण पेयजल पाइपलाइन पर अवैध कनेक्शनों की पुनावृत्ति ना हो इसके लिए विभाग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि अवैध कनेक्शन की पुनरावृत्ति होती है, तो उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

- **'यदि अवैध कनेक्शन की पुनरावृत्ति होती है, तो उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगी'**

मनोहरपुर में कैंडल मार्च निकालकर भाजपा नेता असवाल को श्रद्धांजलि दी

मनोहरपुर, (निस.)। भाजपा नेता एवं एससी मोर्चा मंडल अध्यक्ष स्वर्गीय रामवतार उर्फ पप्पू असवाल की हत्या के विरोध में बुधवार शाम कस्बे के गांधी चौक पर सर्व समाज के लोगों ने कैंडल मार्च निकालकर श्रद्धांजलि अर्पित की।इस दौरान क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल देखने को मिला।

श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों तथा विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों ने हाथों में मोमबत्तियां लेकर दिवंगत रामवतार असवाल को श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा।

सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि इस प्रकार की जघन्य वारदात समाज के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की। लोगों ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए समाज एकजुट है और प्रशासन से त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की अपेक्षा करता है। कैंडल मार्च एवं श्रद्धांजलि सभा के दौरान गांधी चौक पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

श्रद्धांजलि सभा में नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, तथा विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

एसडीएम ने अस्पताल में दवा केंद्र व वार्ड का निरीक्षण किया

किशनगढ़ बास, (निस.)। एसडीएम सत्यवीर सिंह यादव ने शनिवार को तहसीलदार अभिषेक यादव के साथ अचानक अस्पताल पहुंचकर निरीक्षण किया। अस्पताल में गंदगी, टूटी टाइलें, दीवारों की सिलन और उखड़ता प्लास्टर देख नाराजगी व्यक्त की। अस्पताल प्रभारी डॉ. अतुल गौड़ को साफ-सफाई और मरम्मत कराने के निर्देश दिए।

- **एसडीएम औचक पहुंचे अस्पताल, गंदगी, टूटी टाइल, दीवारों में सिलन, उखड़ता प्लास्टर देख दिए सुधार के निर्देश**

एसडीएम सत्यवीर सिंह यादव सुबह अचानक तहसीलदार अभिषेक यादव के साथ सीएचसी पर पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने ड्यूटी रजिस्टर चेक किया कि कौन डॉक्टर-कर्मचारी ड्यूटी पर है। इसके बाद सीधे दवा वितरण केंद्र पहुंचे और स्टॉक व दवा बांटने की व्यवस्था देखी। मरीज भर्ती वार्ड में जाकर उन्होंने बेड पर लेटे मरीजों से खुद बात की और पूछा- डॉक्टर समय पर संभालने के लिए आते हैं, दवा अस्पताल से मिलती है या बाहर से लानी पड़ती है, इलाज में कोई दिक्कत तो नहीं आर रही है।

अस्पताल मरीज भर्ती वार्ड में मरीजों से जानकारी लेते एसडीएम, तहसीलदार साथ में प्रभारी डॉ अतुल गौड़

निरीक्षण के दौरान दवा केंद्र और परिसर में फैली गंदगी, फर्श की टूटी टाइलें, दीवारों में आ रही सिलन और जगह-जगह से उखड़ रहा प्लास्टर देखा तो नाराजगी जताई। प्रभारी डाक्टर को साफ-सफाई कराने और टूटी टाइल, प्लास्टर व सिलन की मरम्मत कराने के निर्देश दिए।

एसडीएम ने मानसून सीजन को देखते हुए प्रभारी डॉक्टर से डेंगू, मलेरिया, वायरल जैसी मौसमी बीमारियों की तैयारियों पर रिपोर्ट ली। उन्होंने कहा कि बेड, दवा, जांच किट और स्टाफ की पूरी व्यवस्था पहले से पुख्ता रखें ताकि मरीजों को भटकना न पड़े। साथ ही सभी डॉक्टरों को सख्त हिदायत दी कि मरीजों को बाहर की दवा न लिखें।

अस्पताल के दवा केंद्र में जो मुफ्त दवा उपलब्ध है, वही मरीज को मिलनी चाहिए। अगर कोई डॉक्टर बाहर की दवा लिखता है तो कार्रवाई करे। जाते-जाते एसडीएम ने चेताया जिला कलेक्टर कभी भी निरीक्षण पर आ सकते अव्यवस्था नहीं मिले।

मानव तस्करी व अवैध गतिविधियों में शामिल दो आरोपी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में जिले में अवैध गतिविधियों की रोकथाम अभियान के तहत वृताधिकारी उनियारा आकांशा उनियारा के सुपरविजन में थाना अधिकरी अलीगढ प्रभारी राजकुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने मुम्बई, झालावाड व बून्दी पुलिस से समन्वय स्थापित कर बालिग, नाबालिग लडकियों को काम धंधे व पैसों का प्रलोभन देकर धोखे से महानगरों में ले जाकर अनैतिक गतिविधियों में धकेलने वाले गिरोह एवं अंतर-राज्यीय मानव तस्करी रैकेट का पर्दाफाश किया है। इस कार्यवाही में मानव तस्करी कर अनैतिक गतिविधियों में शामिल दो आरोपीयों को गिरफ्तार किया गया है, वही उनके कब्जे से दो बालिकाओं को मुक्त करवाकर कर व एक नाबालिग लडकी को दस्तयाब कर झालावाड पुलिस को सूपूर्द किया है।

जिला पुलिस द्वारा जिले में निवासरत कंजर समुदाय के उत्थान एवं समाज की मुख्य धारा से जोड़ने हेतु चलाये जा रहे कंजर पुर्नवास कार्यक्रम के तहत गोपनीय रूप से अलीगढ थाना क्षेत्र में स्थित सभी कंजर डेरो में जा-जाकर खबर में अंकित तथ्यों की गुप्त रूप से तस्दीक व जांच शुरू की। जांच में तथ्य सामने आये कि स्थानीय दलालों का एक संगठित गिरोह कंजर समाज की नाबालिग बच्चियों को उनके परिजनों की आर्थिक तंगी एवं कर्ज के बोझ तले दबे होने का नाजायज फायदा उठाकर उन लडकियों की अच्छी परवरिश करने तथा काम-धधें पर लगाने से अच्छी कमाई का झांसा एवं आर्थिक प्रलोभन देकर ले जाते है तथा उक्त लडकियों को कुछ समय अपने पास रखने के पश्चात मुम्बई, नागपुर एवं अन्य महानगरों मे सक्रिय गिरोह के दलालों से मोटी रकम लेकर उनको बेच देते है। जो इन नाबालिग लडकियों के आधार कार्ड, पहचान दस्तावेजो मे फर्जी तरीके से उम्र बढाकर इन्हे बालिग बताकर अनैतिक गतिविधियों के दलदल में धकेल देते है।

- **बालिग, नाबालिग लडकियों को काम धंधे व पैसों का प्रलोभन देकर धोखे से महानगरों में ले जाकर अनैतिक गतिविधियों में धकेलने वाले गिरोह का पर्दाफाश**

खेल व्यक्तित्व निर्माण और राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम : सांसद भूपेंद्र यादव

अलवर, (निस.)। अलवर सांसद खेल उत्सव के अंतर्गत आयोजित श्समर कैंप , महिला वर्ग का शनिवार को आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल बहरोड़ में भव्य शुभारंभ हुआ। केंद्रीय पर्यावरणए वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा अलवर सांसद भूपेंद्र यादव एवं उपमुख्यमंत्री एवं वित्त पर्यटन सार्वजनिक निर्माण कला साहित्य संस्कृति एवं पुरातत्व महिला एवं बाल विकास तथा बाल अधिकारिता मंत्री दिया कुमारी की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रशिक्षकों चयनित प्रतिभागी खिलाड़ियों एवं उनके अभिभावकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में खेल प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षणए आधुनिक सुविधाएं और उज्ज्वल भविष्य के लिए मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

केंद्रीय मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव ने कहा कि खेल केवल जीत और हार तक सीमित नहीं हैंए बल्कि यह अनुशासनए नेतृत्व क्षमताए आत्मविश्वासए टीम भावना और राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम हैं। खेल युवाओं को चुनौतियों का सामना करना सिखाते हैं तथा उन्हें जीवन में आगे बढने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि सांसद खेल उत्सव और समर कैंप जैसे नवाचारपूर्ण प्रयासों का उद्देश्य क्षेत्र की प्रतिभाओं को पहचाननाए उन्हें अवसर प्रदान करना और राष्ट्रीय.अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाना है।

उन्होंने भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से देशभर के उत्कृष्ट प्रशिक्षक इस कैंप से जुड़े हैंए जिससे खिलाडिय़ों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण मिल रहा है। उन्होंने भविष्य में भारतीय खेल प्राधिकरण ;स्पोट्र्स अथॉरिटी ऑफ इंडियाद्ध के सहयोग से और अधिक उन्नत एवं व्यवस्थित प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि युवाओं को खेलों के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने हेतु क्षेत्र में 18 खेल मैदान विकसित किए गए हैंए जहां बच्चे और युवा वर्षभर नियमित अभ्यास कर सकेंगे। इसके साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए डेयरी उद्योग को प्रोत्साहन दिया जा रहा है तथा कृषि क्षेत्र में किसानों की आय बढ़ाने के लिए किसान उत्पादक संगठनों एफपीओद्ध के सशक्त संचालन की दिशा में भी निरंतर कार्य किया जा रहा है।

अलवर सांसद भूपेंद्र यादव एवं उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने खिलाड़ी को सम्मानित किया।

- **युवाओं की प्रतिभा और आत्मविश्वास को नई उड़ान दे रहे ऐसे आयोजन - दिया कुमारी**

शिक्षक रामस्वरूप वर्मा राज्य स्तर पर सम्मानित

कोटपूतली, (निस.)। निकटवर्ती ग्राम सुजातनगर निवासी प्रीतिका फाउण्डेशन के संस्थापक रामस्वरूप वर्मा को संस्कृत विषय में उत्कृष्ठ परीक्षा परिणाम देने पर जोधपुर में आयोजित एक भव्य राज्य स्तरीय निजी शिक्षक सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया है।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व संयुक्त निदेशक (स्कूल शिक्षा, उदयपुर संभाग) भल्लूराम खींचड़ व पूर्व संयुक्त निदेशक (स्कूल शिक्षा, जोधपुर संभाग) प्रेमचन्द सांखला ने निजी क्षेत्र के विद्यालयों में कठिन परिश्रम कर अपने विषय में बेहतरीन परिणाम देने वाले प्रदेष भर के लगभग 500 चुनिंदा शिक्षकों को मैडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों का कहना है कि ऐसा पहली बार हुआ है जब निजी विद्यालयों के शिक्षकों की मेहनत को पहचानते हुये गुरुवालय द्वारा इतने बड़े पैमाने पर राज्य स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित किया गया है।

झालाना डूँगरी गृह निर्माण सहकारी समिति लि.जयपुर (राज.)

क्रमांक- दिनांक- 06.06.2026

सार्वजनिक सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि झालाना डूंगरी गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर की योजना मारुती सिटी ए-ब्लॉक महेशवास बन्धे के बालाजी में भूखण्ड संख्या-87 श्री प्रताप सिंह शेखावत पुत्र श्री नरपत सिंह शेखावत निवासी मुण्डियारामसर झोटवाड़ा जयपुर के नाम समिति अभिलेखनुसार आवंटित है। आवंटी द्वारा समिति को सूचित किया गया कि उक्त भूखण्ड के मूल दस्तावेज आवंटन पत्र रसीद साईड प्लान/खो गये है। इस सम्बन्ध में आवंटी द्वारा ऑनलाईन पुलिस में गुमशुदगी रिपोर्ट (19977010260019 1 दिनांक 26.02.2026 को दर्ज आवंटी द्वारा यह निवेदन किया गया है कि उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में डुप्लीकेट आवंटन पत्र/दस्तावेज आवंटी के नाम पर जारी करें।

अध्यक्ष-झालाना डूँगरी गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर रजि. 25/एल.सी., दिनांक-06.06.2026

आम सूचना

इस विज्ञप्ति के माध्यम से विकासकर्ता द्वारा परियोजना के समस्त आंवटियों को सूचित किया जाता है कि ग्राम दहमीकलॉ, तहसील सांगानेर, जयपुर मैसर्स कृतिका अपार्टमेंट्स प्रा0 लि0 द्वारा निजी खातेदारी अनुमोदित योजना के भूखण्ड संख्या जीएच-1 (6156.05 वर्ग मीटर) पर मुख्यमंत्री जन आवास योजना के प्रावधान 3ए के अन्तर्गत अनुमोदित/निर्मित आवासीय प्रोजेक्ट ''नव-निलय'' (रेरा रजिस्ट्रेशन न. RAJ/P/2019/966) में आवश्यक संशोधन (जो कि भवन विनियमो के अनुरुप है) किये जाने बाबत् यह विज्ञप्ति प्रकाशित कर योजना के आंवटीगण (मय सभी आंवटीगण जिन्होंने पूर्व में ही व्यक्तिगत सम्पर्क में तदानुसार अपनी सहमति प्रदान कर दी है) एवं अन्य सभी को सूचित किया जाता है कि उक्त परियोजना के निर्मित भवन में संशोधन किये जाने बाबत् अपनी सहमति, आपत्ति, असहमति विकासकर्ता के कार्यालय (प्रोजेक्ट परिसर में स्थित, 7014820012) में प्रस्तुत करें।

दिनांक : 06.06.2026 स्थान : जयपुर
विकासकर्ता कृतिका अपार्टमेंट्स प्रा0 लि0

नाम परिवर्तन

मैं मुकेश सिंह राठौड पुत्र गोपाल सिंह राठौड निवासी करतारपुरा मेरे पुराने पासपोर्ट में मेरा नाम मुकेश सिंह हो गया है यह दोनों नाम मेरे है भविष्य में मुझे मुकेश सिंह राठौर के नाम से ही जाना पहचाना जाए।

मैं सुनिता देवी पत्नी 16017100K हवलदार रामकिशन जाट गांव भगता की ढाणी रामपुर जिला अलवर राजस्थान पिनकोड 301416 मेरे पति के सर्विस रिकाई में मेरी जन्मतिथि 05.07.1990 गलत दर्ज है मेरी सही जन्मतिथी 01.12.1990 है वाया नोटरी शपथपत्र जयपुर

मैं गरिमा सिंघल पुत्री श्री गोविन्द सिंघल निवासी 70-ई नानूनगर, मुरलीपुरा, मेरे शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरी माताजी का नाम गलती से स्नेलता (SNEHLATA) दर्ज हो गया है। सही नाम स्नेहलता सिंघल (SNEHLATA SINGHAL) है। भविष्य में इसी नाम से जाना जाए।

मैं संजय कुमार टांक, आयु 51 वर्ष, पुत्र श्री मंगल चंद टेलर, निवासी-11/89 कावेरी पथ, मानसरोवर जयपुर राजस्थान का हूँ। मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम संजय टांक अंकित था व मेरे समस्त दस्तावेजों आधार कार्ड, पेन कार्ड में मेरा नाम संजय कुमार टांक है। संजय टांक एवं संजय कुमार टांक दोनों मेरे ही नाम है।

मैं रूचि बांठिया पत्नी श्री मोहित बांठिया निवासी फ्लैट नं. 405 चौथी मंजिल, प्रताप इम्पेरिया, प्लाट नं. 722,723 अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर। मैंने अपना नाम रूचि हिरावत (RUCHI HIRAWAT) से बदलकर रूचि बांठिया (RUCHI BANTHIA) रख लिया है। भविष्य में मुझे रूचि बांठिया (RUCHI BANTHIA) के नाम से जाना जाये।

मैं ललिता कुमारी पत्नि नंबर 15817558Y हवलदार मुकेश कुमार रजक, निवासी गांव नवाडीह दुर्गापुर PO- करमाटांड तहसील और जिला जामताडा (झारखंड) मेरे पति के सर्विस रिकाई में मेरा नाम ललिता कुमारी गलत दर्ज है। मेरे डॉक्यूमेंट्स यानी आधार और पैन कार्ड के अनुसार मेरा सही नाम ललिता देवी है।

मैं नंबर JC-731996L सूबेदार सुभाष चंद R/o VPO- चितौसा तहसील बुहाना, जिला झुंझुनू (राजस्थान)। मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरी बेटी का नाम गार्गी गलत दर्ज है। आधार और पैन कार्ड जैसे डॉक्यूमेंट्स के हिसाब से उसका सही नाम गार्गी यादव है।

खोया पाया

मेरे फ्लेट संख्या 2/510 जवाहर नगर जयपुर का आवंटन पत्र, कब्जा पत्र, डिक्लरेशन एवं अंतिम कार्यालय आदेश कहीं खो गये है। यदि किसी को मिले तो सूचित करें मो-9915008855

मेरे प्लॉट संख्या 168,9, आनन्द नगर के मूल आवंटन पत्र, साइट प्लान व रसीद कहीं खो/गिर गई है, मिलने पर सूचित करें। मोबाइल-9910876682

कार्यालय उपायुक्त सिविल लाईन जोन, नगर निगम, जयपुर

क्रमांक-एफ-56()सि.ला.जो./ननिज/2026/670
दिनांक-02.06.2026

अनापत्ति आमंत्रण सूचना

भूखण्ड संख्या 141 जगन्नाथपुरा खातीपुरा जयपुर क्षेत्रफल 300 वर्गमीटर का नगर निगम जयपुर द्वारा पट्टा क्रमांक 42 दिनांक 17.01.2018 को गणेश राम पुत्र स्व. भूरा राम भूखण्ड संख्या 141 क्षेत्रफल 300 वर्गमीटर का पट्टा जारी किया गया है। तत्पश्चात गणेश राम की मृत्यु दिनांक 26.07.2023 को हो गई। स्व. गणेश राम की मृत्यु पश्चात इनके वारिसान श्रीमती दुर्गा पत्नी स्व. गणेश राम, कमला पुत्री स्व. गणेश राम, मुकेश चौधरी एवं धर्मेन्द्र चौधरी पुत्रान स्व. गणेश राम के वारिस हुये। तत्पश्चात दिनांक 01.02.2015 को धर्मेन्द्र चौधरी की मृत्यु हो गई। तत्पश्चात स्व. धर्मेन्द्र चौधरी के वारिसान श्रीमती सीता देवी पत्नी स्व. धर्मेन्द्र चौधरी, पीयूष चौधरी व तेजपाल ढाका पुत्रान स्व. धर्मेन्द्र चौधरी वारिस हुये। तत्पश्चात दिनांक 23.01.2025 को स्व. गणेश राम एवं स्व. धर्मेन्द्र चौधरी के वारिसानों ने मुकेश चौधरी पुत्र स्व. गणेश राम एवं श्रीमती सीता देवी पत्नी स्व. धर्मेन्द्र चौधरी के हक में हकत्याग कर दिया। पंजीकृत हकत्याग के आधार पर उक्त भूखण्ड का नाम हस्तानान्तरण मुकेश चौधरी पुत्र स्व. गणेश राम एवं श्रीमती सीता देवी पत्नी स्व. धर्मेन्द्र चौधरी के नाम से जारी किया जाना है। किसी संस्था, फर्म, कम्पनी व किसी भी व्यक्ति को उक्त नाम हस्तानान्तरण के संबंध में आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में सात दिवस में आपत्ति पेश करें अन्यथा सात दिवस पश्चात उक्त भूखण्ड में नाम हस्तानान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।

उपायुक्त-सिविल लाईन जोन
नगर निगम, जयपुर

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
(व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4)
न्यायालय अपर जिला न्यायाधीश क्र.सं. 10, जयपुर महानगर प्रथम सांगानेर, जयपुर
लखन कुमावत विरुद्ध नेहा कुमावत
वाद/प्रार्थना पत्र धारा-13, हिन्दू विवाह अधि. 1955
प्रार्थना-पत्र संख्या - 280सन् 2026

नाम नेहा कुमावत पत्नि लखन कुमावत पुत्री फुलचन्द कुमावत जाति कुमावत उम्र 28 वर्ष निवासी- कुतरो की ढाणी मुहाना मोड़ सांगानेर जयपुर राज. हाल निवासी-प्लाट नम्बर 86-डी नारायण विहार, जगन्नाथपुरा मदरामपुरा, सांगानेर जिला जयपुर उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि- नकल संलग्न है।
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 25 माह 06 सन् 2026 को 7.30 पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश को सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज दिनांक 04 माह 06 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

आज्ञा से-शरिस्तेदार
मोहर अदालत
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या 10, जयपुर महानगर प्रथम, मुख्यालय, सांगानेर

कार्यालय ग्राम पंचायत मून्दड़ा पंचायत समिति सुजानगढ़

क्रमांक- ग्रापं/2026/368-373 दिनांक- 04.06.2026

खुली-निविदा सूचना 01/2026-27

ग्राम पंचायत मून्दड़ा में वित्तीय वर्ष 2026-27 में राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं राजस्थान लोक उपापन नियम 2013 एवं वाणिज्यिक कर विभाग में सक्षम प्राधिकारी के अधीन वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम 2017 के अन्तर्गत पंजीकृत फर्मो/सप्लायर्स/एजेंसीयों से ओपन-टेण्डरिंग प्रक्रिया के माध्यम से निविदा आमंत्रित की गई जिसकी विस्तृत जानकारी हेतु https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

तीजू देवी, प्रशासक ग्राम पंचायत, मून्दड़ा सुजानगढ (चूरू)
NIB NO.- ZCR2526A0247
UBN NO.- ZCR2526WSOB06394
ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत मूंदडा सुजानगढ (चूरू)

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY *Conditions apply

Also Available on: Flipkart amazon.in

इंस्टेंट डिस्काउंट ₹10 000^ तक HDFC BANK | SBI card क्रेडिट कार्ड Powered by pine labs

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. World's no 1 disclaimer - Highest sales for any 2 Wheeler Corporate Entity in the world for Calendar Year 2025 Data source: DNA Consult & Advisory's report Assessment of Global Two Wheelers Market(CY25). Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ^Basis data available in public forum for products in 100cc Motorcycle segment. *T&C apply. As per internal testing under standard conditions and may vary as per road & riding conditions.*Ex-showroom price of HF Dlx kick variant in Rajasthan. ^T&C Apply.

TOLL FREE NO. 1800 266 0018

अधिकृत डीलर: जयपुर: सूर्या हीरो, सीकर रोड़, लेन नं. 8, वीकेआईए, 9289922901, सुप्रीम हीरो, गोविन्द मार्ग, राजापार्क, 9289922197, आकड़ हीरो, अजमेर रोड, 9289922192, शुभम हीरो, सहकार मार्ग, 9289922207, कोटपूतली: चौधरी हीरो, 9289922797, एसोशिएट डीलर: मानसरोवर: आर.एल. मोटर्स, 9579258884, जगतपुरा: टीनिटी मोटर्स, 8003088062, करबला (जयपुर): सुपर मोटर्स, 8824088678, सिरसी रोड़ मीनावाला: रजत स्पीड जोन, 9261499995, बगरू: लाम्बा मोटर्स, 97728 81888, भांकरोटा: हरितवाल ऑटोमोबाइल्स, 9314013185, चाकसू: नाकोडा ऑटोमोबाइल, 9950560918, बस्सी: वरधानी ऑटोमोबाइल्स, 9414312552, सर्राफ ऑटोमोबाइल्स, 9414751333, दूदू: श्री गणेश ऑटोमोबाइल्स, 9352727667, शाहपुरा: सत्यम मोटर्स, 8104361919, हरमाड़ा: बी.एल. ऑटोमोबाईल्स, 9314050594, फुलेरा: अग्रवाल ऑटोमोबाइल्स, 9414818930, जमवा रामगढ़: उदय ऑटोमोबाइल्स, 9828090676, जोबनेर: केशव ऑटोमोबाईल्स, 8769505565, पावटा: पंकज मोटर्स, 96104 26700, कानोता: के.पी. ऑटोमोबाइल्स, 9414228404, मनोहरपुर: श्री कृष्णा मोटर्स, 8560000816, 9414643816, अचरोल: हैप्पी ऑटोमोबाइल, 9829321200, 7073888288 आंतेला: सैनी ऑटोमोबाइल्स, 7790999997, जयपुर: हार्दिक मोटर, 9828085118, रेनवाल मांजी: सालासर मोटर्स, 9001094391, मेढ़: किरण मोटर्स, 9314039090, झोटवाड़ा: प्राइम मोटर्स, 9358048181, वाटिका: बालाजी मोटर्स, 8875558222, 9549997999, तुंगा: जय बालाजी मोटर्स, 8094528008, 9549652279, कोटखावादा: श्री राम मोटर्स, 9414866716, विराटनगर: बागड़ा मोटर्स, 9928776482, वैशाली नगर: सिद्धिक मोटर्स, 9610444469, कुकस: आदित्य मोटर्स, 9829494009, दौलतपुरा: त्रिवेणी मोटर्स 6377644292, प्रताप नगर: आनंद मोटर्स 9773343232, सांगानेर: मुहाना मोटर्स, 9351591591.